E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 176 | गुवाहाटी | बुधवार, 24 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

डीएचआर ने चालू वित्त वर्ष के दौरान रिकॉर्ड आय दर्ज की — पेज 3
एलजी और दिल्ली सरकार फिर आमने-सामने — पेज 4
रामलला के सभी को होंगे दर्शन, श्रद्धालु रखें धैर्य : एडीजी पीयूष मोर्डिया — पेज 5
बिहार की सियासत गरमाई राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री नीतीश — पेज 8

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में फिर बवाल

राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करें : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गुवाहाटी में प्रवेश करने से रोके जाने के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राज्य पुलिस से राहुल गांधी के खिलाफ *भीड़ को उकसाने* के लिए मामला दर्ज करने को कहा। पार्टी द्वारा आज असम में अपनी प्रमुख भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर से शुरू करने के बाद मंगलवार को गुवाहाटी में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी के साथ लगभग 5,000 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया गया। इसके बाद, पार्टी कार्यकर्ता पुलिस अधिकारियों से भिड़ गए और पुलिस अवरोधकों को तोड़ दिया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। हिमंत ने अपने ट्वीट में लिखा कि ये असमिया संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। हम एक शांतिपूर्ण राज्य हैं। ऐसी *नक्सली रणनीति* हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग हैं। उन्होंने कहा कि मैंने डीजीपी असम पुलिस को भीड़ को उकसाने के लिए आपके नेता राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने और आपके द्वारा अपने हैंडल पर पोस्ट किए गए फुटेज को सबूत के रूप में उपयोग करने का निर्देश दिया है। आपके अनियंत्रित व्यवहार और सहमत दिशानिर्देशों के उल्लंघन के परिणामस्वरूप अब गुवाहाटी में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम हो गया है। गुवाहाटी सीमा के करीब एक सभा को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी के -शेष पृष्ठ दो पर

कानूनी कार्रवाई की जा रही है : डीजीपी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा कि गुवाहाटी में कांग्रेस समर्थकों और असम पुलिस के बीच हुई झड़प और बेरिकेडिंग तोड़ने के सिलसिले में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने उपयुक्त कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। मंगलवार शाम को डीजीपी जीपी सिंह ने ट्वीट किया कि यात्रा को मेघालय से गुवाहाटी राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 होते हुए कामरूप जिले के हाजो की ओर जाना था। दो प्रमुख सड़कें हैं, इनमें से एक का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। इनमें से आयोजकों और एएसएल के साथ विचार-विमर्श के बाद तदनुसार तय किया गया था। -शेष पृष्ठ दो पर

नेताजी का जीवन और उनका योगदान युवा भारत के लिए प्रेरणा : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में भाग लिया। पराक्रम दिवस के अवसर पर लाल किले में आयोजित एक प्रदर्शनी का उन्होंने निरीक्षण भी किया। मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर आईएनए के अनुभवी लेफ्टिनेंट आर माधवन को सम्मानित किया। इस दौरान पराक्रम दिवस की बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आजाद हिंद फौज के क्रांतिवीरों के सामर्थ्य का साक्षी रहा ये लाल किला आज फिर नई ऊर्जा से जगमग है। अमृतकाल के शुरुआती वर्ष... पूरे देश में संकल्प से सिद्धि का उत्साह... ये पल वाकई अभूतपूर्व है। मोदी ने कहा कि कल ही पूरा विश्व, भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक ऐतिहासिक पड़ाव का साक्षी बना है। भव्य राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा की ऊर्जा को, उन भावनाओं को, पूरे विश्व ने, पूरी मानवता ने अनुभव किया है। और आज हम नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म-जयंती का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पराक्रम दिवस पर लाल किले से भारत पर्व का भी आरंभ हो रहा है। अगले 9 दिनों में भारत पर्व में -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा का 44 साल पुराना सशस्त्र संघर्ष समाप्त

चिरांग (हि.स.)। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) का 44 साल पुराना सशस्त्र संघर्ष अब समाप्त हो गया। आम परिषद की बैठक के अंत में अल्फा के अस्तित्व को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। मंगलवार को अल्फा की आम परिषद की आखिरी बैठक सिपाझार के नए निर्माण केंद्र में आयोजित की गई। पिछली बैठक में अनूप चेतिया का भाषण आंसूओं से ओतप्रोत था। उन्होंने कहा कि मैं उस संगठन -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार का सैन्य विमान मिजोरम में दुर्घटनाग्रस्त, आठ घायल

एजल (हि.स.)। म्यांमार का एक सैन्य विमान मंगलवार को मिजोरम में एजल के निकट लेंगपुई हवाई अड्डे पर उतरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारण विमान में सवार चालक दल के 13 सदस्यों में से आठ सदस्य घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार म्यांमार का यह सैन्य विमान उन 184 सैनिकों को एयर लिफ्ट करने के लिए म्यांमार से आया था, जो पिछले दिनों भारत-म्यांमार सीमा पार करके मिजोरम में आ गए थे। ये सैनिक अराकान सेना के आतंकवादियों के साथ संघर्ष से बचकर मिजोरम के लांग्तलाई जिले में भागकर आ गए थे। विमान के पायलट ने ओवरशूट किया, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हमने बैरिकेड तोड़े हैं, लेकिन कानून नहीं तोड़ेंगे : राहुल

गुवाहाटी। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मंगलवार को गुवाहाटी में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल कांग्रेस नेता यात्रा को शहर के भीतर से निकालना चाहते थे, लेकिन सरकार ने इसकी इजाजत नहीं दी। जिससे कांग्रेस कार्यकर्ता भड़क गए और उनकी पुलिस से झड़प हो गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यात्रा को रोकने के लिए लगाए गए बैरिकेड तोड़ दिए। बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी -शेष पृष्ठ दो पर

राम दरबार में लगी भक्तों की भीड़, आठ हजार पुलिसकर्मी मंदिर की सुरक्षा में

अयोध्या। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का दरबार राभक्तों के लिए खोल दिया गया है। प्रभु राम के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। राम मंदिर में भक्तों की भीड़ इतनी है कि संभालना मुश्किल हो रहे है। जानकारी के मुताबिक, अब तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं और इससे कहीं ज्यादा अभी लंबी-लंबी कतारों में लगे हुए हैं। वहीं, सीएम योगी आदित्याथ अयोध्या पहुंच चुके हैं। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर का हवाई सर्वेक्षण किया। यूपी सूचना विभाग के अनुसार आज 23 जनवरी को ढाई से तीन लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं और उतने ही संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने हेतु बचे हुए हैं। सारी व्यवस्थाएं नियंत्रण में हैं। सुरक्षा हेतु आठ हजार से ज्यादा सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। इससे पहले एडीजी अयोध्या रेंज पीयूष मोर्डिया ने बताया था कि बढ़ती भीड़ लोगों की भक्ति है और हम चाहते हैं यब दर्शन करें। दर्शन रोके नहीं गए हैं, सबकी सुविधा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ये प्रशासन की विफलता नहीं है। बता दें कि प्राण-प्रतिष्ठा के अगले दिन अयोध्या में बने नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

कर्पूरी ठाकुर को मिलेगा भारत रत्न

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। वह दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके थे और पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे। कर्पूरी ठाकुर की बुधवार को होने वाली 100वीं जन्म जयंती से पहले उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का एलान किया गया है। बता दें कि जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की मांग की थी। इस एलान के बाद जेडीयू ने मोदी सरकार का आभार जताया है। कर्पूरी ठाकुर के -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नेताजी के सपने को साकार करने की दिशा में करना होगा काम : भागवत

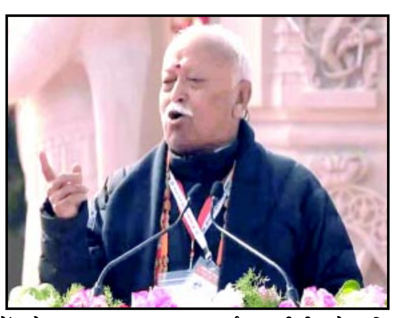

कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पश्चिम बंगाल में एक रैली के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि इस दिन केवल नेताजी को याद करना पर्याप्त नहीं है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमें नेताजी को न केवल स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान के लिए याद करना चाहिए। हमें उनके गुणों, आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करना चाहिए। साथ ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक मजबूत देश के निर्माण के उनके सपने को साकार करने की दिशा में सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर भी जोर दिया। वे पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में आरएसएस की एक रैली में सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती मना रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर उनके सपने अभी भी अधूरे हैं, तो उन्हें पूरा करने की जिम्मेदारी किसकी है? अगर वह देखेंगे कि वर्तमान पीढ़ी इसे हासिल करने के लिए काम कर रही है, तभी यह पूरा होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को नेताजी की आकांक्षाओं को -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल पर एफआईआर के बाद बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन

बेंगलुरु। मणिपुर से मुंबई भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को असम के गुवाहाटी शहर में प्रवेश करने से रोके जाने के बाद कर्नाटक कांग्रेस ने बेंगलुरु में एक विशाल रैली की। प्रदर्शनकारियों ने आग की मशालें ले रखी थीं और असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ नारे लगाए। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने भी असम के सीएम की आलोचना की और कहा कि वह केवल भाजपा आलाकमान -शेष पृष्ठ दो पर

अल्लाह की कसम..., भाजपा का समर्थन करने वालों को माफ नहीं करूंगी : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी की एक रैली में कहा कि वह *अल्लाह* की कसम खाती हैं कि वह पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने वालों को माफ नहीं करेंगी। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की सार्वजनिक रैली – जिसे *संप्रति रैली* कहा जाता है, को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने सोमवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में राम मंदिर *प्राण-प्रतिष्ठा* कार्यक्रम के प्रतिवाद के रूप में देखा गया। ममता बनर्जी की टिप्पणी, जिसे इंडिया ब्लॉक के इरादे के रूप में देखा जाता है, ने कहा कि एक बात याद रखें, भाजपा की मदद न करें। अगर आप में से कोई भी भाजपा का समर्थन करता है, तो अल्लाह की कसम, तुम्हें कोई माफ नहीं करेगा। मैं तुम्हें माफ नहीं करूंगी। एक भाषण में उन्होंने बांग्ला और हिंदी के बीच स्विच किया। अपेक्षाकृत आक्रामक भाषण में, टीएमसी बॉस ने कहा कि काफिर, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
शत्रु के गुण को भी ग्रहण करना चाहिए।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

60 करोड़ की रिश्वतखोरी पर सीबीआई का एक्शन

नई दिल्ली /गुवाहाटी। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में 2016 से 2023 तक की परियोजनाओं में 60 करोड़ रुपए की रिश्वतखोरी के एक मामले में रेलवे के सात कर्मचारियों और निजी कंपनी भारतीय इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ खंड अभियंता संतोष कुमार के परिसरों पर तलाशी के बाद उन्हें दो करोड़ रुपए की रिश्वतखोरी के एक मामले में -शेष पृष्ठ दो पर

रामलला की प्रतिमा का पत्थर 225 करोड़ साल पुराना

अयोध्या। श्याम रंग, सम्मोहित करती चमकीली आंखें, मनमोहक मुस्कान और भव्य शृंगार के साथ अयोध्या के भव्य मंदिर में प्रभु श्रीराम के बालस्वरूप का विराजमान हो चुका है। सोमवार यानी 22 जनवरी को नए बने मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। गर्भगृह में रामलला की 51 इंच की विग्रह स्थापित की गई जिसे मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने तराशा है। जिस शिला को मूर्ति का रूप दिया गया है उसकी खुदाई मैसूर के एचडी कोटे तालुका में जयापुरा होबली में गुज्जेगौदानपुरा से की गई थी। अब उस पत्थर से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। बेंगलुरु के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रॉक मैकेनिक्स (एनआईआरएम) ने ब्लैक ग्रेनाइट (शालीग्राम) की टेस्टिंग की है। एनआईआरएम भारत के डैम और न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए चट्टानों की टेस्टिंग करने वाली नोडल एजेंसी है। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर एचएस वेंकटेश ने फिजिको-मैकानिकल एनालिसिस का इस्तेमाल कर पत्थर की टेस्टिंग की है। डॉ. वेंकटेश ने कहा कि पूरा पत्थर एक रंग में है। इसमें किसी भी तरह की नक्काशी के लिए विशेष गुण हैं। इन पत्थरों में कोई दरार नहीं आती है। काले पत्थर पानी को अवशोषित नहीं करता है या कार्बन के साथ प्रतिक्रिया भी नहीं करता है। यानी रामलला की मूर्ति पर दूध से अभिषेक करने, रोली या चंदन लगाने से भी कोई नुकसान नहीं होगा। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से बताया है कि जिस चट्टान के पत्थर से मूर्ति तराशी गई है -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के न्याय के पांच स्तंभ : राहुल

कामरूप (हि.स.)। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के *न्याय के पांच स्तंभ* पेश किए। कांग्रेस ने पांच स्तंभ यानी नारी सशक्तिकरण, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, मजदूरों की समस्या तथा युवाओं की समस्या को लेकर एक कार्यक्रम बना रही है, जिसकी रूपरेखा अगले महीने प्रस्तुत की जाएगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को जिले के हाजो में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पांच स्तंभ यानी नारी सशक्तिकरण, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, मजदूरों की समस्या तथा युवाओं की समस्या को लेकर एक कार्यक्रम बना रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी यह -शेष पृष्ठ दो पर

प्राण-प्रतिष्ठा : पथराव करने वालों पर बुलडोजर

मुंबई। महाराष्ट्र के मीरा रोड के नया नगर इलाके में बुलडोजर से अवैध ढाचों को ध्वस्त कर दिया गया है और अतिक्रमण को हटाया गया है। इसी इलाके में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा से पहले सनातन धर्म यात्रा पर पथराव की घटना सामने आई थी। राज्य सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना 21 जनवरी की रात को हुई थी। मुंबई से सटे भायंदर इलाके में सनातन धर्म यात्रा निकल रही थी। इसी दौरान कुछ अराजक तत्वों ने बड़ा बवाल खड़ा कर दिया था। उन्होंने यात्रा पर लाठी-डंडों, पत्थरों से हमला कर दिया था। इसके अलावा, धार्मिक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

इजराइली सेना पर हमास का हमला, 21 सैनिकों की हुई मौत

इजराइली सेना ने बयान जारी करते हुए कहा कि मध्य गाजा में एक हमले में उसके 21 सैनिकों की मौत हो गई है। यह युद्ध शुरू होने के बाद से सेना को पहुंची सबसे बड़ी क्षति है। सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सैनिक मध्य गाजा में सोमवार को दो मकानों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक लगाने की तैयारी कर रहे थे तभी एक आतंकवादी ने रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा। इससे विस्फोटक फट गए और इमारतें धराशायी हो गईं, जिसकी वजह से सैनिक मलबे में दब कर मारे गए। इजरायली सेना द्वारा इस विस्फोट के पीछे का कारण जानने की कोशिश की जा रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस बिल्डिंग में काफी मात्रा में विस्फोटक रखा गया था। इस भयंकर विस्फोट के चलते दो इमारतें मलबे में तबदील हो गईं। इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने बताया कि कल की घटना में कुल 21 सैनिक मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि सैनिक सीमा पर करीब 600 मीटर के इलाके में मौजूद थे। सैनिक वहां पर हमास के ठिकानों को तबाह कर रहे थे। तकरीबन शाम 4 बजे आतंकियों ने एक टैंक पर आरपीजी से हमला किया। हमल के बाद इमारतों में विस्फोट होते ही मलबे की चपेट में आकर सैनिक मारे गए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सबसे घातक हमले में 21 सैनिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि सेना जीत पूरी होने तक लड़ती रहेगी। सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध की शुरुआत के बाद से सोमवार का दिन सबसे कठिन दिनों में से एक था। उन्होंने कहा कि सेना उस हमले की जांच शुरू करेगी जिसमें एक आतंकवादी ने एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा जिससे विस्फोट हुआ और सैनिक विस्फोट के बाद ध्वस्त हुई दो इमारतों के मलबे में दब गए। जमीनी कार्रवाई शुरू होने के बाद से गाजा में इजराइली सेना पर यह सबसे घातक हमलों में से एक है। नेतन्याहू ने मंगलवार को पोस्ट किया कि हमारे नायकों के नाम पर और अपने जीवन की रक्षा के लिए हम पूर्ण जीत तक लड़ना बंद नहीं करेंगे।

22 फरवरी को पूरी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन करेंगे सीएम

गुवाहाटी। 500 वर्षों के इंतजार के बाद 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न किया। आज यानी 23 जनवरी से आम लोगों के लिए भी राम मंदिर के कपाट खोल दिए गए हैं। इसी बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 22 फरवरी को पूरे मंत्रिमड़ल के साथ अयोध्या के राम मंदिर जाने का फैसला किया है। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सहृदय आभार व्यक्त करते हुए रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर देशवासियों शुभकामनाएं दीं। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में ये जानकारी देते हुए कहा कि पूरा मंत्रिमंडल 22 फरवरी 2024 को रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि मंत्रिमंडल ने राज्य के दस जिलों में स्थानीय परिवारों को जमीन मुहैया का फैसला लिया है। मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत शोणितपुर, तिनसुकिया, धेमाजी, नागांव, विश्वनाथ, कामरूप (महानगर), कामरूप, बोंगाईगांव, गोलपारा और धुबरी जिले में उन लोगों को जमीन देगी जिनके पास नहीं है। उन्होंने कहा इनमें से 84 फीसदी लोग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अधिक अन्य पिछड़े वर्ग से आते है। असम में क्वेश्चन पेपर लीक होने से रोकने के लिए असम पब्लिक एग्जाम बिल 2024 को कैबिनेट ने भी मंजूरी दे दी है। 5 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र में विधानसभा के सामने ये प्रस्ताव रखा जाएगा। कैबिनेट ने गोहपुर में नए विश्वविद्यालय खोलने का भी फैसला लिया है। इस नए विश्वविद्यालय का नाम स्वीहिद कनकलता बरुआ विश्वविद्यालय रखा जाएगा। इसका बिल अगले सत्र में विधामसभा के सामने रखने का फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने इसके अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए 2023-24 के लिए बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल को दूसरी किस्त के रूप में 400 करोड़ रुपए जारी करने की भी मंजूरी दे दी।

मणिपुर में 2.6 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के तेरा उरक क्रॉसिंग से लगभग 1.8 किग्रा वजन वाले 139 साबुनदानी में छिपाकर लाए गए संदिग्ध हेरोइन पाउडर के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया। वाहनों की जांच के दौरान जब्त किए गए हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2.6 करोड़ रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में दो की पहचान साहिदुर और समीर खान के रूप में की गई है, दोनों बिष्णुपुर जिले के क्वाक्टा वार्ड नंबर 4 के रहने वाले हैं।

असम में सबसे भ्रष्ट सरकार : राहुल

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि असम में सबसे भ्रष्ट सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हर दिन असम को लूटते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सवाल पूछा कि गुवाहाटी के जिस रास्ते से अन्य इतनी सारी रैलियां निकाली जा सकती हैं, उस रास्ते से कांग्रेस की यात्रा क्यों नहीं निकल सकती है? उन्होंने कहा कि असम में अन्याय नहीं चलेगा। असम के लोगों को न्याय मिलना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि एक यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ राहुल गांधी की बातचीत का कार्यक्रम था, जिसे यह कहते हुए मना करवा दिया गया कि राहुल गांधी असम के छात्रों से नहीं मिल सकते हैं, लेकिन छात्रों ने यूनिवर्सिटी से बाहर आकर हमारी बातों को सुना। उन्होंने कहा कि हम डरते नहीं हैं। इसका यह प्रमाण है कि हमने प्रशासन के लगाए गए बेरिकेट को उखाड़ फेंक दिया है लेकिन, हम कानून को नहीं तोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कानून को तोड़े, आरएसएस के नेता कानून को तोड़ें, लेकिन हम कानून को नहीं तोड़ेंगे। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि आप बब्बर शेर हैं और आप अपनी ताकत को पहचानें। बस के ऊपर से इससे पहले कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह तथा गौरव गोगोई ने भी भीड़ को संबोधित किया।

राजधानी पुलिस ने 75 चोरी एवं खोए हुए मोबाइल फोन को सही मालिक के हाथ सौंपा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के इटानगर कैपिटल पुलिस ने आज इटानगर पुलिस ने *खोया पाया अभियान* के कार्यक्रमों के तहत 75 चोरी एवं खोए हुए मोबाइल फोन को सही मालिक को सौंपा। इस अवसर पर बोलते हुए कैपिटल इटानगर के पुलिस अधीक्षक रोहित राजवीर सिंह ने कहा कि एसपी के मार्गदर्शन में पुलिस ने पिछले दो महीने से खोया पाया अभियान शुरू किया है और एक महीने के भीतर अभियान की विशेष रिकवरी टीम द्वारा कुल 75 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एसपी के मार्गदर्शन में 11 पुलिस कर्मियों की एक टीम ने उक्त मोबाइल फोन को बरामद करने के लिए अथक प्रयास किया है। आज इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आनंद मोहन ने 15 मोबाइल फोन सही मालिक को सौंपे और बाकी को भी असली मालिक को सौंप दिए गए। इस अवसर पर हमने साइबर अपराध दिशा निर्देश पुस्तिका भी लांच की और इस पुस्तिका के 3 पृष्ठों में साइबर अपराध के निवारक उपायों के बारे में लिखा गया है। इसके अलावा एसपी रोहित ने जनता, विशेषकर युवाओं से हैंडबुक पढ़ने की अपील की, जो पुलिस स्टेशन में उपलब्ध होगी और सोशल मीडिया पर पीडीएफ फॉर्मेट भी साझा किया जाएगा और खुद को साइबर अपराध से बचाएगा। मोबाइल फोन चोरी के मामले के अलावा, राजधानी क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर चोरी के मामले भी बढ़ रहे हैं और अब तक हमने दो गिरोह का भंडाफोड़ करके गैस सिलेंडर चोरी के 8 मामले सुलझाए हैं। इस बीच मोबाइल फोन मालिकों ने अपनी खुशी व्यक्त की और अपने खोए हुए मोबाइल फोन को वापस पाने के लिए राजधानी पुलिस को अनुग्रह राशि भी दी।

पृष्ठ एक का शेष

राहुल गांधी के...

कार्यकर्ता कभी भी नियम नहीं तोड़ेंगे और कानून-व्यवस्था को बाधित नहीं करेंगे; हालांकि कि इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि असम के सीएम, केंद्रीय गृह मंत्री और पीएम नियम तोड़ सकते हैं, लेकिन हम (कांग्रेस) ऐसा कभी नहीं करेंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। गुवाहाटी के लिए रवाना होने से पहले, पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सीएम को उन्हें छात्रों से मिलने से रोकने का निर्देश दिया, जो आज के लिए निर्धारित था। उधर राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर मेघालय में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ बातचीत करने से रोका गया। बता दें कि इस समय राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री कार्यालय के माध्यम से विश्वविद्यालय अधिकारियों को निर्देश दिया था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें छात्रों से बात करने की भी अनुमति नहीं दी गई। राहुल गांधी ने असम-मेघालय सीमा पर अपनी यात्रा बस के ऊपर से छात्रों और अन्य लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपके विश्वविद्यालय में आकर आपको संबोधित करना चाहता था, आपकी बात सुनना चाहता था। लेकिन हुआ यह कि भारत के गृह मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री को फोन किया फिर सीएमओ ने विश्वविद्यालय को फोन कर कहा कि राहुल गांधी को छात्रों से बात करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान गुवाहाटी में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने इस दौरान कार्यकर्ताओं पर डंडे बरसाए। खबरों के अनुसार, पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे आने से रोक रही है और डंडे से पिटाई करते नजर आ रही है। दरअसल, गांधी मंगलवार सुबह असम की सीमा से लगे मेघालय के री भोई जिले में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) पहुंचे थे। यहां वह छात्रों, नागरिक समाज के सदस्यों और पार्टी नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत करने वाले थे। प्राइवेट यूनिवर्सिटी में कार्यक्रमों की घोषणा कांग्रेस द्वारा सोमवार दोपहर को की गई थी, लेकिन बाद में विश्वविद्यालय द्वारा अनुमति वापस लेने के बाद री भोई जिले में ही एक होटल में कार्यक्रम को फिर से निर्धारित किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि राहुल गांधी आएं या न आएं। महत्वपूर्ण यह है कि आपको किसी की भी बात सुनने की अनुमति दी जाए। आपको अपनी इच्छानुसार जीवन जीने की अनुमति दी जानी चाहिए, न कि जैसा कोई और चाहता है। भाजपा पर हमला करते हुए गांधी ने कहा कि वे आपको गुलाम बनाना चाहते हैं, लेकिन मैं आपको जानता हूं कि ब्रह्मांड की कोई भी शक्ति ऐसा नहीं कर सकती। उन्होंने यह भी कहा कि यह न केवल असम में बल्कि भारत के हर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में हो रहा है।

नेताजी का जीवन और ...

गणतंत्र दिवस की झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा देश की विविधता का प्रदर्शन किया जाएगा। मोदी ने कहा कि नेताजी ने भारत की आजादी के लिए अपने सपनों, अपनी आकांक्षाओं की तिलांजलि दे दी। वे चाहते तो अपने लिए एक अच्छा जीवन चुन सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को भारत के संकल्प के साथ जोड़ दिया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये नेताजी ही थे जिन्होंने पूरी ताकत से मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत की पहचान को विश्व के सामने रखा। जब दुनिया में कुछ लोग भारत में लोकतंत्र के प्रति आशंकित थे, तब नेताजी ने उन्हें भारत के लोकतांत्रिक अतीत को याद दिलाया। नेताजी कहते थे कि लोकतंत्र, मानव संस्था है। उन्होंने कहा कि नेताजी जानते थे कि गुलामी सिर्फ शासन की ही नहीं होती है, बल्कि विचार और व्यवहार की भी होती है। इसलिए उन्होंने विशेष रूप से तब की युवा पीढ़ी में इसको लेकर चेतना पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन और उनका योगदान, युवा भारत के लिए एक प्रेरणा है। ये प्रेरणा हमारे साथ हमेशा रहे, कदम-कदम पर रहे इसके लिए बीते 10 वर्षों में हमने निरंतर प्रयास किया है। हमने कर्तव्य पथ पर नेताजी की प्रतिमा को उचित स्थान दिया है। हमारा मकसद है- कर्तव्य पथ पर आने वाले हर देशवासी को नेताजी का कर्तव्य के प्रति समर्पण याद रहे। मोदी ने कहा कि आजाद हिंदुस्तान में किसी सरकार ने आजाद हिंद फौज को समर्पित इतना काम नहीं किया, जितना हमारी सरकार ने किया है और इसे मैं अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं।

अल्फा का 44 ...

को भंग करने जा रहा हूं, जिसने मुझे जन्म दिया। इसी महीने संगठन के हथियारों को सरकार को सौंप दिया जाएगा। अल्फा अब एक संगठन नहीं होगा। दरअसल, गत 29 दिसंबर को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री की उपस्थिति में सरकार और अल्फा के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। अल्फा के वार्ता समर्थक धड़े में अल्फा के अध्यक्ष अरविंद राजखोवा समेत सभी बड़े नेता शामिल हैं। हालांकि, अल्फा के स्वयंभू सेनाध्यक्ष परेश बरुवा अल्फा स्वाधीन नाम से अलग धड़ा बनाकर अभी भी सशस्त्र संग्राम छेड़े हुए हैं।

कानूनी कार्रवाई की ...

ऐसा सामान्य सड़क उपयोगकर्ताओं को असुविधा से बचाने के लिए किया गया था। हालांकि, सड़क कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने मार्ग बदलने पर जोर दिया, जिससे शहर का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता और साथ ही सड़क कार्यक्रम का हिस्सा रहे जेड श्रेणी पीपी (राहुल गांधी) की सुरक्षा को खतरे में डालना था। उन्होंने कहा कि एएसएल योजना का पालन करने की सलाह दिए जाने के बाद खानापाड़ा क्रॉसिंग पर वरिष्ठ नेताओं के उकसावे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यात्रा मार्ग बदलकर जबरन रास्ता बनाने की कोशिश की, जिसका असम पुलिस द्वारा विरोध किया गया। जीपी सिंह ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर बल प्रयोग किया और कुछ बैरिकेडिंग को तोड़ने की कोशिश की। इससे कुछ पुलिसकर्मी और आमजन घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स को तोड़ने के लिए बल का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने के लिए गैरकानूनी गतिविधियों के लिए लोगों को उकसाने वाले नेताओं और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस अनियंत्रित व्यवहार से गुवाहाटी में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम हो गया। राहुल गांधी और इसमें शामिल अन्य कांग्रेसियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, मंगलवार को पूरी घटना को *नक्सली हरकत* की संज्ञा देते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने भीड़ को उकसाने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा था कि भीड़ को उकसाने के लिए राहुल की पोस्ट को एक सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा।

हमने बैरिकेड तोड़े ...

ने कहा कि *हमने बैरिकेड तोड़ दिए हैं, लेकिन हम कानून नहीं तोड़ेंगे।* राहुल गांधी ने कहा कि हमें कमजोर मत समझना। हमने बैरिकेड तोड़ दिए हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता किसी से नहीं डरते। पार्टी कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी ने *बब्बर शेर* बताया और बोले कि उन्होंने यूनिवर्सिटी में मेरा कार्यक्रम कैंसिल कर दिया, लेकिन छात्रों ने यूनिवर्सिटी के बाहर मेरी बात सुनी। हम असम में भाजपा को हराएंगे और जल्द ही कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। राहुल गांधी ने पुलिस की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि पुलिस सिर्फ उन्हें मिले आदेशों का पालन कर रही है। हम आपके खिलाफ नहीं हैं। हम सीएम के खिलाफ हैं, जो भ्रष्ट हैं, हमारी लड़ाई उनसे है। वहीं असम के कांग्रेस प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमने बैरिकेड तोड़ दिए हैं, जीत हमारी हुई है। हालांकि बाद में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अपने तय रूट से आगे बढ़ी और बाइपास से होकर शहर से बाहर निकली। वहीं हंगामे के बाद असम सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर करने के निर्देश दिए हैं। असम सीएम ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि असम एक शांतिपूर्ण राज्य है और इसमें नक्सली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा अभी गुरुवार तक असम में रहेगी।

राम दरबार में लगी...

भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। रामलला के दर्शन करने के लिए सुबह तीन बजे से ही मंदिर में भक्तों की कतार लग गई। भक्तों की भीड़ को देखकर मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि भीड़ अभूतपूर्व थी और उन्होंने जिला प्रशासन से उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवस्थाएं जारी रखने का आग्रह किया है। ट्रस्ट के एक सदस्य ने कहा कि हमें उम्मीद है कि दिन के दौरान अधिक भीड़ होगी जब स्थानीय लोग दर्शन के लिए आना शुरू करेंगे। इससे पहले भगवान राम के चित्र वाले झंडे लेकर और *जय श्री राम* के नारे लगाते हुए, श्रद्धालु कड़कड़ाती ठंड में भव्य मंदिर के दरवाजे खुलने से पहले घंटों तक इंतजार करते रहे। आम जनता के लिए मंदिर के दरवाजे मंगलवार सुबह खुल गए। पंजाब से आये एक श्रद्धालु मनीष वर्मा ने कहा कि बहुत खुशी महसूस हो रही है, मेरे जीवन का उद्देश्य पूरा हो गया है। हमारे पूर्वजों ने इसके लिए संघर्ष किया और इसे साकार किया गया है। व्यवस्था इसी तरह जारी रहनी चाहिए और भगवान राम का नाम युगों-युगों तक कायम रहना चाहिए। बिहार के मधेपुरा जिले के रहने वाले नीतीश कुमार 600 किलोमीटर से ज्यादा साइकिल चलाकर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा कि बहुत भीड़ है लेकिन मुझे उम्मीद है कि मुझे आज दर्शन करने का मौका मिलेगा। मेरी इच्छा पूरी होने पर मैं वापस अपनी यात्रा शुरू करूंगा। हालांकि मैं सोमवार को मंदिर नहीं जा सका। राजस्थान के सीकर के अनुराग शर्मा को प्रतिष्ठा समारोह के दिन मंदिर का मॉडल लेकर घूमते देखा गया। उन्होंने कहा कि मैं इस मॉडल को अपने गृहनगर से अपने साथ लाया था। मैं उद्घाटन उड़ान से अयोध्या पहुंचा और तब से यहीं हूं। मैं राम लला के दर्शन करने के बाद ही वापस जाऊंगा। लोगों के समूहों को सजे हुए राम पथ से गुजरते हुए मंदिर की ओर बढ़ते देखा जा सकता है। पदयात्रा करने वाले आठ सदस्यीय समूह के सदस्य सुनील माधो ने कहा कि राम लला ने हमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या तक पूरे रास्ते चलने की शक्ति दी और अब वह ही हमें इस भीड़ से निकालेंगे ताकि हम उनका आशीर्वाद ले सकें। कुछ दिन पहले अयोध्या पहुंचे महाराष्ट्र के मूल निवासी गोपाल कृष्ण भी सुरक्षा जांच की ओर बढ़ते हुए घनी भीड़ में धक्का-मुक्की करने लगे। उन्होंने बताया कि हम कुछ दिन पहले यहां आए थे क्योंकि भगवान राम ने हमें बुलाया था। लोग हमें यात्रा न करने के लिए कह रहे थे, क्योंकि पुलिस यात्रा पर प्रतिबंध लगा देगी और होटलों में कमरे उपलब्ध नहीं होंगे। हम एक आश्रम में रह रहे हैं और इसी दिन का हम इंतजार कर रहे थे। उनके साथ कुछ दोस्त भी थे जिनके साथ उन्होंने चार पहिया वाहन से अकोला जिले से अयोध्या तक की यात्रा की। फूलों और रोशनी से सजाए गए मंदिर के द्वार भक्तों के लिए सेल्फी स्पॉट में बदल गए। मंदिर परिसर के अंदर और बाहर जाते समय भक्तों ने जय श्री राम के नारे लगाए। मुख्य मंदिर के अंदर, इसके भव्य हॉल में जय श्री राम के नारे गूंज उठे। पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर परिसर पूर्व से पश्चिम तक 380 फुट लंबा, 250 फुट चौड़ा है और *शिखर* तक इसकी ऊंचाई 161 फुट है। यह 392 स्तंभों पर आधारित है और इसमें 44 दरवाजे हैं।

कर्पूरी ठाकुर को...

बेटे रामनाथ ठाकुर ने कहा कि हमें 36 साल की तपस्या का फल मिला है। मैं अपने परिवार और बिहार के 15 करोड़ो लोगों की तरफ से सरकार को बधाई देना चाहता हूं। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी। मंगलवार (22 जनवरी) को जेडीयू नेता केसी त्यागी ने ठाकुर को भारत रत्न देने के साथ-साथ उनके नाम पर विश्वविद्यालय खोलने की मांग की थी।

नेताजी के सपने ...

साकार करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। अपने संबोधन में मोहन भागवत ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस जानते थे कि उनके सपने सिर्फ एक पीढ़ी में पूरे नहीं हो सकते। इस पर उनके बाद की पीढ़ियों को लगातार काम करना होगा। इस दौरान भागवत ने जनता के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

राहुल पर एफआईआर ...

को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। एक एक्स पोस्ट में, सिद्धारमैया ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा को रोकने के लिए असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के अत्यधिक कदम उनके डर को प्रकट करते हैं। यात्रियों पर हमले, धमकियां, एफआईआर और मंदिर के दौरे को रोकना उच्च अधिकारियों को खुश करने की उनकी हताशा को दर्शाता है। राहुल गांधी समेत 50,000 से अधिक यात्रियों को गुवाहाटी की सीमा पर रोक दिया गया। सिद्धारमैया ने कहा कि ऐसे हमलों से राहुल गांधी और उनकी यात्रा नहीं रुकेगी। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए राज्य के संसाधनों का उपयोग करने की हिमंत की योजना श्री राहुल गांधी को नहीं रोक पाएगी। न्याय के लिए यात्रा जारी रहेगी कि कर्नाटक के सीएम ने कहा।

अल्लाह की कसम...

कायर भाग जाते हैं, जो लड़ते हैं, वे जीतते हैं वे काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनमें भाजपा से लड़ने की हिम्मत है, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी जा रही है। राम मंदिर समारोह वाले दिन ही रैली निकालकर साहस बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इतने सारे राजनीतिक दल हैं, उनमें से कितनों ने साहस दिखाया। इंडिया ब्लॉक पर लक्षित आगे की टिप्पणियों में, बनर्जी ने कहा कि वह विपक्षी गठबंधन की बैठकों में अपमानित महसूस करती हैं क्योंकि यह सीपीआई (एम) है जो बैठक में कॉल लेती है, जिस पार्टी से उन्होंने दशकों तक लड़ाई लड़ी है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल की तरह भाजपा को सीधी टक्कर कोई नहीं दे रहा है। कोलकाता में आयोजित सर्व-धर्म रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी नेता ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देती हूं कि कुछ विशेष क्षेत्रों को क्षेत्रीय दलों के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। वे (कांग्रेस) अकेले 300 (लोकसभा) सीट पर लड़ सकते हैं और मैं उनकी मदद करूंगी। मैं उन सीट पर चुनाव नहीं लड़ूंगी लेकिन वे अपनी बात पर अड़े हुए हैं। कांग्रेस का स्पष्ट रूप से उल्लेख किए बिना ममता बनर्जी ने राज्य में सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत में देरी के लिए उसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मेरे पास भाजपा से मुकाबला करने और उनके खिलाफ लड़ने की ताकत और जनाधार है। लेकिन कुछ लोग सीट बंटवारे को लेकर हमारी बात नहीं सुनना चाहते। अगर आप भाजपा से नहीं लड़ना चाहते तो कम से कम उसके खाते में सीट तो मत जाने दें। बनर्जी ने *इंडिया* गठबंधन की बैठक के एजेंडे को नियंत्रित करने की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत मोर्चे की कोशिश को स्वीकार करने के प्रति अनिच्छा जताई।

रामलला की प्रतिमा ...

वो 3 अरब साल पुरानी है। मतलब 300 करोड़ साल पुरानी चट्टान से कृष्ण शिला निकाली गई और फिर अरुण योगीराज ने उसको मूर्ति का रूप दिया। ट्रस्ट के मुताबिक, यह एक महीन से मध्यम दाने वाली और आसमानी-नीली मेटामर्फिक चट्टान है। इसकी सतह चिकनी होने की वजह से इसे सोपस्टोन कहा जाता है। आमतौर पर सोपस्टोन मूर्तिकारों के लिए मूर्तियां बनाने के लिए आदर्श माना जाता है। ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि कृष्ण शिला रामदास नामक शख्स की कृषि भूमि को समतल करते समय मिली थी। एक स्थानीय ठेकेदार ने जिसने चट्टान की गुणवत्ता का आकलन किया था, ने अपने संपर्कियों के जरिए इसकी जानकारी मंदिर के ट्रस्टियों तक पहुंचाई थी। वहीं, अरुण योगीराज ने सोमवार को कहा कि मैंने हमेशा महसूस किया कि भगवान राम मुझे और मुरे परिवार को सभी बुरे समय से बचा रहे हैं। मेरा दृढ़ विश्वस है कि यह वही थे जिन्होंने मुझे शुभ कार्य के लिए चुना था। उन्होंने कहा कि मूर्ति बनाते वक्त सटीकता से काम करते हुए मैंने रातों की नींद की भी परवाह नहीं की, लेकिन मुझे लगता है कि मैं इस धरती पर सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हूं और आज मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन है। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा की गई रामलला की मूर्ति को बालक राम से जाना जाएगा। इस विग्रह का नाम बालक राम इसलिए रखा गया है कि क्योंकि भगवान पांच साल के बच्चे के रूप में खड़ी मुद्रा में स्थापित किए गए हैं। प्राण-प्रतिष्ठा के एक पुजारी अरुण दीक्षित ने कहा है कि भगवान राम की मूर्ति का नाम बालक राम रखा गया है क्योंकि वो एक बच्चे की तरह दिखते हैं, जिनकी उम्र पांच साल है।

कांग्रेस के न्याय ...

पहल देश को शक्ति और समानता देगा। उन्होंने कहा कि इस न्याय यात्रा के पीछे उनका न्याय का विचार है। कांग्रेस पार्टी अगले एक महीने में न्याय के अपने इन पांच स्तंभों की घोषणा करेगी। कांग्रेस नेता गांधी ने असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा पर आरोप लगाया कि वह यात्रा को रोकने की कोशिश करते हैं। मंदिरों, कॉलेजों और पदयात्राओं में जाने में बाधाओं के बावजूद उनकी यात्रा सफल हो रही है। यात्रा के सकारात्मक परिणामों पर जोर देते हुए गांधी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अनजाने में हमारी मदद कर रहे हैं। वे जो भी बाधाएं पैदा करते हैं, न्याय का हमारा संदेश लोगों तक उतना ही अधिक पहुंच रहा है। गांधी ने कहा कि इंडी एलायंस के सभी घटकों को इस न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। कांग्रेस ने पांच प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के साथ सीटों पर बातचीत चल रही है। ओबीसी, दलितों, आदिवासियों के लिए व्यवस्थित भागीदारी, महिलाओं के अन्याय और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को संबोधित करना शामिल है। उन्होंने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि असम की भाषा और परंपरा केवल मुख्यमंत्री की ओर से तय नहीं की जा सकती।

प्राण-प्रतिष्ठा : पथराव ...

ध्वजों को फाड़ा गया था और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई थी। तनाव को बढ़ता देख पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत किया था। सनातन यात्रा निकाल रहे लोगों का कहना था कि वे शांति पूर्वक यात्रा निकाल रहे थे। मीरा रोड पर अचानक कुछ हमलावरों ने यात्रा पर हमला कर दिया। इस दौरान हमलावरों ने यात्रा में मौजूद कारों पर हमला किया। घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुए। जिन में हमलावरों को यात्रा में शामिल महिलाओं के साथ भी मारपीट करते देखा गया था।

60 करोड़ की ...

गिरफ्तार किया था जिसके बाद यह मामला सामने आया। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार तलाशी के दौरान मिली सामग्री से पता चला कि भारतीय इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने कथित तौर पर रेलवे अधिकारियों को 60 करोड़ रुपए से ज्यादा की रिश्वत दी थी। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान सीबीआई को कंपनी की परियोजनाओं से जुड़े उन अधिकारियों के नामों की सूची भी मिली, जिन्होंने कथित रूप से 2016 से 2023 के बीच नकदी में और अपने परिजनों के बैंक खातों में रिश्वत प्राप्त की थी। अधिकारियों के अनुसार निजी कंपनी को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे से 2016-22 के दौरान छह बड़ी परियोजनाओं का ठेका मिला। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने प्राथमिकी में आरोपियों के तौर पर उप मुख्य अभियंता (निर्माण) रामपाल, तत्कालीन उप मुख्य अभियंताओं जितेंद्र झा और बीयू लस्कर तथा तत्कालीन वरिष्ठ अधीक्षण अभियंताओं रितुराज गोगोई, धीरज भागवत, मनोज सैकिया तथा मिथुन दास के साथ भारतीय इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के नाम शामिल किए हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

गुवाहाटी शहर में नहीं घुस सकी राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा*

गुवाहाटी (हिंस)। राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* मेघालय के चलकर मंगलवार को सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 होते हुए कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो तक पहुंच जाएगी। राहुल गांधी की यात्रा को गुवाहाटी शहर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। राहुल गांधी की गुवाहाटी प्रेस क्लब में होने वाला पत्रकार सम्मेलन अब हाजो में होगा। खानापाड़ा के कोईनाधरा में पुलिस ने राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के काफिले को रोक दिया और राष्ट्रीय राजमार्ग होते हुए जाने को कहा। उनकी यात्रा मंगलवार को मेघालय से निकलकर गुवाहाटी के जोराबाट, खानापाड़ा, वशिष्ठ चारिआली, लोखरा, गड़चुक, जालुकबाड़ी आदि होते हुए हाजो पहुंचेगी। इसको लेकर पार्टी के सांसद अब्दुल खालेक, प्रतिपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया, पार्टी की उपाध्यक्ष बबीता शर्मा आदि नेताओं ने कोईनाधरा में पुलिस अधिकारियों के साथ खूब तर्क-वितर्क किया। प्रशासन ने साफ तौर पर कहा है कि पूर्व अनुमति के बिना गुवाहाटी में उनकी यात्रा प्रवेश नहीं कर सकती है। दरअसल, गुवाहाटी प्रेस क्लब में राहुल गांधी के जाने का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित था, लेकिन दो दिन पहले गुवाहाटी प्रेस क्लब के सचिव ने उनकी यात्रा को प्रेस क्लब पहुंचने से यह कहते हुए रोक दिया गया कि प्रेस क्लब जैसे मीडिया प्लेटफॉर्म का राजनीतिक उपयोग नहीं किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को एक बयान में स्पष्ट तौर पर कहा था कि यदि बगैर अनुमति के राहुल गांधी का काफिला शहर में घुसता है तो उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी और चुनाव के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यही वजह है कि मंगलवार को होने वाले राहुल गांधी के संवाददाता सम्मेलन का स्थान बदल कर गुवाहाटी के स्थान पर हाजो में निर्धारित किया गया। राहुल गांधी का काफिला हाजो में ही ठहरेगा। उल्लेखनीय है कि सोमवार को श्रीमंत शंकरदेव के जन्म स्थान बटद्रवा पहुंचने से रोके जाने के बाद राहुल गांधी का काफिला मेघालय के री-भोई पहुंच गया।

डीएचआर ने चालू वित्त वर्ष के दौरान रिकॉर्ड आय दर्ज की

पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए दी जा रहीं आकर्षक सुविधाएं

गुवाहाटी (हिंस)। पूसी रेलवे के यूनेस्को हेरिटेज दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान दिसंबर, 2023 तक डीएचआर के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक आय और यात्री संख्या दर्ज किया है। डीएचआर ने पिछले सभी रिकॉर्डों को तोड़ते हुए अब तक का सर्वाधिक राजस्व लगभग 17.3 करोड़ रुपए दर्ज किया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि अधिक जॉयराइड सेवाओं की शुरुआत किए जाने से आय में बढ़ोतरी हुई है। इस पीक सीजन के दौरान इस सेक्शन में पर्यटकों की भारी संख्या और यात्री यातायात में बढ़ोतरी के कारण आय में वृद्धि हुई है। वर्तमान में, डीएचआर में न्यू जलपाईगुड़ी एवं दार्जिलिंग के बीच दैनिक सेवा और दार्जिलिंग एवं घूम के बीच जॉय राइड सेवाएं चल रही हैं। डीएचआर ने स्टीम जंगल टी सफारी, रेड पांडा, हिम कन्या आदि जैसी विशेष सेवाएं भी शुरू की है। चार्टर ट्रेनें, स्पेशल फिल्म शूटिंग ट्रेनें, हेरिटेज डाइनिंग कार भी डीएचआर में दी जा रही कुछ आकर्षक सेवाएं हैं। डीएचआर में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए दार्जिलिंग में एक नया कोच रेस्टोरेंट और कार्सियांग में एक हेरिटेज रेस्टोरेंट खोला गया है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर, 2023 तक घूम विंटर फेस्टिवल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कोने-कोने से पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने बड़े उत्साह के साथ इस उत्सव में भाग लिया। भारी संख्या में जुटी लोगों की भीड़ ने डीएचआर सेक्शन के पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में सहयोग किया। देश और विदेश में भी डीएचआर को बढ़ावा देने के लिए कई पहल किए गए हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए कोच लगाए गए और नई सेवाएं शुरू की गईं हैं। दार्जिलिंग स्टेशन को हेरिटेज टाइप विंडोज, कंचनजंगा व्यू प्वाइंट आदि जैसी नई सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। घूम स्टेशन के अपग्रेडेशन का कार्य भी प्रगति पर है। इसके संरक्षण और विरासत मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से हितधारकों, टूर ऑपरेटरों, सांस्कृतिक समूहों, स्थानीय जनबहुल इत्यादि के साथ भागीदारी की जा रही है।

मैतेई संगठन ने गृह मंत्रालय की टीम के समक्ष एनआरसी की मांग रखी

इंफाल (हिंस)। गृह मंत्रालय की तीन सदस्यीय विशेष टीम ने मंगलवार को फिर मणिपुर की राजधानी इंफाल में मैतेई सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन, अरामबाई टेंगोल के सदस्यों के साथ बैठक की। टीम के इंफाल पहुंचने के बाद कल पहले दौर की बातचीत हुई थी। आज भी दोनों पक्षों के बीच एक और दौर की बातचीत हुई, जहां राज्य में जारी संकट का समाधान तलाशने पर विचार-विमर्श किया गया। वार्ताकार एके मिश्रा के नेतृत्व में गृह मंत्रालय की इस विशेष टीम ने अरामबाई टेंगोल सदस्यों के साथ दोनों दौर की बातचीत संतोषजनक रही। बैठक के दौरान, अरामबाई टेंगोल ने मणिपुर में सन 1951 को आधार वर्ष मानकर राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) को अद्यतन कराने की मांग रखी। पहाड़ के सशस्त्र संगठनों के साथ युद्धविराम समझौते को रद्द करने की मांग की। तीसरी मांग पड़ोसी राज्य मिजोरम में हिरासत केंद्रों में रहने वाले शरणार्थियों को निर्वासित करने की है।

हिंदुस्थानी युवा परिषद के नेतृत्व में अष्टयाम एवं भंडारे आयोजित

गुवाहाटी। हिंदुस्थानी युवा परिषद के तत्वावधान में 24 घंटे का श्रीराम संकीर्तन अष्टयाम एवं भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन अयोध्या में श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में किया गया। एक सांस्कृतिक रैली लाचितघाट से कालापाहाड़ तक निकाली गई। श्रीराम संकीर्तन अष्टयाम में जीएम श्रीवास्तवन आईपीएस, गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगन सरणिया, भाजपा के राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता और पश्चिम गुवाहाटी के विधायक रमेंद्र नारायण कलिता इत्यादि ने भाग लिया।

सम्मेलन की कामरूप शाखा, अग्रवाल युवा परिषद और राजगढ़ दुर्गोत्सव समिति ने मनाया राम उत्सव

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा, अग्रवाल युवा परिषद और राजगढ़ दुर्गोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण स्थानीय राजगढ़ बिहूतली में आयोजित किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने स्वागत संबोधन में सभी उपस्थित जनों का अभिवादन एवं स्वागत किया! कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ठ अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल प्रणव ज्योति भराली एवं उनकी धर्मपत्नी, राजगढ़ दुर्गोत्सव समिति के अध्यक्ष प्रशांत बरुवा, सचिव गौतम कलीता, कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, सचिव संजय खेतान, अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रवेश अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, गायक विशाल बजाज, कार्यक्रम संयोजक अनुज चौधरी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। सभी अतिथियों के सम्मान और संबोधन के पश्चात भजन गायक विशाल बजाज द्वारा गणेश वंदना के साथ ही कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित हुए प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज जैन, गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्षा एवं प्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती संतोष शर्मा, लायंस क्लब ईलाईट के अध्यक्ष धीरज जैन का फुलाम गमछा से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण का आनंद सभी उपस्थित भक्तों ने उठाया। शाखा सदस्य सीए रतन कुमार अग्रवाला ने प्राण प्रतिष्ठा पर लिखी हुई कविता का पाठ किया। शाखा सदस्य विनोद शर्मा ने भी अपने भजन से उपस्थित सभी जनों को मंत्रमुग्ध किया।

एसएसबी के 24वें बटालियन, रंगिया का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम संपन्न

रंगिया (विभास)। दीपक सिंह, कमांडेंट 24वीं वाहिनी रंगिया (असम) के मार्ग-दर्शन में नागरिक कल्याण कार्यक्रम (उत्तर-पूर्व) के तहत कराए जा रहे सीमा क्षेत्र के 25 होनहार विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 22.01.24 को समाप्त हुआ। यह 04 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण दल अपने प्रथम दिन दिनांक 19.01.2024 को 24वीं वाहिनी रंगिया से 68वीं वाहिनी एसएसबी देवेंद्रनगर की ओर प्रस्थान किया, वहां रात्रि भोज एवं विश्राम के पश्चात अपने अगले चरण में दुसरे दिन यह भ्रमण दल प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र सलोनीबाड़ी में आयोजित सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस परेड समारोह के दर्शन हेतु सलोनीबाड़ी पहुंचा। सभी विद्यार्थियों ने एसएसबी परेड समारोह का भरपूर आनंद लिया एवं एसएसबी के इतिहास के बारे में

जाना। तदोपरांत महानिदेशक महोदय सशस्त्र सीमा बल के शैक्षणिक भ्रमण दल के सभी विद्यार्थियों से मुलाकात किया। महानिदेशक महोदय द्वारा भ्रमण दल के सभी विद्यार्थियो को प्रोत्साहित किया तथा उन्हे उपहार भी भेंट किए। इसी क्रम में शैक्षणिक भ्रमण दल के विद्यर्थियों को तेजपुर स्थित ऐतिहासिक अग्निगढ़ नामक पार्क का भ्रमण कराने के उपरांत रात्रि भोज एवं विश्राम हेतु 68वीं वाहिनी एसएसबी देवंद्रनगर ले जाया गया। यह शैक्षणिक भ्रमण दल द्वारा अपने दुसरे दिन के सफर में असम राज्य के सुप्रशिद्ध काजिरंगा नेशनल पार्क में भ्रमण किया जहां उन्होने सफारी सफर की सेर कर वहां वन्य जीवो व काजिरंगा के इतिहास बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात सायंकाल के समय भ्रमण दल नोगांव स्थित महा मृत्युंजय मंदिर का भ्रमण पहुंचा, वहां के अदमय सोंदर्य को देख सभी विद्यार्थी आश्चयचकित हुए। इसी क्रम में यह भ्रमण दल अपने चोथे दिन की सुबह गुवाहाटी स्थित तारा मंडल, चिड़ियाघर एवं वॉर मेमोरियल आदि का भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान वॉर मेमोरियल मे सभी वीर जवानो की शहादत के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ सभी ने शहीद जवानों को विन्रम नमन किया। अंत में सभी विद्यार्थियों ने गुवाहाटी स्थित सशस्त्र सीमा बल के सीमांत मुख्यालय के महानिरीक्षक श्री आरके भुमला से मुलाकात की। श्री आरके भुमला महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय, गुवाहाटी द्वारा सभी शैक्षणिक भ्रमण मे आये विद्यार्थियों से रूबरू हुए तथा भ्रमण दल के द्वारा किए गए भ्रमण के बारे में विस्तारपूर्वक जाना। उन्होनें सभी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए उनसे उनके शैक्षणिक जीवन के आने वाली समस्यो बारे में भी जानकारी ली एवं सभी विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि अपने परिवार व अपने उज्जवल भविष्य हेतु निरंतर मेहनत करें तथा देश का नाम रोशन करें। श्री भुमला, ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हे आश्वशित किया कि वह सभी सशस्त्र सीमा बल के परिवार के सदस्य है। सशस्त्र सीमा बल सीमा क्षेत्र के सभी नागरिकों की होने वाली समस्याओं से भलिभांति परिचित हैं तथा अपने स्तर पर समाधान हेतु अपनी संपूर्ण इच्छाशक्ति से हर संभव प्रयास कर रही है। तदोपरांत सभी विद्यार्थी को सुरक्षित उनके घर पर भेजा गया।

अयोध्या में रामलाल प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान केसरिया रंग में डूबा बंगाईगांव शहर

बंगाईगांव। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को पूरा बंगाईगांव शहर राम मय हो गया एवं केसरिया रंग में रंगा हुआ दिख रहा था। लोगों में जोश का सुमार इस कदर था कि सभी बच्चों से लेकर बुजुर्ग लोग अपने-अपने अंदाज में इस दिन को यादगार बनाने में लगे हुए थे। सुबह सूर्य की किरण निकलने के पहले ही भक्त राम के गुणगान में लग गए थे। शहर के सभी भागों में लोगों ने अपने घरों में केसरिया रंग के राम की छवि वाले पताका लगाकर तथा एक दूसरे को बधाइयां देते हुए, मिठाई खिलाते हुए जश्न मना रहे थे। केसरिया पताका खरीदने की होड़ इस कदर थी कि सुबह किसी भी विक्रेता के पास एक भी राम छवि वाला पताका नहीं बचा। लोगों ने जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट की स्थापना की थी तथा रंग-बिरंगे ढोलों से सजाया गया था एवं डीजे के द्वारा राम नाम के भजनों की गूंज हो रही थी। छोटे

बच्चे राम, लक्ष्मण व सीता की वेश में नजर आ रहे थे तो बुजुर्ग लोग अपने घरों में राम की पूजा एवं आरती करने में व्यस्त थे। सुबह बंगाईगांव जिला महेश्वरी सभा व महेश्वरी महिला मंडल ने पूरे मारवाड़ी समाज की राम मंदिर, बड़ा बाजार से बी ओ सी गेट स्थित हनुमान मंदिर तक एक प्रभात फेरी निकाली जिसमें समाज के सभी लोगों ने सम्मिलित होकर भरपूर सहयोग दिया। महिलाएं केसरिया साड़ी में केसरिया साफा के साथ तथा पुरुष कुर्ता पजामा पहने कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में लोगों ने चाय पानी की सेवा देते हुए सभी का हार्दिक स्वागत किया। दोपहर को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के द्वारा चिला राय स्टेडियम से रोलिंग मिल तक एक विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया था जिसमें समाज के सभी लोगों ने हिस्सा लिया। यह विशाल शोभा यात्रा केसरिया रंगों के झंडों, साफो से एवं केसरिया कपड़ों से पटी हुई थी। ऐसा धार्मिक जन सैलाब पहले कभी देखने को नहीं मिला। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पूरा शहर अयोध्या में तब्दील हो गया है। इस रैली में सभी वर्गों के लोगों के साथ बच्चों एवं महिलाओं में भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। बड़ा बाजार स्थित श्री राम मंदिर में श्री राम मंदिर कमेटी द्वारा भी सुबह से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। दोपहर को एक भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें अपार भक्तों ने उपस्थित होकर राम भजनों का आनंद लिया। इस दौरान बच्चों ने राम भजन पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया एवं अन्य प्रस्तुतियां भी दी। इस मंदिर को विद्युत साज से भी सजाया गया था एवं शाम को दीपोत्सव मनाया गया। बी ओ सी गेट स्थित हनुमान मंदिर में भी दिन भर विभिन्न कार्यक्रम हुए जिसमें रामलला, राम दरबार का पूजन अभिषेक एवं हवन किया गया। बच्चों के बीच चित्रांगन प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं राम भजन पर नृत्य किए गए। इसके अलावा पालपाड़ा, पंपु हाउस छठ पूजा सेवा समिति, रॉबिन हुड आर्मी एवं अणुव्रत समिति ने संयुक्त संयुक्त रूप से सब्जी पूरी, हलवा का वितरण किया जिसमें कई भक्तों ने इसका लाभ लिया। सूर्य के ढलते ढलते पूरा शहर दीपक की रोशनी से जगमगा गया। सभी ने अपने-अपने प्रतिष्ठा में तथा घरों में दीपों की सुंदर रोशनी की थी। उधर थीम पार्क में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने 11 हजार दीपकों की सुंदर रोशनी कर के सबका मन मोह लिया। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा महा विष्णु यज्ञ, भागवत पाठ एवं दीप प्रज्ज्वलन आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। रात को कई लोगों ने अच्छी आतिशबाजी की जिससे दिवाली जैसी रौनक वापस लौट आई। कुल मिलाकर आस्था के इस पर्व पर सभी लोगों ने रामलला के आगमन का उत्सव बड़े धूमधाम से एवं उल्लास के साथ मनाया ।

होजाई : मारवाड़ी पंचायत का दो दिवसीय राम उत्सव संपन्न

होजाई (निसं)। अयोध्या में रामलाल प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर होजाई स्थित श्री मारवाड़ी पंचायती ने स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में दो दिवसीय राम उत्सव का भाव्य आयोजन किया। उक्त कार्यक्रम में हजारों की संख्या में राम भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई व जींवत राम दरबार के दर्शन किए। उक्त दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत अखंड रामायण पाठ, पूर्णाहूती, सांवरिया भक्त मंडल द्वारा भजनों की गंगा बहायी गई, नृत्य नाटिका *शबरी के द्वारा आए राम* आकर्षण का केंद्र रहे। जिससे पूरा वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर चुका था। पूरे मंदिर परिसर के अंदर व बाहर दोनों तरफ बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया गया। वही अयोध्या में हो रहे रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण मंदिर के श्री राम सदन में दिखाया गया। दोपहर के वक्त समाज के युवाओं ने बाइक रैली निकाली। सांय के वक्त पूरा मंदिर दियों की रोशनी से जगमगा उठा। इस दौरान भक्तों द्वारा आतिशबाजी भी की गई। वहीं कीर्तन व आरती के बाद प्रसाद की व्यवस्था की गई। मारवाड़ी पंचायती के अध्यक्ष लावण्या अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समाज बंधुओ को धन्यवाद दिया। उल्लेखयोग्य है, कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष भी उपस्थित हुए। दूसरी तरफ सोमवार को सुबह से ही पूरे होजाई जिले में विभिन्न मठ, मंदिर व संस्थाओं ने अपनी-अपनी और से संस्कृत शोभा यात्रा निकाली जिसमें सभी

राम भक्त नाचते, गाते दिखाई दिए। कई शोभा यात्राओं में बड़ों से लेकर छोटे बच्चों तक राम-सीता के पोशाक में थे। सभी जय श्री राम के नारे लगाते हुए व ढोल नगाड़ों के साथ पूरे शहर में परिक्रमा लगा रहे थे। होजाई के शिवाड़ी रोड स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर, श्री राधा कृष्ण मंदिर, श्री हनुमान मंदिर, सार्वजनिक दुर्गा वाड़ी, श्री सत्यनारायण मंदिर, श्री राम ठाकुर मंदिर, डागोरिया बारी, मां दुर्गा बालाजी बाबोसा मंदिर, आमतोला स्थित हनुमान मंदिर, तेलीबस्ती स्थित हनुमान मंदिर, लंका स्थित श्री राम मंदिर आदि। जिले के सभी मठ, मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया व इस ऐतिहासिक दिन को हर्षोल्लास व दीपोत्सव के साथ मनाया गया। जिले के कई स्थानों पर भगवान राम की भव्य मूर्ति बनाकर भी भक्ति भाव से पूजा अर्चना करते हुए राम भक्तों ने आनंद की अनुभूति की। वहीं सांय के वक्त पूरा जिला दियों की रोशनी से जगमगा उठा।

श्री राम जानकी मंदिर सेवा समिति का दो दिवसीय राम उत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। चाभीपुल स्थित श्री राम जानकी मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर चाभीपुल से आज विराट शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों के अलावा बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ चाभीपुल स्थित श्री राम जानकी मंदिर से किया गया। इस मौके पर आवासीय व शहरी विकास मामलों के मंत्री अशोक सिंहल, आरएसएस प्रचारक उल्लास कुलकर्णी पूर्व गुवाहाटी से विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा पूर्व सांसद रमन देखा जीएमसी पार्षद रतन सिंह शंकर चक्रवर्ती सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान समूचा इलाका जय श्रीराम के जयकारों के गुंजामन हो उठा। शोभायात्रा में प्रभु श्री राम, माता सीता, भाई लक्ष्मण, वीर बजरंगबली की जीवंत झांकियां लोगों के बीच आकषर्ण का केंद्र रही। शोभायात्रा चाभीपुल से होते हुए आर्या चौक, रिहाबाड़ी, एटी रोड, आठगांव के रास्ते पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची। रास्ते भर रैली को देखने के लिए राम भक्तों की जगह-जगह भारी भीड़ देखी गई। वहीं शाम को श्री राम जानकी मंदिर सेवा समिति की ओर से दीपोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के हर वर्ग के लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। तत्पश्चात सायं 7 बजे से भक्तों के लिए प्रसाद स्वरूप अमृत भंडारे का आयोजन मंदिर सेवा समिति की ओर से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व मंदिर के महंत किशोर दास की उपस्थिति में आज सुबह अखंड रामायण पाठ को विराम महाआरती के साथ दिया गया।

विश्वनाथ व कोकराझाड़ समेत कई क्षेत्रों मना नेताजी सुभाष चंद्र बोस का 127वां जन्मोत्सव

कोकराझाड़/विश्वनाथ (विभास)। ऑल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के तत्वावधान में कोकराझाड़ जिला समिति ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का 127वां जन्मोत्सव मनयाा। इस मौके पर आज सुबह प्रभात फेरी के बाद फकीराग्राम चिकित्सालय के बरिष्ठ डॉ. मानिक बरुवा ने तिरंगा झंडा फहराया। इसके अलावा फेडरेशन के जिलाध्यक्ष रोमेन बारोई ने झंडा फहराया। वहीं फेडरेशन के सवागत समिति का झंडा आना कर्मकार ने फहराया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने शहीद वेदी पर माल्यार्पण की। इसके बाद एक सांस्कृतिक रैली निकली गई। रैली के बाद खुली सभा का आयोजन किया गया। दूसरी ओर बंगाली कलचरल क्लब के सौजन्य से आज चिताला बाजार में 17 फुट ऊंचा नेताजी सुभाष चंद बोस के मूर्ति का उद्घाटन क्लब के सालाहकार सुकुमार देबनाथ ने फीता काट कर किया। जहां 29 नंबर कोकराझाड़ के विधायक रबिराम नार्जरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर नेताजी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस माल्यार्पण कार्यक्रम में मंतोष कर्मकार, मंगल चांडी साहा, विश्वजीत देबनाथ, इंद्रजीत देबनाथ और निकुंजू तालुकदार उपस्थित थे। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का बंगाली गमछा से सवागत किया गया। कटालगुड़ी के आमगोरा गांव के लोगों ने नेताजी के जन्मोत्सव परं कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अमल दास, जयदीप सरकार, पितु दास,

तपन सरकार उजस्थित थे। कोकराझाड़ बड़ा बाजार में बीपीएफ बंगाली सेल की कोकराझाड़ जिला समिति के नेतृत्व में आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस का 127वां जन्म जयंती मनाया गया। सुबह प्रभात फेरी के बाद सुबह 8 बजे पूर्व मंत्री प्रमिला रानी ब्रह्म ने तिरंगा फहराया। सुबह 10 बजे से रैली का आयोजन किया गया। रैली का फ्लैग ऑफ बीटीसी के दोतमा के एमसीएलए प्रकाश बसुमतरी ने किया। रैली में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। दोपहर 12 बजे नेताजी की मूर्ति का उद्घाटन कर बीटीआर बउखुगुड़ी के एमसीएलए डोनेश्वर गयारी ने किया। कार्यक्रम के अंत में छोटे-छोटे विद्यार्थियों के बीच चित्रांकन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यकर्म में बीपीएफ बंगाली सेल के कोकराझाड़ जिला समिति के कनक दे, सचिव सातम सरकार ओर सवागत समिति के अध्यक्ष मोनोजीत नाथ, मदन दत्तो ओर मनोज सेन कोषाध्यक्ष अनुपम साहा, अजय राय उपस्थित थे। दूसरी ओर **विश्वनाथ** से हमारे सेवाददाता के अनुसार विश्वनाथ चारिआलि शहर के बहु-बाजार में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक के नेताजी शाखा द्वारा आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस का 127 वां जयंती हर्षोल्लास के साथ पालन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक विश्वनाथ जिला मुख्य मार्ग प्रमुख व समाजसेवक डा. (चिकित्सक) सरजीत दास ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण करके एक साथ राष्ट्रगान किया। डॉ. दास ने नेताजी के तस्वीर के सन्मुख दीप-प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हिंदी शिक्षक संतोष कुमार महतो ने नेताजी के तस्वीर पर माल्यार्पण किया। उपस्थित नेताजी प्रमियों ने नेताजी के तस्वीर श्रीचरण में पुष्पांजलि अर्पित की। अतिथि डॉ. दास ने अपने बौद्धिक संबोधन में सभी को नेताजी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें नेताजी के तरह मातृभूमि और राष्ट्रसेवा की भावना हृदय में समागम करके कार्य करना चाहिए। बच्चा देश का एक-एक आदर्श है। साथ ही नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाले। इसके बाद बच्चों के बीच चित्रांकन, प्रश्नोत्तरी, हिंदी, असमिया कविता आवृत्ति तथा म्यूजिक चैयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विशेष हिंदी व बांग्ला संयुक्त कविता आवृत्ति प्रतियोगिता में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग ली। समग्र प्रतियोगिता के विचारक के रूप में हिंदी सेवी व शिक्षक संतोष कुमार महतो और विश्वनाथ शिवाजी संघ व राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सदस्य बिराज देब उपस्थित थे। प्रतियोगिता में प्रथम, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त चित्रांकन विजेता क्रमशः शुभांकर रॉय, देवजीत पाल, शुभजीत पाल, असमिया कविता आवृत्ति में प्रतियोगिता विजेता क्रमशः तानिसा पाल, शुभांकर रॉय, पूर्णिमा पाल, हिंदी व बांग्ला संयुक्त कविता प्रतियोगिता में विजेता क्रमशः पंपा दास सरकार, मनीषा सिंह, गीता देब, बबीता पाल, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता क्रमशः देवराज दास, शुभांकर रॉय, कुलदीप, दीप, देवजीत पाल, दिपांकर, तानिसा पाल, शुभजीत, म्यूजिक चैयर प्रतियोगिता में विजेता निकु रजक तथा शुभांकर रॉय को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और जय हिंद, भारत माता तथा वन्दे मातरम् के जयघोष से हुई। कार्यक्रम को व्यवस्थित व भरपूर सहयोग में नेताजी शाखा कार्यवाह सुदीप्त दे, शाखा मुख्य शिक्षक अभिजित विश्वास, शाखा शारीरिक प्रमुख बीजू पाल, शाखा सहमुख्य शिक्षक जयदेव साहा, शाखा स्वयंसेवक मनोज पाल ने अथक परिश्रम किया। इस मौके पर वरिष्ठ नागरिक पारूल पाल, लखी दास, समाजसेविका तुषा राय, पंपा दास सरकार, गीता देब, रीम्पा दास, बबीता पाल, बाबली पाल आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद था।

एलजी और दिल्ली सरकार फिर आमने-सामने

नई दिल्ली (ईएमएस)। निगम बोध घाट के पास डांडी पार्क रैन बसेरे को इस कड़ाके की ठंड में बंद कर दिए जाने पर दिल्ली सरकार और राजनिवास आमने सामने आ गए हैं। शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस रैन बसेरे को बंद कर दिए जाने पर दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड डूसिब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कडा पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में पूछा है कि मेरे किसी भी रैन बसेरे को बंद न करने के लिखित निर्देश के बावजूद अधिकारियों द्वारा कई रैन बसेरों को कैसे बंद कर दिया गया है। उन्होंने पत्र में कहा कि यदि डूसिब निर्वाचित सरकार और उसके मंत्रियों के निदेर्शों का पालन नहीं कर रहा है तो किसके निर्देश पर इन रैन बसेरों को बंद किया गया है? मंत्री ने उन रैन बसेरों को हटाने का भी पत्र में जिक्र किया गया है जो कुछ माह पहले जी-20 की तैयारियों के दौरान हटाए गए थे। उस समय दिल्ली सरकार ने कहा था कि ये रैन बसेरे एलजी के आदेश पर हटाए गए हैं।वैसे मंत्री की ओर से पत्र में एलजी का नाम नहीं लिया गया है। मगर इस पर राजनिवास ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। राज निवास ने कहा है कि मंत्री सौरभ भारद्वाज अपनी सरकार और विशेषकर अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए स्पष्ट रूप से झूठे बयान दे रहे हैं। राजनिवास ने कहा है कि चाहे वह डीजेबी में घोर भ्रष्टाचार का मामला हो, जिसके वे उपाध्यक्ष थे, यमुना में गाद के कारण बाढ़ आना, सरकारी अस्पतालों में नकली दवाओं और मोहल्ला क्लीनिकों में फर्जी परीक्षण से जुड़े घोटाले हों, बस कुछ नाम लेने के लिए उन्होंने हमेशा खुलेआम गुमराह करने की कोशिश की है। राजनिवास ने कहा है कि डूसिब एक स्थानांतरित विषय के रूप में पूरी तरह से दिल्ली सरकार के अधीन एक एजेंसी है, और झुग्गीवासियों और बेघरों को आश्रय के मुद्दों पर काम करती है। राजनिवास ने कहा है कि एलजी ने पिछले साल आश्रय स्थलों के अपने अंतिम दौरे के बाद उनमें बुनियादी सुविधाओं और स्वच्छता की कमी को चिह्नित किया था और इसे ठीक करने के लिए कहा था।

उपराष्ट्रपति आज करेंगे 'हमारा संविधान, हमारा सम्मान' अभियान का उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय गणतंत्र के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में सालभर चलने वाले अखिल भारतीय अभियान 'हमारा संविधान, हमारा सम्मान' का उद्घाटन करेंगे। अभियान का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि और देश को बांधने वाले साझा मूल्यों का जश्न मनाना है। यह अभियान न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय के तत्वावधान में चलेगा। इस राष्ट्रव्यापी पहल में संवैधानिक ढांचे में उल्लिखित आदर्शों को बनाए रखने के लिए गर्व और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने की परिकल्पना की गई है। यह प्रत्येक नागरिक को विभिन्न तरीकों से भाग लेने का अवसर देगा। इस मौके पर कानूनी जानकारी, कानूनी सलाह और कानूनी सहायता के लिए एकीकृत कानूनी इंटरफेस प्रदान करने के लिए न्याय सेतु की लॉन्चिग की जाएगी। इस कार्यक्रम में कानून और न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस मौक पर न्याय तक पहुंच योजना 'दिशा' की उपलब्धि पुस्तिका का विमोचन होगा। दिशा योजना के तहत टेली लॉ प्रोग्राम ने टेली-लॉ सिटीजन मोबाइल ऐप के उपयोग और देश के 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित 2.5 लाख सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से 67 लाख से अधिक नागरिकों को मुकदमे-पूर्व सलाह के लिए जोड़ा गया है। देश भर के कॉमन सर्विस सेंटरों के 650 से अधिक टेली-लॉ पदाधिकारी, प्रो बोनो लॉ कॉलेजों के छात्र और संकाय इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने देशवासियों को दी पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सरकारितामंत्री अमित शाह ने देशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। शाह ने मंगलवार को एक्स हैंडल पर कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को उनकी जयंती पर वह कोटिशः नमन। देशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं। शाह ने कहा कि अपनी अद्भुत नेतृत्वशक्ति से नेताजी ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर भारत के स्वतंत्रता-संघर्ष को एक नई दिशा दी। उनके जीवन का एक मात्र लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता था, जिसके लिए उन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। नेताजी का जीवन, उनका देश प्रेम और शौर्य देश के युवाओं का प्रेरणा केंद्र रहेगा। कृतज्ञ राष्ट्र उनके त्याग व साहस का सदैव ऋणी रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारत के महान क्रांतिकारी व आजाद हिंद फौज की स्थापना करने वाले नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 में ओडिशा के कटक में हुआ था। 23 जनवरी को उनकी जयंती देशभर में मनाई जाती रही है लेकिन वर्ष 2021 से इस दिवस को प्रधानमंत्री मोदी ने पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

नोएडा-गाजियाबाद से दिल्ली में भारी वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली (ईएमएस)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर होने वाली मुख्य परेड और इससे पहले फुल ड्रेस रिहर्सल के दिन गाजियाबाद और नोएडा से कोई भी मालवाहक वाहन (भारी/हल्के) दिल्ली में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। फुल ड्रेस रिहर्सल के चलते रविवार रात आठ बजे से सोमवार दोपहर कार्यक्रम समाप्ति तक गाजियाबाद की सीमा में ही रोका गया। अपर पुलिस उपायुक्त यातायात वीरेंद्र कुमार ने बताया कि 23 को फुल ड्रेस रिहर्सल है। 22 जनवरी की रात आठ बजे से 23 जनवरी को दोपहर कार्यक्रम समाप्त होने तक डायवर्जन लागू रहेगा। एनएच-नौ यूपी गेट, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे, महाराजपुर बार्डर, सीमापुरी बार्डर, तुलसी निकेतन बार्डर, लोनी बॉर्डर, ईडीएम मॉल, सूर्यनगर बार्डर, डीएलएफ बार्डर, सेवाधाम चौकी तिराहा, अंकुर विहार बार्डर और सभापुर तिराहे पर यातायात पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया। जिससे मालवाहक वाहन दिल्ली की सीमा में प्रवेश न कर सकें। यह डायवर्जन प्लान 25 की रात आठ बजे से 26 जनवरी की दोपहर कार्यक्रम समाप्त होने लागू किया जाएगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री यादव ने कूनो में चीतों का कुनबा बढ़ने पर खुशी जताई

भोपाल/ श्योपुर , (हि.स.)। केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से नामीबिया से आए चीतों को अब मध्यप्रदेश का मौसम भाने लगा है। कई बार की नकारात्मक खबरों के बाद यहां से एक अच्छी खबर आई है। दरअसल, श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाई गई ज्वाला चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो में चीतों का कुनबा बढ़ने पर खुशी जताई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शावकों के जन्म की बधाई देते हुए एक्स हैंडल पर लिखा है, " कूनो में नए महमानों का स्वागत है...। नामीबियाई चीता ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से भारत में चीता की सुखद वापसी हुई है, जिसमें मध्य प्रदेश चीता स्टेट बना। नए मेहमानों के लिए मध्य प्रदेशवासी हर्षित एवं आनंदित हैं।" केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह ने एक्स पर लिखा है, "ज्वाला नाम की नामीबियाई चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है। यह नामीबियाई चीता आशा द्वारा अपने शावकों को जन्म देने के कुछ ही सप्ताह बाद आया है। देश भर के सभी वन्यजीव अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं और वन्यजीव प्रेमियों को बधाई।" गौरतलब है कि इससे पहले नामीबियाई चीता आशा ने भी तीन जनवरी 2024 को तीन शावकों को जन्म दिया गया था। एक महीने में कूनो नेशनल पार्क में छह नए चीते आए हैं। पिछले साल 27 मार्च 2022 को भी ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था, लेकिन इनमें से तीन शावकों की मौत हो गई थी। कूनो में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से दो चरणों में कुल 20 चीते लाए गए थे जिनमें से सात की मौत हो चुकी है। अब शावकों की संख्या कूनो में सात हो गई है, जो 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए चीता प्रोजेक्ट के पिछले लगभग डेढ़ साल में बड़ी उपलब्धि है।

टैक्सी ऑपरेटरों का सुक्खू सरकार पर स्पेशल रोड टैक्स बढ़ाने का आरोप, प्रदर्शन

शिमला, (हि.स.)। टैक्सी ऑपरेटरों ने परिवहन विभाग पर स्पेशल रोड टैक्स में छह गुणा बढ़ाने के आरोप लगाए हैं। विभाग के फैसले का विरोध करते हुए टैक्सी ऑपरेटरों ने मंगलवार को शिमला में आरटीओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और टैक्स बढ़ोतरी के निर्णय को वापस लेने की मांग की है। ऑल हिमाचल कमर्शियल व्हीकल ज्वाइंट एक्शन कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर ने कहा कि सरकार ने रोड टैक्स को लेकर जो रिवाइज्ड अधिसूचना जारी की है उसके मुताबिक टैक्सी के स्पेशल रोड टैक्स को 1350 से बढ़ाकर सीधा 8000 रुपये कर दिया है जिससे टैक्सी ऑपरेटर को खासा नुक्सान हो रहा है। पहले ही हिमाचल प्रदेश में पर्यटन कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के भीतर टैक्सी चलाने वालों पर भारी भरकम टैक्स लगा रही है जबकि बाहरी गाड़ियों में सरकार ने छूट दे रखी है। ऐसे में अगर सुक्खू सरकार ने स्पेशल रोड टैक्स में की गई बढ़ोतरी के निर्णय को वापस नहीं लिया तो आने वाले दिनों में टैक्सी चालक गाड़ियों की चाबियां आरटीओ दफ्तर में जमा करेंगे और चक्का जाम करने को मजबूर होगें। दूसरी तरफ टैक्सी ऑपरेटर के विरोध को लेकर ट्रांसपोर्ट विभाग के निदेशक अनुपम कश्यप ने कहा कि सरकार ने किसी भी प्रकार का टैक्स नही बढ़ाया है। टैक्सी ऑपरेटरों को किसी बात का कन्फ्यूजन हुआ है। ट्रांसपोर्ट विभाग ने रोड टैक्स को लेकर रिवाइज्ड अधिसूचना जारी की है जो इससे पहले 2006 में प्रकाशित किया गया था लेकिन इसमें दो कैटागिरी कॉन्ट्रैक्ट कैरिज अंडर एग्रीमेंट इन हिमाचल और वैनिटी वैन छूट गई थी जिन्हें टैक्स में समलित करके नवम्बर 2023 में अधिसूचित किया गया है जिसमें किसी भी प्रकार के टैक्स की बढ़ोतरी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि टैक्सी ऑपरेटरों का विरोध जायज नही है और उन्हें विभाग के अधिकारियों के समक्ष इस बारे बात रखनी चाहिए।

दिल्ली एम्स में बाहर से इलाज कराने आने वालों के लिए गुड न्यूज

नई दिल्ली (ईएमएस)। एम्स की ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों के लिए करीब 16 करोड़ की लगभग से नया वेटिंग हॉल बनेगा। एम्स ने इसके निर्माण की जिम्मेदारी एचएससीसी को सौंपी है। एचएससीसी ने इसके निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। टेंडर आवंटन के बाद छह माह में यह वेटिंग हॉल बनकर तैयार होगा। इसलिए उम्मीद है कि इस वर्ष के अंत तक यह वेटिंग हॉल तैयार हो जाएगा। इससे ओपीडी में दूर दराज से इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को बड़ी राहत होगी। एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन 13 से 15 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसमें से हजारों मरीज दूसरे राज्यों से इलाज के लिए आते हैं। ओपीडी पंजीकरण के लिए में मरीज रात में ही एम्स पहुंचने लगते हैं और रात में ढाई-तीन बजे से नए ओपीडी ब्लाक के बाहर मरीजों की लाइन लग जाती है। फिर भी सुबह आठ बजे ओपीडी पंजीकरण शुरू होने पर सैकड़ों मरीज स्लाट पूरा होने के कारण ओपीडी पंजीकरण कराने से महरूम रह जाते हैं। ऐसे में दूर दराज से पहुंचने वाले मरीजों को परेशानी होती है। इसके मद्देनजर एम्स ने मस्जिद मोठ के पास व नए ओपीडी के नजदीक स्थित भूमिगत पार्किंग में वेटिंग हॉल बनाने की तैयारी की है। इसके तैयार होने पर मरीज इस वेटिंग हॉल में बैठकर ओपीडी पंजीकरण के लिए अपनी बारी का इंतजार कर सकेंगे। इससे मरीजों को ओपीडी पंजीकरण कराना आसान होगा।

नेताजी जयंती पर ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री ने नेताजी की तस्वीर के साथ एक पोस्ट माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि पूरे विश्व के गौरव नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि और प्रणाम। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओडिसा के कटक में एक बंगाली परिवार में हुआ था। भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने में इनका बहुत बड़ा योगदान था। "तुम मुझे खून दो-मैं तुम्हें आजादी दूंगा", "जय हिंद-जय भारत" और "दिल्ली चलो" जैसे नारों से उन्होंने देश के युवाओं में देशभक्ति की लौ जलाई थी। स्वतंत्रता की लड़ाई में पहले ये महात्मा गांधी के ही साथ थे, लेकिन बाद में अलग होकर इन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने की योजना बनाई। उन्होंने साल 1939 में फॉरवर्ड। ब्लॉक की स्थापना की और इसके बाद साल 1943 में 21 अक्टूबर को आजाद हिंद फौज का गठन कर अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई लड़ी। हालांकि उनके निधन को लेकर स्पष्ट कोई प्रमाण नहीं है इसलिए यह मांग की जाती है कि भारत सरकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस से संबंधित सारे गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करे।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके, चीन का दक्षिणी शिंजियांग रहा केंद्र

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर समेत आसपास के कई इलाकों में सोमवार देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। देर रात करीब पौने 12 बजे के आसपास अचानक आए झटकों से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्र में यह इस साल का दूसरा भूकंप है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र चीन के दक्षिणी शिंजियांग में था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.2 मापी गई है। चीन में भूकंप के झटके रात 11.39 बजे लगे। भूकंप का केंद्र जमीन से 80 किलोमीटर गहराई में था। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार देर रात झटके लगते ही लोग घरों से बाहर आ गए। ऊंची इमारतों पर रहने वाले लोगों को ज्यादा जोर के झटके महसूस हुए। यह झटके दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम, गाजियाबाद सहित आसपास के शहरों में महसूस किए गए हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में भी लोगों को भूकंप के झटके लगे हैं। दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्र में यह इस साल का दूसरा भूकंप है। इससे पहले, 11 जनवरी को भी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। जिसकी कंपन जम्मू-कश्मीर और पंजाब में भी हुई थी। भूकंप तब भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 मापी गई थी। जबकि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद में था। अफगानिस्तान में सतह से करीब 220 किलोमीटर नीचे यह भूकंप आया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड में दो दोषियों की सजा पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड के दो दोषियों की ट्रायल कोर्ट से मिली सजा को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से केस का रिकॉर्ड भी तलब किया है। अगली सुनवाई 12 फरवरी को होगी। साकेत कोर्ट के फैसले को बलजीत मलिक और अमित शुक्ला ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उनकी याचिका में कहा गया है कि साकेत कोर्ट का फैसला कानूनसम्मत नहीं है। उन्हें पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर 2023 को साकेत कोर्ट ने सौम्या चार दोषियों को उम्रकैद और एक दोषी को तीन साल के कैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलबीर मालिक और अजय कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने चारों पर हत्या के लिए 25 हजार रुपये और मकोका के लिए एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। कोर्ट ने अजय सेठी को तीन साल की कैद की सजा और पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने जिन आरोपितों को हत्या का दोषी पाया उनमें रवि कपूर, अमित शुक्ला, अजय कुमार और बलजीत मलिक शामिल हैं। कोर्ट ने इन चारों को मकोका की धारा 3(1)(i) का भी दोषी पाया था। कोर्ट ने इस मामले के चौथे आरोपिच अजय सेठी को भारतीय दंड संहिता की धारा 411 और मकोका की धारा 3(2) और 3(5) के तहत दोषी पाया था। सौम्या विश्वनाथन की हत्या 30 सितंबर 2008 की रात दफ्तर से लौटते वक्त नेल्सन मंडेला रोड पर कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक हत्या का मकसद लूटपाट था। रवि कपूर और अमित शुक्ला को 2009 में आईटी एग्जीक्यूटिव जिगिषा घोष मर्डर केस में भी दोषी करार दिया गया था।

गणतंत्र दिवस समारोह : मध्य प्रदेश की झांकी दर्शाएगी समृद्धि और महिला सशक्तिकरण

नई दिल्ली (ईएमएस)। विकास का मूल मंत्र - आत्मनिर्भर नारी पर केंद्रित मध्यप्रदेश की झांकी दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह 2024 की शोभा बढ़ाएगी। झांकी में प्रदेश की समृद्धि, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण का प्रदर्शन होगा। राष्ट्रीय रंगशाला कैंप में आज आयोजित हुए राज्यों की झांकी के प्रेस प्रिव्यू में प्रदेश की कला और संस्कृति का मनमोहक संगम आकर्षण का केंद्र रहा। प्रदेश की झांकी आत्मनिर्भर और प्रगतिशील नारीशक्ति पर केंद्रित है। आधुनिक सेवा क्षेत्र से लेकर लघु उद्योग और पारंपरिक क्षेत्र में समान रूप से सक्रिय प्रदेश की महिलाओं की उन्नति को इस झांकी में दशार्या गया है। झांकी में खेत-खलिहान से लेकर वायुयान तक प्रदेश की नारी की प्रगति का प्रदर्शन किया गया है। झांकी के अग्रभाग में भारतीय वायुसेना की प्रथम महिला फाइटर पायलट रीवा जिले की अवनी चतुर्वेदी मिग बाइसन लड़ाकू विमान के साथ दिखाई गई हैं। अग्रभाग के निचले हिस्से में गोंड चित्रकारी प्रदर्शित की गई है।झांकी के मध्य भाग में महिला कलाकार मटके पर चित्रकारी का सजीव प्रदर्शन कर रही है। चंदेरी के बादल महल गेट की पृष्ठभूमि में बुनकर महिलाएं चंदेरी, महेश्वरी और बाघ प्रिंट साड़ियों का विक्रय हेतु प्रदर्शन कर रही हैं। मध्य भाग के निचले हिस्से में पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती दुगार्बाई की गोंड भित्ति चित्रकारी और साथ में स्टोन कार्विंग करते हुए महिला कलाकार दिखाई दे रहे हैं। झांकी के पृष्ठ भाग में मिलेट वूमन ऑफ इंडिया के बैनर के नीचे बांस टोकनियों में रखे विभिन्न प्रकार के श्रीअन्न के साथ डिंडोरी जिले की सुश्री लहरी बाई की प्रतिकृति दिखाई गई है। इसके निचले हिस्से में विभिन्न श्रीअन्न से निर्मित भित्ति चित्र दिखाए गए हैं। झांकी के साथ विकसित-सक्षम-सशक्त-समृद्ध, हमारा प्यारा मध्य प्रदेश की धुन पर महिला कलाकारों का समूह मालवा अंचल का मटकी लोक नृत्य करता चल रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने डिप्रेशन की शिकार विधवा के 29 हफ्ते के भ्रूण हटाने संबंधी आदेश वापस लिया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने डिप्रेशन की शिकार एक विधवा के 29 हफ्ते का भ्रूण को हटाने के अपने पहले के आदेश को वापस ले लिया है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने केंद्र सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। केंद्र सरकार ने याचिका दायर कर कहा था कि महिला के भ्रूण में पल रहे बच्चे के जीवित होने की पूरी संभावना है और अजन्मे बच्चे के जीवन के अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। एम्स अस्पताल ने भी अपने जवाब में कहा कि भ्रूण को अगर 34 हफ्ते या उसके बाद तक रखा जाता है तो कोई परेशानी नहीं है। एम्स ने कहा कि भ्रूण को दो हफ्ते और आगे रखा जा सकता है। ऐसा करना महिला और अजन्मे बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए ठीक होगा। उसके बाद कोर्ट ने महिला का भ्रूण हटाने की अनुमति देने वाली 4 जनवरी के अपने आदेश को वापस ले लिया है। दरअसल, हाई कोर्ट ने 4 जनवरी को महिला का 29 हफ्ते का भ्रूण हटाने की अनुमति दे दी थी। कोर्ट ने महिला की मानसिक स्थिति का ध्यान रखते हुए यह आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, ऐसे में गर्भ को जारी रखना सही नहीं है। महिला की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया था कि महिला गंभीर रूप से डिप्रेशन की शिकार है। महिला की ओर से पेश वकील डॉक्टर अमित मिश्रा ने कहा था कि याचिकाकर्ता को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे अपना गर्भ जारी रखने को कहा था। याचिका में कहा गया है कि गर्भ को जारी रखना महिला की निजता के अधिकार का उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसी परिस्थिति में गर्भ हटाने की अनुमति दी है। याचिकाकर्ता के मानसिक हालात ने परिस्थिति में बदलाव ला दिया है। इसके पहले 30 दिसंबर, 2023 को हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच ने एम्स के मानसिक आरोग्य विभाग को महिला का चेकअप करने का आदेश दिया था। एम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि महिला गंभीर डिप्रेशन से गुजर रही है और उसके अंदर आत्महत्या जैसे कदम उठाने के लक्षण हैं। ऐसी परिस्थिति में अगर महिला गर्भ को जारी रखती है तो उसके लिए खतरनाक होगा। महिला की मानसिक स्थिति का परीक्षण करने के बाद एम्स ने उसके रिश्तेदारों को अस्पताल में भर्ती करने का आदेश दिया। महिला एम्स के साइकेट्री वार्ड में भर्ती है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) कानून में हुए संशोधन के बाद 24 माह तक के भ्रूण को भी कुछ विशेष परिस्थितियों में हटाने की इजाजत दी जा सकती है। पहले एमटीपी एक्ट की धारा 3(2) के तहत 20 हफ्ते से ज्यादा के भ्रूण को हटाने की अनुमति नहीं थी। बाद में इसमें संशोधन कर 24 हफ्ते तक के भ्रूण को हटाने की विशेष परिस्थितियों में अनुमति दी गई। अगर 24 हफ्ते से अधिक का भ्रूण गर्भवती महिला के स्वास्थ्य या उसके मानसिक स्थिति पर बुरा असर डालता है तो उसे हटाने की अनुमति दी जा सकती है।

हजारों की भीड़ जुटने के कारण फिलहाल राम मंदिर में प्रवेश बंद, आरएएफ तैनात

अयोध्या (ईएमएस)। आयोध्या के राम मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए फिलहाल प्रवेश बंद कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार सुबह से आम श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोले गए थे, इसके बाद राम मंदिर में दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ आई। सुबह 7 बजे शुरू हुए दर्शनों के बाद भीड़ इतनी बढ़ गई कि वह उसे संभालना मुश्किल हो रहा था, इसके बाद यहां आरएएफ को जुटाया गया। इसके साथ ही यहां पर पैरा मिलिट्री फोर्स को भी व्यवस्था बनाने में लगाया गया है। जानकारी मिली की यहां करीब पौने नौ बजे मंदिर में प्रवेश बंद कर दिया गया, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता खोला रखा गया। सभी दूर से बैरिकेटिंग लगाकर रास्ते को बंद किया गया है। लोगों को सिर्फ बाहर जाने दिया जा रहा है। भारी भीड़ के चलते फिलहाल अंदर जाने का रास्ता बंद कर दिया है। अयोध्या के भव्य मंदिर में मंगलवार की सुबह जब आम श्रद्धालुओं के लिए रामलला के कपाट खुले तो आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 3 बजे से ही लोग लाइन में खड़े हो गए थे। स्थिति यह हो गई कि मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों को हालात काबू में करना मुश्किल हो गए। इसके बाद रैपिड एक्शन फोर्स को मोर्चे पर लगाया गया। बावजूद भीड़ नियंत्रित नहीं हुई तो कण्ट्रोल रूम से अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया, ताकि स्थिति को संभाला जा सके। यहां तक कि पुलिस भी मंदिर परिसर तक नहीं पहुंच पा रही है। दरअसल, श्रद्धालुओं को यह पता नहीं था कि मंदिर परिसर में क्या-क्या ले जा सकते हैं और क्या नहीं। लॉकर की व्यवस्था है, लेकिन आज की भीड़ को देखते हुए वह भी कम लग रहा है। स्थिति को संभालने में फोर्स जुटी है। भीड़ को देखते हुए दर्शन का समय भी बढ़ाया जा सकता है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आज पहला दिन है, जिसके चलते भी भीड़ बहुत ज्यादा है। कई लोग ऐसे थे जो मोबाइल और अन्य सामान के साथ दर्शन करने पहुंच गए, जिन्हें बिना दर्शन के ही वापस लौटना पड़ा। स्थिति यह है कि यहां पर सामान रखने के लॉकर भी कम पड़ गए हैं।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर लखनऊ में सुरक्षा बलों ने की परेड रिहर्सल

लखनऊ, (हि.स.)। भारत ही नहीं पूरा विश्व अयोध्या में भव्य मन्दिर में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अलौकिक और आह्लादित पलों को अभी संजोय बैठा है। इसी बीच 75 अमृत महोत्स्व (गणतंत्र दिवस) नजदीक आने पर देशवासी उत्साहित है। इसको लेकर भव्य तैयारियां जोरों पर हैं। गणतंत्र दिवस में निकलने वाली परेड का मुख्य आकर्षण हमारे देश के जवान व सुरक्षा बल हैं। तैयारियों को लेकर सुरक्षा बलों के साथ स्कूल, कॉलेज व सभी लोग रिहर्सल करने में जुट गए हैं। कुछ ऐसा ही दृश्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को देखने को मिला। गणतंत्र दिवस पर निकलने वाली परेड का रिहर्सल किया गया। सड़कों पर उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ सभी सैन्य बलों के जवानों की फोर्स रिहर्सल के दौरान भारत माता की सेवा के लिये समर्पित नजर आ रही थी। उनके मुहं पर देश की सुरक्षा और भारत मां की जय-जय... के नारे लग रहे थे। यह नजारा जिस किसी ने देखा वह देश को समर्पित जवानों की निष्ठा को देखकर जय हिन्द बोले बिना खुद नहीं रोक सका। गणतंत्र दिवस में होने वाली परेड को लेकर मुख्य मार्ग हजरतगंज चौराहा पर यातायात डायवर्ट सुबह से रहा। परेड की रिहर्सल को लेकर मुख्य रूप से चारबाग स्टेशन के पास से बार्लिंगटन, विधानसभा रोड हजरतगंज तक यातायात को रोका गया था। लोगों को नाका, बांसमंडी होते हुए कैसरबाग के रास्ते डायवर्ट किया गया। इस दौरान देश के लिये समर्पित जवानों की रिहर्सल को देखने के लिये लोग खड़े रहे और किसी ने भी देरी होने पर नाराजगी भी नहीं जताई।

रामलला के सभी को होंगे दर्शन, श्रद्धालु रखें धैर्य : एडीजी पीयूष मोर्डिया

अयोध्या, (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शन के लिए इस वक्त रामभक्तों का जन सैलाब उमड़ा हुआ है। पुलिस बारी-बारी से सभी को दर्शन करा रही है। रामलला की एक झलक पाने के लिए भीड़ बेकाबू हो रही है, जिसे संभालने के लिए पुलिस के अलावा पीएसी, सीआरपीएफ को भी लगाया गया है। इसी बीच लखनऊ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया ने रामभक्तों से अपील की है कि धैर्य बनाकर रखिए सभी को दर्शन कराया जाएगा। एडीजी ने बताया कि दर्शन दर्शन करने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। रामलला के दर्शन के लिए कई जिलों और राज्यों से भक्त आ रहे हैं। सभी को दर्शन लगातार हो रहे हैं। उनकी यह अपील है कि अपना धैर्य न खोए सभी को दर्शन कराया जाएगा। भक्तों की संख्या ज्यादा है, इसलिए लोगों को इंतजार करना पड़ेगा। जो लोग पहले लाइन में लगे श्रद्धालु हैं वे दर्शन करके निकल रहे हैं। उनके पीछे लगे लोगों को बारी-बारी से भेजा जा रहा है। सभी को लाइन से ही दर्शन कराया जाएगा। किसी को भी बगैर लाइन से दर्शन के लिए नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने अपील की है कि सभी लोग यह जान ले कि कल प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ है। लोगों में उत्साह है। श्रद्धा की भावना के साथ लोग दर्शन को आ रहे हैं। किसी को असुविधा न हो

यह हमारा कर्तव्य और दायित्व भी हैं, जिसे हम निभा रहे हैं। यहां पर आने वाले लोगों को भी पुलिस की बात मानना चाहिए। अगर बैठने को कहा जाए तो बैठ जाए सभी को दर्शन कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा है कि मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालू दर्शन कर रहे हैं उनसे यह अपील है कि अधिकांश श्रद्धालू सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं, इससे मंदिर में समय लगता है और लाइन में लगे दूसरे श्रद्धालुओं को भी दिक्कत उठानी पड़ती है। उनसे यह आग्रह है कि मंदिर परिसर में मोबाइल का उपयोग न करें। जल्दी से रामलला के दर्शन करें और लाइन में लगे दूसरे श्रद्धालुओं को भी दर्शन करने का मौका दें। एडीजी ने बताया कि शासन के मंशानुरूप यहां पर दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। पुलिस पूरी ईमानदारी से अपना कार्य कर रही है, इसमें सभी भक्त पुलिस का सहयोग करें। अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या है। भारी भीड़ को देखते हुए अयोध्या न जाए। सभी वाहनों के मार्ग में बदलाव किया गया है।

एटीएस और आरएएफ तैनात – रामलला के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में भक्त अयोध्या में मौजूद है। भक्त बारी-बारी से दर्शन कर रहे है। भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है। ऐसे में श्रद्धालुओं की आड़ में कोई गड़बड़ी न फैले इसके लिए एटीएस और आरएएफ कमांडों को मंदिर परिसर के अंदर और बाहर तैनात किया गया है। अयोध्या की सुरक्षा त्रीस्तरीय की गई है।

अयोध्या सीमा से श्रद्धालुओं को किया जा रहा वापस – उम्मीद से भी ज्यादा रामलला के दर्शन को राम भक्त अयोध्या पहुंच रहे है। भक्तों की भारी संख्या को देखते हुए अब जिले की सीमा से पुलिस उन्हें वापस कर रही है। पुलिस का कहना है कि जब भीड़ कम हो जाए तो भक्त आराम से दर्शन कर सकें।

प्रमुख सचिव गृह और डीजी प्रशांत कुमार मंदिर में मौजूद – रामलला के दर्शन के लिए राम भक्तों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। जैसे ही मंदिर के कपाट खुले तो भक्तों रेला मंदिर में घुसने लगा। दोपहर तक भीड़ बढ़ती चली जा रही है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था का जाएजा लेने के लिए प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था प्रशांत कुमार गर्भगृह में मौजूद है। वह भक्तों को बारी-बारी से दर्शन को भेज रहे हैं। भक्तों की संख्या को हुए फोर्स बढ़ा दी गई है। मंगलवार की सुबह से लेकर खबर लिखे जाने तक ढाई से तीन लाख भक्तों ने दर्शन कर लिए है।

25 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नव मतदाता सम्मेलन को वर्चुअल संबोधित करेंगे

– भाजपा काशी क्षेत्र तैयारियों को अन्तिम रूप देने में जुटी
– नव मतदाता सम्मेलन में अधिकाधिक भागीदारी पर जोर

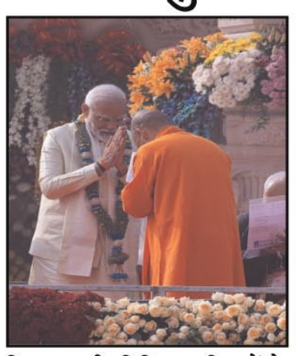

वाराणसी, (हि.स.)। अयोध्या में जन्मस्थान पर बने भगवान राम के भव्य मंदिर में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ऐतिहासिक होने के बाद भाजपा काशी क्षेत्र पदाधिकारी लोकसभा चुनाव को देखते हुए नवमतदाता सम्मेलन को लेकर तैयारियों में जुट गए हैं। 25 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नव मतदाता सम्मेलन को वर्चुअल संबोधित करेंगे। इसकी भी तैयारियां अंतिम दौर में है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी काशी क्षेत्र के सभी सोलह जिलों के जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी, विभिन्न अभियानों के क्षेत्र, जिला पदाधिकारी एवं सभी 337 मंडलों के पन्ना प्रमुखों को इस-के लिए दिशा निर्देश दे चुके हैं। इस सम्मेलन में पहली बार मतदाता बने 18 वर्ष से 23 वर्ष के युवाओं को शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों के अनुसार काशी क्षेत्र की 71 विधान सभाओं में नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन होगा। प्रत्येक विधान सभा में दो नवमतदाता सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। इस सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी युवा मोर्चा को सौंपी गयी है। पार्टी का नमो एप पर दो करोड़ लोगों को जोड़कर विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का पार्टी का लक्ष्य है। इस अभियान में युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा कॉलेज कैम्पस में जाकर युवाओं को विक-सित भारत एम्बेसडर बनाने का काम करेंगे। इसके बाद आगामी 4 फरवरी से पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर गांव चलो अभियान का एक बड़ा कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है।

शिव सेना ने बाल ठाकरे की जयंती पर निकाली हिन्दू स्वाभिमान रैली

मेरठ, (हि.स.)। शिव सेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की 98वीं जयंती पर मंगलवार को शिवसैनिकों ने हिन्दू स्वाभिमान रैली निकाली। इस दौरान शिवसैनिकों ने जय श्रीराम और हर हर महादेव का जयघोष किया। शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे इकाई द्वारा मंगलवार को शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की 98वीं जयंती को हिन्दू स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया। छिपी टैंक स्थित शिवसेना कार्यालय से हिन्दू स्वाभिमान रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शिव चौक, आरजी कॉलेज, कचहरी पुल होते हुए कमिश्नरी पार्क पहुंची। वहां पर शि-वसैनिकों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहां से अंबेडकर चौराहा, मेघदूत पुलिया, एनएएस कॉलेज होते हुए शिवसेना कार्यालय पर संपन्न हुई। जहां शिवसैनिकों ने लड्डू बांटकर सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव व पश्चिमी यूपी प्रभारी धर्मेन्द्र तोमर ने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में रामलला के मंदिर का निर्माण होते देख रही है। ये निर्माण बाला साहेब ठाकरे के भी संघर्षों का परिणाम है। इसीलिए दुनिया उन्हें हिंदू हृदय सम्राट कहती है।

जिला प्रमुख संदीप गर्ग ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे को भारत रत्न दिया जाना चाहिए और उनकी एक प्रतिमा अयोध्या में लगनी चाहिए। महानगर प्रमुख मोहित त्यागी ने कहा कि बालासाहेब हिन्दू हितों के लिए उठने वाली प्रथम आवाज थे। रैली में अवनीश आर्य, कमल प्रजापति, सहेंद्र तोमर, सुनील दत्त सैनी, यतेंद्र रोमी, पंकज गुप्ता, दीपक कुमार, अमित भारती, विशाल वैशानी, प्रेम शकंर, अमरनाथ, ज्योति प्रसाद, आरपी सिंह, विनित जैन, राजेश तोमर, अनुज जैन, डॉ. अरविंद शर्मा, मनीष कुमार, सागर सैनी, दिनेश कुमार, प्रदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस : आर. के. सिंह पटेल

चित्रकूट, (हि.स.)। बांदा-चित्रकूट सांसद आर0 के0 सिंह पटेल के बलदाऊ गंज स्थित आवास पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस मौके पर सांसद ने नेताजी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए बताया कि 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में जानकीनाथ बोस और प्रभावतीदत्त बोस के घर पर सुभाषचन्द्र बोस जी का जन्म हुआ था। नेताजी आज भी देश के करोड़ों युवाओं के आदर्श और प्रेरणा श्रोत हैं। नेता जी जीवन की चुनौतियों को स्वीकारना जानते हैं। सदियों से कहावत रही है कि ह्यपूत के पांव पालने में दिख जाते हैंह्व जिसका बेहतरीन उदाहरण सुभाषचन्द्र बोस हैं। सांसद श्री पटेल ने मंगलवार को कहा कि भारत प्रेरणाओं वाला देश है। यहां की माटी में जन्में महापुरूषों ने न केवल भारत के नौजवानों के लिए उत्साहवर्धन का काम किया है अपितु दुनिया भर में साहस और शौर्य का प्रतीक बने हैं। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं से भरी क्षमताओं वाला देश है। विपरीत परिस्थितियों से लड़कर जीत हासिल करने में पारंगत लोगों की फे-हरिस्त में अग्रिणी नाम नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का है। जिनका जन्म दिवस हर साल 23 जनवरी को भारत ह्यपर-ाक्रम दिवसह्व के रूप में मनाता है। उनकी सूझबूझ और रणनीति से प्रेरित होकर जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें नेताजी कहकर संबोधित किया था। वरिष्ठ भाजपा नेता शक्ति प्रताप सिंह, राजकुमार त्रिपाठी और शिव-ाकांत पांडेय ने कहा कि नेता जी स-ाहस के साथ-साथ समाज सेवा, देश प्रेम और साथ राष्ट्र भक्ति की मिशाल हैं। नेताजी ने देश सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान उन्होंने ह्यआजाद हिंद फौजह्व का गठन कर अंग्रेजों के खिलाफ जंग का ऐलान किया था। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में भी जाना जाता है। भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने में इनका बहुत बड़ा योगदान था। तुम मुझे खून दो-मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जय हिंद-जय भारत और दिल्ली चलो जैसे नारों से उन्होंने देश के युवाओं में देशभक्ति की लौ जलाने का ऐतिहासिक कार्य किया था। उनके त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

गणतंत्र दिवस को लेकर उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट

लखनऊ, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को लेकर उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है। अयोध्या जिले को येलो और रेड जोन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और हर गतिविधि पर नजर रख रही हैं। पुलिस मुख्यालय में तैनात एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 26 जनवरी के मद्देनजर पूरे प्रदेश को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है। लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी मथुरा समेत सभी जिलों में ऐतिहासिक इमारतों और स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी है। रामलला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। पूरे परिसर और आसपास के इलाकों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। एट-ाएस और एसटीएफ की टीमें तैनात हैं। एनएसजी समेत अन्य सुरक्षा एजेंसिया को मुस्तैद किया गया है। पास लगे वाहनों को ही प्रवेश दिया जा रहा है, कोई भी प्राइवेट वाहनों की अनुमति नहीं है। अयोध्या में लगभग 13 हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं। 10 हजार सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। 26 कंपनी पीएसी और सात कंपनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की टीम तैनात हैं। डीजीपी मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम से पूरे प्रदेश में निगरानी रखी जा रही है। साथ ही जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस कमिश्नर और पुलिस कप्तानों को अपने-अपने जिलों सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डा पर चेकिंग की जाए।

श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर रांची में दो दिवसीय दुर्गा उत्सव का समापन

रांची, (हि.स.)। चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में राजधानी रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय भव्य और मनोरम दुर्गा उत्सव का सोमवार देर रात समापन हो गया। रामोत्सव के पहले दिन कार्यक्रम की शुरूआत मनोरम झांकी के साथ सुप्रसिद्ध गायक-गायिकाओं ने भजन संध्या का आयोजन किया गया। दूसरे दिन हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ और श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण, महाभोग भंडारा एवं शिव तांडव स्तोत्र पर बेहद ही आकर्षक आरती का आयोजन भी हुआ। आतिशबाजी का दौर भी चला। सांस्कृतिक संध्या में बिहार के सुप्रसिद्ध गायक अरविंद अकेला उर्फ कल्लू, निशा उपाध्याय सहित कई अन्य कलाकारों ने लोगों को राममय वातावरण में झूमने को विवश कर दिया। सोमवार का यह दिन ऐतिहासि-क बनाने के लिए पूरी राजधानी रांची शहर सुबह से लेकर देर रात तक प्रभु राम के उत्सव में पूरी तरह से तल्लीन और सराबोर रहे।

ट्रेड यूनियनों ने नेताजी की जयंती को देश प्रेम दिवस और साम्राज्यवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया

रांची, (हि.स.)। ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर मंगलवार को झारखंड के अधिकांश जिलों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद करते हुए इस दिन को देश प्रेम दिवस और साम्राज्यवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया गया। राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में किसानों, मजदूरों-कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य स्थलों पर सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देते हुए देश की एकता, अखंडता और भाईचारे की हर कीमत पर रक्षा करने का संकल्प लिया। राजधानी रांची में मेन रोड स्थित सीटू राज्य कार्यालय के परिसर में नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर एक सभा की गयी। सभा की अध्यक्षता अनिर्बान बोस ने की। सभा को संबोधित करते हुए सीटू के प्रकाश विप्लव ने कहा कि आज हमारा देश एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है। सही मंजिल की ओर जाने के मार्ग में बड़ी बाधाएं खड़ी कर दी गई हैं। शासक वर्ग के जरिये सुनियोजित तरीके से धार्मिक उन्माद का शोर पैदा कर राष्ट्रीय संपदा की लूट तेज कर दी गई है। साथ ही संविधान के संघीय और धर्मनिरपेक्ष चरित्र को ताक पर रखकर भारत को बहुसंख्यकों का एक धार्मिक राष्ट्र बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। यह हमारे संविधान की मूल भावना और स्वतंत्रता संग्राम की साझी विरासत और जनतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किए जाने की साजिश है, जिसका हमें डटकर मुकाबला करना होगा। सभा को प्रतीक मिश्र, एमएल सिंह, अभिजीत मल्लिक, नवीन चौधरी सहित विभिन्न ट्रेड यूनियन के नेताओं ने संबोधित किया।

उपभोक्ता सेवाओं में बिजली कंपनियों की रेटिंग खराब, उपभोक्ता परिषद ने सख्ती की मांग की

लखनऊ, (हि.स.)। रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड आरईसी की जारी वर्ष 2022-23 की कंज्यूमर सर्विस सेवा की रेटिंग में उप्र के बिजली कंपनियों का बुरा हाल है। नोयडा पावर को छोड़कर किसी भी कंपनी को ए ग्रेड नहीं मिला है। इस पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने उत्तर प्रदेश सरकार से बिजली कंपनियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की है। दिल्ली सहित प्रदेश की निजी क्षेत्र की बिजली कंपनी एनपीसीएल सबसे ऊपर ह्यह्यए प्लसह्व में टॉप पर है। वहीं आन्ध्रप्रदेश की तीन बिजली कम्पनियां ए ग्रेड पाकर ऊपरी पायदान रहीं। सबसे निचले पायदान पर जम्मू कश्मीर व झारखण्ड की कंपनियां हैं। रूलर इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड (आर0ई0सी) द्वारा शुरू की गयी पूरे देश के 62 डिस्कॉम के 32 करोड़ विद्युत उपभोक्ताओं की सभी राज्यों की कंज्यूमर सर्विस रेटिंग दो दिन पहले जारी की गई है।

इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को मिलने वाली सभी सेवाओं चाहे वह विद्युत आपूर्ति का मामला हो या विद्युत कनेक्शन देने का या बिलिंग संबंधित मामला हो या मीटर संबंधी मामला, उसका निस्तारण राज्य के सभी बिजली कंपनियों द्वारा तय मानक के आधार पर किया जाता है। उसके संबंध में आरईसी द्वारा एक मानक बनाकर उस पर 100 मार्क के आधार पर अलग-अलग श्रेणी में ग्रे-डिंग किए जाने का प्रावधान किया है। जहां बिजली डिस्कॉम के अंतर्गत पूरे देश में दिल्ली के बाद उत्तर प्रदेश की निजी क्षेत्र की कंपनी नोयडा पावर कंपनी को ए प्लस श्रेणी का ग्रेड दिया गया है। वहीं पूरे देश में उत्तर प्रदेश की केस्को कम्पनी जो वर्ष 2021-22 में सबसे ऊपर दिल्ली के बाद टॉप पर थे। अब वह खिसक कर बी प्लस पर आ गयी। वहीं पक्षिमांचल कंपनी सी प्लस पे ही अटकी है। वहीं दक्षिणांचल पूर्वांचल मध्यांचल ने थोड़ा सुधार कर बी में अपनी जगह बना ली है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली कंपनियों की सेवाओं में सुधार के लिए नकेल कसने की जरूरत है।

मोतिहारी के मोतीझील में वाटर स्पोर्टस हुआ शुरू

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बीच स्थित मोतीझील में वाटर स्पोर्टस का शुभारंभ किया गया, जिसकी शुरूआत रोइंग कल्ब से स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार,उप विकास आयुक्त,समीर सौरभ,मेयर प्रीति कुमारी, उप मेयर डॉ लाल बाबू प्रसाद एवं स्थानीय वार्ड पार्षद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। पर्यटन विभाग ने मोतिहारी में पर्यटन को बढ-ावा देने के उदेश्य से इसकी शुरूआत की गयी है। वाटर स्पोर्टस का आनंद लेने के लिए टिकट काउंटर बनाये गये है। जहां ऑनलाइन भुगतान करने की भी सुविधा प्रदान किया गया है। मौके पर उप विकास आयुक्त समीर सौरभ ने बताया कि बिहार स्टेट टूरि-रज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा मोतीझील में पर्यटकों के लिए वॉटर स्पोर्ट्स में फ्लोटिंग जट्टी, मेंटेनेंस शेड, 6 से 8 सीटर पैसेंजर वोट, 4 पर्सन पैसेंजर वोट, रेस्क्यू वोट 8 पर्सन, डबल सीटर क्याक, 4 सीटर पेंडल वोट, लाइफ जैकेट, लाइफ रिंग आदि की व्यवस्था की गई है। पर्यटको के मांग के अनुरूप यहां अन्य सुविधाएं भी विकसित किया जायेगा। उन्होने बताया कि वाटर स्पोर्टस में बम्पर राईड के 200 रुपए जेटस्की के 300 रुपये मोटरबोट के 100 रुपए कयाक के 100 रुपए बनाना राईड के 200 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क निर्धारित है। स्पोर्टस के लिए समय सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक रखा गया है। जबकि सप्ताहिक बंदी गुरूवार को रखा गया है। मौके पर नगर आयुक्त, जिला प्रभारी पदाधिका-री, पर्यटन विभाग, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित बिहार पर्यटन विभाग के पदाधिकारी गण एवं शहर-वासी उपस्थित थे।

बिहार की सियासत गरमाई, राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना (बिहार), (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ मुलाकात की। राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच वातार्लाप हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में पहुंचे थे। समा-रोह में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। राजकीय समारोह के खत्म होने के बाद वहीं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिना डिप्टी सीएम तेजस्वी को साथ लिए अपने करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ राजभवन पहुंच गए। राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी रुके रहे। राज्यपाल से दोनों नेताओं की बंद कमरे में बातचीत हुई है। नीतीश कुमार के राजभवन पहुंचने के बाद बिहार की सियासत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, दोनों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। एक दिन पहले ही ऐसी जानकारी सामने आई थी कि नीतीश कुमार 29 जनवरी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे। राहुल गांधी फिलहाल असम में हैं। उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। किशनगंज के रास्ते यह यात्रा 30 जनवरी को पूर्णिया पहुंचेगी। नीतीश कुमार पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करेंगे। हालांकि, इस बात की पुष्टि जदयू की ओर से नहीं की गई है।

बिहार में बड़े स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को बड़े पैमाने पर बिहार प्रशासनिक सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें वैसे अफसर भी हैं, जिन्हें हाल में आईएएस कैडर मिला है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। नीतीश कुमार के बेहद खास मंत्री विजय चौधरी ने अपने पीएस को अपने विभाग में ही पोस्टिंग कराई है। उज्जवल कुमार सिंह को संयुक्त सचिव ग्रामीण कार्य विभाग बनाया गया है। मंत्री विजय चौधरी के आप्त सचिव नवीन को वित्त वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। यह विभाग विजय चौधरी के जिम्मे है। नरेश झा को कटिहार का बंदोबस्त पदाधिकारी बनाया गया है। समाज कल्याण विभाग के मंत्री के आप्त सचिव शशांक शेखर सिंह को संयुक्त सचिव जल संसाधन विभाग बनाया गया है। कई मंत्रियों के सरकारी आप्त सचिव जिन्हें आईएएस कैडर मिला था उन्हें भी मंत्री के पीएस से हटाकर नई जगह पर पोस्टिंग की गई है। शिव कुमार को किशनगंज का बंदोबस्त पदाधिकारी, विश्वनाथ चौधरी को बंदोबस्त पदाधिकारी सहरसा, बृजेश कुमार को बंदोबस्त पदाधिकारी मधेपुरा, गीता सिंह को खाद्य उपभोक्ता विभाग में संयुक्त सचिव, अरुण कुमार झा को खगड़िया का बंदोबस्त पदाधिकारी, कमलेश कुमार सिंह को पूर्णिया का बंदोबस्त पदाधिकारी, सुनील कुमार-एक को मुंगेर का बंदोबस्त पदाधिकारी बनाया गया है। इनके अलावा पवन कुमार सिन्हा को बंदोबस्त पदाधिकारी जमुई और परिवहन विभाग के मंत्री शीला कुमारी के सरकारी आप्त सचिव मनोज कुमार को बंदोबस्त पदाधिकारी नवादा बनाया गया है। अंजुला प्रसाद को संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, संगीता सिंह को संयुक्त सचिव लघु जल संसाधन विभाग, मुकेश कुमार को बंदोबस्त पदाधिकारी गया के पद पर पदस्थापित किया गया है।

संपादकीया

'राम' पर आम चुनाव!

बार-बार आंखें भीग जाती हैं। मन सुबकने लगता है। चेहरा दीवार की ओर करना पड़ता है, ताकि आंसू सार्वजनिक न हो जाएं। आज तीनों लोक आनंदित होंगे, चराचर में उत्साह और उल्लास होगा, असीम आसमान तक हरेक मंजर आह्लादित होगा। सनातन के 'प्राण' श्रीराम का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह हुआ है, तो भावुक होना स्वाभाविक है। भीतर आत्मा से सवाल उभरते हैं कि भारत के 'प्राण' की प्राण-प्रतिष्ठा की नौबत ही क्यों आई? इस सवाल के साथ पुरानी स्मृतियां भी ताजा हो गई हैं, जब एक-एक 'रामशिला' के साथ सवा रुपया भी देने का संकल्प निभाया जा रहा था। विहिप के मुताबिक, ऐसा करीब 68 करोड़ भारतीयों ने किया था। हम सौभाग्यशाली हैं कि शिला और पनपते आंदोलन के भी साक्षी बने और अब कमोबेश टीवी चैनल के जरिए प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक-सा दौर भी देख रहे हैं। सवाल ये भी मौजू लगते हैं कि प्रधानमंत्री के तौर पर वीपी सिंह ने 'राम मंदिर' के लिए जगह देने का वायदा किया था और तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने कथित बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण का ऐलान किया था। यह दीगर है कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात के दबावों के कारण कोई भी प्रधानमंत्री मस्जिद को दोबारा खड़ा नहीं कर सका। हमने राम मंदिर आंदोलन के स्वतः स्फूर्त उभार और उफान को भी देखा है। उस दौर में कितने किशोर, युवा और उम्रदराज भारतीय मारे गए, उसका रिकॉर्ड भारत और उप्र सरकारों के किसी भी मंत्रालय में दर्ज नहीं किया गया। क्या इसे राजनीतिक निर्णय नहीं मानेंगे? राम मंदिर के जरिए सांस्कृतिक पुनरोत्थान का पूरा आंदोलन भाजपा, विहिप और आरएसएस ने चलाया था। उन्हें 'संघ परिवार' भी कह सकते हैं। दिसंबर, 1992 में विवादित ढांचा ध्वस्त किए जाने के बाद तत्कालीन राव सरकार ने भाजपा की उप्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और हिमाचल की राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया था। वह निर्णय भी विशुद्ध रूप से राजनीतिक था। 'कारसेवक' उप्र तक ही सीमित थे, हालांकि देश के विभिन्न इलाकों से 'रामसेवक' और 'रामभक्त' अयोध्या की तरफ बढ़ रहे थे। सरकारें बर्खास्त करने के बावजूद जन-सैलाब नहीं थमा था। उन्हें मुलायम सिंह यादव की सरकार ने गोलियों से भुनवा दिया। 'राम भक्तों' की लाशें भी उनके परिजनों को नहीं सौंपी गई। न जाने उनके अंतिम संस्कार कैसे किए गए? बहरहाल अब श्रीराम के भव्य, नव्य और महलनुमा मंदिर में जो 'प्राण-प्रतिष्ठा' की गई है, वह आध्यात्मिक और सांस्कृतिक है। वह भारतीय है, क्योंकि हम प्रभु राम को ही विधि, विधान और अध्यात्मक का संविधान मानते रहे हैं। अलबत्ता राम मंदिर का प्रदाय राजनीतिक भी जरूर होगा। वह राम मंदिर के मौजूदा आयोजनों और 'राममय' देश के शुरुआती मूड से स्पष्ट होता है। बेशक संघ परिवार की आस्था और अस्मिता श्रीराम में निहित रही है, लेकिन भाजपा प्रत्येक चुनाव घोषणा-पत्र में राम मंदिर निर्माण का वायदा देश के साथ साझा करती रही है। अब वह वायदा पूरा हो रहा है। यदि अब उसे इसका श्रेय मिलता है, तो उसमें छद्म और छलावा नहीं आंक सकते। प्राण-प्रतिष्ठा से 1-2 दिन पहले ही जनता का मूड भांपने के लिए सर्वे किया गया। हम ऐसे सर्वेक्षणों की पुष्टि नहीं करते, लेकिन लोगों की प्रतिक्रिया के अंश सामने आने लगते हैं। करीब 43 फीसदी लोगों ने राम की प्राण-प्रतिष्ठा को 'राष्ट्रोत्सव' माना है, जबकि 23 फीसदी ने इसे भाजपा-संघ का कार्यक्रम करार दिया है। देखा जाए, तो ये 66 फीसदी लोग एक ही दिशा में सोच रहे हैं। अधूरे मंदिर से यह समारोह करने से कोई फर्क नहीं पड़ता, यह सोचने और मानने वाले करीब 56 फीसदी लोग थे। इसी संदर्भ में 54 फीसदी की सोच यह है कि इस समारोह में शामिल न होकर विपक्ष ने राष्ट्रीय स्तर पर 'गलती' की है, क्योंकि प्रभु राम राष्ट्रीय नायक ही नहीं, बल्कि आराध्य हैं। आराध्य नायक से बहुत ऊपर होता है। यदि तय समय पर आम चुनाव होते हैं, राम मंदिर और प्राण-प्रतिष्ठा सबसे अहम चुनावी मुद्दा होंगे। संघ परिवार 'राम लहर' को बरकरार रखने के लिए व्यापक स्तर पर समर्थकों को राम मंदिर दर्शन के लिए अयोध्या लाता रहेगा।

> दिसंबर, 1992 में विवादित ढांचा ध्वस्त किए जाने के बाद तत्कालीन राव सरकार ने भाजपा की उप्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और हिमाचल की राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया था। वह निर्णय भी विशुद्ध रूप से राजनीतिक था। 'कारसेवक' उप्र तक ही सीमित थे, हालांकि देश के विभिन्न इलाकों से 'रामसेवक' और 'रामभक्त' अयोध्या की तरफ बढ़ रहे थे। सरकारें बर्खास्त करने के बावजूद जन-सैलाब नहीं थमा था। उन्हें मुलायम सिंह यादव की सरकार ने गोलियों से भुनवा दिया। 'राम भक्तों' की लाशें भी उनके परिजनों को नहीं सौंपी गई। न जाने उनके अंतिम संस्कार कैसे किए गए? बहरहाल अब श्रीराम के भव्य, नव्य और महलनुमा मंदिर में जो 'प्राण-प्रतिष्ठा' की गई है, वह आध्यात्मिक और सांस्कृतिक है। वह भारतीय है, क्योंकि हम प्रभु राम को ही विधि, विधान और अध्यात्मक का संविधान मानते रहे हैं। अलबत्ता राम मंदिर का प्रदाय राजनीतिक भी जरूर होगा। वह राम मंदिर के मौजूदा आयोजनों और 'राममय' देश के शुरुआती मूड से स्पष्ट होता है। बेशक संघ परिवार की आस्था और अस्मिता श्रीराम में निहित रही है, लेकिन भाजपा प्रत्येक चुनाव घोषणा-पत्र में राम मंदिर निर्माण का वायदा देश के साथ साझा करती रही है।

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई

आर्थिक केंद्र भी है राम मंदिर

डा. अश्वनी महाजन

बाईस जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई है। देश भर में एक उत्साह का वातावरण अभी भी है। हर व्यक्ति प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या में जाना चाहता था। यह समझते हुए कि सभी का एक ही समय में अयोध्या में होना संभव नहीं, आने वाले कुछ महीनों में करोड़ों लोग अयोध्या में रामलला के दर्शन करने की योजना बना रहे हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तो बन ही रहा है, दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु होटल और अन्य प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का भी निर्माण तेजी से हो रहा है। इससे न केवल शहर में और इसके आसपास पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह शहर एक क्षेत्रीय विकास केंद्र में बदल जाएगा, जिससे बेहतर कनेक्टिविटी के कारण व्यापक क्षेत्र में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वैश्विक मानकों का एक मेगा पर्यटक शहर, जो प्रतिदिन लाखों पर्यटकों को आकर्षित करेगा, पड़ोसी जिलों की अर्थव्यवस्था में भी क्रांति का स्रोत बन सकता है। अयोध्या के लोग इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि पर्यटन का विकास अयोध्या के आर्थिक विकास के नए रास्ते खोलेगा। राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद लगभग 3 लाख की दैनिक उपस्थिति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पवित्र शहर को उन्नत करने हेतु मास्टर प्लान 2031 के अनुसार अयोध्या का पुनर्विकास 85000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ 10 वर्षों में पूरा किया जाएगा। जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन चल रहा था, देश में कुछ लोग यह सुझाव दे रहे थे कि मंदिर के स्थान पर यदि अस्पताल या शिक्षण संस्थान खोल दिए जाएं तो लोगों को फायदा होगा। कांग्रेस शासन के दौरान सरकार के काफी निकट और हाल ही में राहुल गांधी की अमरीका यात्रा में उनके साथ गए एक टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा ने कहा कि मंदिर रोजगार पैदा नहीं करते। स्वाभाविक तौर पर वर्तमान में मंदिरों के प्रति आग्रह के संदर्भ में उनकी यह टिप्पणी रही होगी। सैम पित्रोदा चाहे कुछ भी कहें, मंदिरों का अर्थशास्त्र भी समझने की आज बहुत जरूरत है। यह सही है कि कृषि, उद्योग और सेवाओं का अपना-अपना अर्थशास्त्र होता है, जिसके आधार पर हम देश के विकास की रूपरेखा तैयार करते हैं। लेकिन मंदिरों के विरुद्ध बोलने वाले लोग भूल जाते हैं कि

धार्मिक सेवाओं और मंदिरों का भी अपना एक अर्थशास्त्र होता है। जहां मंदिर होते हैं, उसके आसपास विकास कार्य स्वतः ही हो जाते हैं, प्राचीन भारत में हर क्षेत्र को धन लाभ इन्हीं तीर्थस्थलों से होता था। हर मंदिर में आकर्षक शिल्पकला, भव्यता, अलौकिक विग्रहों के कारण यह आध्यात्मिक होने के साथ-साथ पर्यटन स्थल भी थे। यह व्यवस्था सम्पूर्ण भारत में थी। आज जब मंदिर निर्माण पूर्णता की ओर है और प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होने जा रहा है, तो हमें यह समझने की जरूरत है कि मंदिर, धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन हमारे देश और और जनता के लिए कितने लाभकारी हो सकते हैं। मंदिरों से भी भारी रोजगार सृजन होता है। मंदिरों के आसपास असंख्य लोग अपना जीवनयापन करते हैं और मंदिरों में भी आधुनिकीकरण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के माध्यम से न केवल उन सेवाओं के स्तर को बढ़ाया जा सकता है, बल्कि जीडीपी में भी उनके योगदान में वृद्धि की जा सकती है। इसलिए अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की ही भांति मंदिर अर्थव्यवस्था के बारे में भी चिंतन और विचार करना जरूरी है। 20 लाख से भी अधिक मंदिरों वाले भारत देश में 4 करोड़ लोग पर्यटन और यात्रा के उद्योग से सीधे जुड़े हुए हैं। धार्मिक और मंदिर पर्यटन उसका एक बड़ा हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार भी योजनाबद्ध रूप से इस मंदिर अर्थव्यवस्था को और अधिक पुष्ट करने का कार्य कर रही है। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के लिए महाकाल लोक, काशी विश्वेश्वर के लिए काशी कोरिडोर, केदारनाथ में मंदिर जीर्णोद्धार एवं शंकराचार्य स्थल, ओम्कारेश्वर में एकात्म धाम, कश्मीर में शारदा पीठ का जीर्णोद्धार, उत्तराखंड में कैलाश दर्शन का विकास उसी दिशा में कदम हैं। हम देखते हैं कि आज भी भारत में कई शहरों और कस्बों की एक बड़ी आबादी तो अपनी आजीविका के लिए सिर्फ मंदिरों एवं तीर्थ स्थानों पर ही निर्भर करती है। उत्तर प्रदेश में वाराणसी, मथुरा-वृंदावन, अयोध्या, कुशीनगर, उत्तराखंड में हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री मंदिर प्रसिद्ध हैं। यदि हम देखें तो लगभग सभी राज्यों में एक या एक से अधिक बड़े धार्मिक केंद्र हैं। तमिलनाडु में मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), रामेश्वरम मंदिर और कई अन्य मंदिर हैं। उड़ीसा में जगन्नाथ पुरी मंदिर, गुजरात में सोमनाथ और द्वारका, पंजाब में स्वर्ण मंदिर आस्था के प्रमुख केंद्र हैं। झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ मंदिर और रांची में जगन्नाथ मंदिर विश्व प्रसिद्ध हैं। मध्य प्रदेश में उज्जैन का महाकाल मंदिर और भारत के कई शहरों-कस्बों में कई मंदिर हैं, जो आस्था के केंद्र हैं। पर्यटन : जिन शहरों में ऐसे मंदिर स्थित हैं, वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और सैलानियों का आना होता है। कई स्थान तो ऐसे हैं, जहां एक ही दिन में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। जम्मू के कटरा में स्थित अकेले वैष्णो देवी मंदिर में ही वर्ष 2022 के दौरान 36.4 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। आंध्र प्रदेश में स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में वर्ष 2022 के दौरान 3 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इसी प्रकार से अलग-अलग मंदिरों में करोड़ों लोग हर साल दर्शन करने जाते हैं। यह स्वाभाविक धार्मिक पर्यटन हमारे कुल पर्यटन व्यवसाय का एक बड़ा भाग है, जिससे बड़ी मांग का सृजन होता है। अनुमान है कि भारत में धार्मिक पर्यटन का हिस्सा कुल घरेलू पर्यटन में 60 प्रतिशत है, बजकि 11 प्रतिशत विदेशी सैलानी धार्मिक उद्देश्य से आते हैं। गौरतबल है कि भारत की जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा लगभग 7 प्रतिशत है और देश के कुल रोजगार में इसका हिस्सा 8 प्रतिशत है। यानी यह क्षेत्र 4 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। ऐसे में कुल घरेलू पर्यटन में जहां धार्मिक पर्यटन का योगदान 60 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में 11 प्रतिशत होने के कारण मंदिरों के भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान के बारे में कोई संदेह नहीं हो सकता।

> अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तो बन ही रहा है, दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु होटल और अन्य प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का भी निर्माण तेजी से हो रहा है। इससे न केवल शहर में और इसके आसपास पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह शहर एक क्षेत्रीय विकास केंद्र में बदल जाएगा, जिससे बेहतर कनेक्टिविटी के कारण व्यापक क्षेत्र में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वैश्विक मानकों का एक मेगा पर्यटक शहर, जो प्रतिदिन लाखों पर्यटकों को आकर्षित करेगा, पड़ोसी जिलों की अर्थव्यवस्था में भी क्रांति का स्रोत बन सकता है।

दृष्टि कोण

गुणवत्तापरक शिक्षा की सख्त जरूरत

केरल के बाद देश में दूसरे स्थान पर साक्षरता दर, प्रति 1.5 किलोमीटर पर प्राथमिक विद्यालय, 70 लाख से कम आबादी पर 16 निजी व 4 सरकारी विश्वविद्यालय, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, सर्व शिक्षा अभियान, डिजीटाइजेशन इन एजुकेशन के दावों से सरोबार, अपनी पीठ ठोंकने, कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजी जाने वाली हिमाचल की शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत निश्चित रूप से चिंताजनक ही नहीं, भयावह है। केन्द्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय और स्वतंत्र एजेंसियों के रिपोर्ट प्रकाशन ने हमारी पोल पट्टी खोल कर रख दी है। हाल ही में प्रकाशित इस रिपोर्ट में जिन दो प्रमुख तथ्यों को उजागर किया गया है, उन पर चिंता, चर्चा और चिंतन तीनों करने की अविलंब आवश्यकता है। पहली मुफ्त वर्दी, बैग, पुस्तकें, साइकिल, पानी की बोतल, मिड डे मील, नाममात्र फीस, सुविधा सम्पन्न विद्यालयों, मोटी पगार, बिना किसी उत्तरदायित्व के नौकरी वाले शिक्षकों की लंबी-चौड़ी फौज, तीन-तीन निदेशालयों से सजी धजी प्रशासनिक व्यवस्था के बावजूद सरकारी स्कूलों में निरंतर घटती छात्रों की संख्या, इसके विपरीत कम तनख्वाह, काम के बोझ से लदे, बिना प्रशिक्षण, अल्पतम योग्यता वाले अध्यापकों से लैस, कुकुरमुत्तों की तरह फैली निजी

शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु मारामारी, वह भी मोटी फीस और अन्य कई शुल्क चुका कर अभिभावक यदि निजी शिक्षण संस्थाओं में नौनिहालों को भेजना पसंद कर रहे हैं और वहां के शिक्षा स्तर पर विश्वास कर रहे हैं तो निश्चित रूप से यह गंभीर विषय है। इस समस्या के निदान हेतु केवल आधिकारिक या प्रशासनिक ही नहीं, सामाजिक चिंतन व चर्चा भी जरूरी है। दूसरी गंभीर समस्या भी इसी से जुड़ी है और वह है सरकारी तंत्र प्रदत्त शिक्षा की गुणवत्ता का अभाव। जब यह सार्वजनिक रूप से विदित हो जाए कि हमारे 8वीं, 9वीं कक्षा के नौनिहाल दूसरी कक्षा के हिंदी-अंग्रेजी के पाठ नहीं पढ़ पाते, जमा-गुणा, भाग के चौथी कक्षा के प्रश्न उनको समझ नहीं आते। नवीं, दसवीं के छात्र अंग्रेजी और हिंदी के मूल व्याकरण यानी इज, एम, आर का सही प्रयोग नहीं कर पाते, बीजगणित, ज्यामिती तो दूर की बात, वे गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस में भी भेद करने में असमर्थ हैं। वह भी तब जब हम शिक्षा प्रसार, विस्तार और सुविधा सम्पन्न अति संवेदनशील, कारगर गुरुकुलों द्वारा, योग्य गुरुजनों के माध्यम से गिरिजन, गौजन, ग्रामजन स्थित नौनिहालों को शिक्षा रूपी प्रसाद बांटने वालों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने का दावा ठोंक कर पुरस्कारों की लंबी फेहरिस्त अपने पाले में होने से स्वयंभू जगद्गुरु होने तक का दम भर कर अपनी पीठ ठोंकने में व्यस्त हैं। बोर्ड परीक्षाओं में जीरो परिणाम देने वाले विद्यालयों की बढ़ती संख्या, राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं, जैसे जेईई व नीट आदि, में सफल होने वाले प्रादेशिक छात्रों की संख्या और नाम उंगलियों पर गिने जा सकते हैं, इस स्थिति को राष्ट्रहित, प्रदेशहित दोनों में बदलना अवश्यम्भावी है। गुणवत्तापरक शिक्षा न केवल देश-प्रदेश के विकास हित में जरूरी है, अपितु आगामी पीढ़ी के राष्ट्र निर्माण निमित भूमिका की मजबूरी भी है। प्रदेश के शिक्षा ढांचे के सुदृढ़ीकरण हेतु जहां पूर्ववर्ती सरकार के 'सबको शिक्षा घर पर' की जगह केवल सुयोग्य, सुपात्र को सुलभ उच्च शिक्षा, सबको आधारभूत शिक्षा, भले ही घर से दूर हो, मगर यदि शिक्षण संस्थान हो तो वहां भवन हो, संसाधन हों, अध्यापन व्यवस्था हो, सक्षम अध्यापक हों जो अध्ययन-अध्यापन के चाहवान हों। इस प्रदेश में रेवडियों की भांति बांटे और अपग्रेड किए जाने वाले स्कूलों की परंपरा पर लगाम लगाया जाना संसाधनों के अपव्यय को रोकने के लिए जरूरी और समाज हित की मजबूरी दोनों है। ऐसे विद्यालयों की घोषणा या खोलना जहां अध्यापक न हों या न के बराबर हों, से जो परिणाम निकले वे हमारे सामने ही हैं। 8वीं के छात्र कक्षा 2 के पाठ भी नहीं पढ़ पाएं जिन स्कूलों में, उनका होना-न होना बराबर है। यदि हम यह चाहते हैं कि सरकारी स्कूलों में छात्र पढ़ें और अध्यापक पढ़ाएं, तो निश्चित रूप से इस क्षेत्र में पूर्णतः गुणवत्तापरक, बिना सिफारिश व भेदभाव के नियुक्तियां, योग्यता आधारित प्रशिक्षण, गैर शैक्षिक कार्यों से अध्यापकों की मुक्ति, सर्वगुणसम्पन्न, पारंगता के आधार पर प्रमोशन, प्रतिनियुक्ति पर प्रतिबंध, नए शिक्षण संस्थान खोलने के बजाय पहले वालों का सुदृढ़ीकरण आदि उपाय करने की आवश्यकता है। जब तक गुणवत्तापरक शिक्षा की व्यवस्था हम नहीं कर पाएंगे, तब तक किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति हम नहीं कर पाएंगे। यदि युवाओं को रोजगार दिलाना है, तो उन्हें प्रतिस्पर्धा का सामना करने के योग्य बनाना होगा। तभी वे कंपीटीशन का सामना कर पाएंगे।

कुछ अलग

समरसता का रामराज्य भी आये

निश्चित रूप से अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में गरिमामय प्राण प्रतिष्ठा देश के धार्मिक-सांस्कृतिक इतिहास में एक युगांतरकारी घटना है। पांच सौ साल तक धैर्य से आंदोलनरत रहने के बाद जब यह दिन आया तो देश में उल्लास स्वाभाविक ही है। इस दिन को देखने की आस में कई पीढ़ियां इंतजार करके परलोक गमन कर गईं। दुनिया में यह अपने आप में शायद पहला उदाहरण होगा कि एक स्वतंत्र देश में अपने आराध्य के जन्मस्थान पर आस्थास्थल के निर्माण में पौन सदी तक कानूनी प्रक्रिया चली हो। फिर न्यायिक फैसले के अनुरूप ही धार्मिक स्थल का निर्माण सुनिश्चित हुआ हो। यही भारतीय समाज में गंगा-जमुनी संस्कृति की खूबसूरती है कि दोनों पक्षों ने न्यायालय के आदेश का सम्मान किया। निस्संदेह, भारतीय लोकजीवन में राम रचे-बसे हैं। भारतीय संस्कृति और अस्मिता के प्रतीक हैं। ऐसे प्रतीक जिससे बहुसंख्यक समाज ऊर्जा हासिल करता है। लोकव्यवहार में उनके आदर्शों की स्वीकार्यता इतनी अधिक है कि हर साल लोकमान्यताओं पर आधारित लीलाओं का मंचन रामलीला के रूप में किया जाता है। देश-देहात में जब अनजाने लोग भी मिल जाते हैं तो राम-राम कहकर अभिवादन करते हैं। ऐसे में अयोध्या में भव्य-दिव्य-नव्य राम मंदिर का एक संदेश यह भी है कि हम श्रीराम के आदर्शों व जीवन मूल्यों का अनुपालन अपने दैनिक जीवन में भी करें। कोशिश हो कि विविध संस्कृतियों वाले देश में राम की स्वीकार्यता को नया विस्तार मिले। साथ ही सत्ताधीश भी रामराज्य की अवधारणा को अपना आदर्श मानकर विभिन्न धर्मों व संस्कृतियों वाले देश में समरसता का समाज बनाने को प्रयासरत रहें। निस्संदेह, राम राजनीति के विषय नहीं हैं, राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक हैं। हम न भूलें कि हमारा संविधान भी रामराज की अवधारणा की आकांक्षा रखता है। बीसवीं सदी में जब देश ने उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई जीतकर आजादी पाई तो स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों ने देश में शासन में रामराज्य का आदर्श देखा था। उनके मन में रामराज्य की लोककल्याणकारी छवि केंद्रित थी। कह सकते हैं कि हमारे संविधान निर्माताओं ने रामराज्य को एक समावेशी लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में देखा। इसकी वजह है कि भारत एक बहुसांस्कृतिक व बहुधर्मी देश है। जिसके चलते भारतीय गणराज्य की कल्पना एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में की गई। महात्मा गांधी ने भी रामराज्य का सपना देखा था। ऐसा रामराज्य जिसमें पारदर्शिता के साथ वास्तविक सुशासन हो। एक आदर्श सुशासन की व्यवस्था ही उनके लिये सच्चा लोकतंत्र था। जिसमें राजा और रंक के समान अधिकार हों। उनकी दृष्टि में रामराज्य ममता समता का शासन था। सत्य और धर्म उसका आधार था। यद्यपि उनकी दृष्टि में राम-रहीम में कोई भेद नहीं था। बहरहाल, अब जब सदियों के विवाद का पटाक्षेप करके अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य विधिवत संपन्न हो गया है तो देश का ध्यान हमारे सामने मौजूद अन्य विकट चुनौतियों पर हो। यह खुशी की बात है कि देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन हमें अब देश में व्याप्त बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता को दूर करने को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। वहीं अयोध्या में राममंदिर का बनना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि धार्मिक पर्यटन से पूर्वी उत्तर प्रदेश में रोजगार के तमाम नये अवसर मिलेंगे। देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन से आर्थिक लाभ होगा।

देश दुनीया से

मायावती की मजबूरी के बीच अप्रासंगिक हो रही पार्टी, वजह वे कुछ भी बताएं

> गठबंधन उनकी पार्टी की संभावनाओं को कमजोर करेगा और सहयोगियों को फायदा पहुंचाएगा, लेकिन यह बात गले नहीं उतरती और उनकी मजबूरी को ही दर्शाती है। दरअसल, कभी बसपा के गढ़ माने जाने वाले उत्तर प्रदेश में न तो सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और न ही विपक्षी दलों का समूह 'इंडिया' गठबंधन अप्रत्याशित व्यवहार करने वाली बहनजी के साथ गठजोड़ करने के लिए तैयार है; जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्य में उनकी घटती लोकप्रियता से तालमेल नहीं बैठा पा रही है। कुछ दूसरे राज्यों में भी यही कहानी है, जहां बसपा की मौजूदगी तो है, लेकिन उसका प्रभाव तेजी से क्षीण हो रहा है।

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो मायावती ने हाल ही में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की है। वह इसकी वजह बेशक यह बता रही हैं कि चुनाव पूर्व गठबंधन उनकी पार्टी की संभावनाओं को कमजोर करेगा और सहयोगियों को फायदा पहुंचाएगा, लेकिन यह बात गले नहीं उतरती और उनकी मजबूरी को ही दर्शाती है। दरअसल, कभी बसपा के गढ़ माने जाने वाले उत्तर प्रदेश में न तो सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और न ही विपक्षी दलों का समूह 'इंडिया' गठबंधन अप्रत्याशित व्यवहार करने वाली बहनजी के साथ गठजोड़ करने के लिए तैयार है; जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्य में उनकी घटती लोकप्रियता से तालमेल नहीं बैठा पा रही है। कुछ दूसरे राज्यों में भी यही कहानी है, जहां बसपा की मौजूदगी तो है, लेकिन उसका प्रभाव तेजी से क्षीण हो रहा है। फिर भी, संभावित सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के लिए कड़ी सौदेबाजी जारी है। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने, जो इस वक्त लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरी तरह से मजबूत स्थिति में दिख रहा है, बसपा के साथ गठबंधन करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके बजाय, पिछले संसदीय और विधानसभा चुनावों की तरह सत्तारूढ़ दल की रणनीति तो यही है कि ज्यादा से ज्यादा दलित और मुस्लिम वोटों को अपने पक्ष में करने और विपक्ष के एकीकरण की कोशिशों को कमजोर करने में कैसे बसपा का उपयोग किया जाए। 'फूट डालो और राज करो' वाली यह रणनीति हाल के समय में काफी प्रभावी रही है, लेकिन अब दलित व मुस्लिम समुदायों में यह बात तेजी से फैल रही है कि बसपा को वोट देने से अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को फायदा हो सकता है, और यही वजह है कि अब यह रणनीति अपनी शक्ति खो रही है। दरअसल मायावती के समर्थकों के छिटकने की एक मुख्य वजह यह रही है कि अब उन्हें लगने लगा है कि वह शोषित वर्ग की नेता नहीं, बल्कि स्वेच्छा से या मजबूरी में, उत्तर प्रदेश में भाजपा की वोट मशीन की मददगार बन गई हैं। जहां तक 'इंडिया' गठबंधन का सवाल है, कांग्रेस नेतृत्व शुरू से ही बहन जी को उन सभी पार्टियों के संयुक्त मोर्चे में शामिल करना चाहता था, जो भाजपा के खेमे में नहीं थीं। हालांकि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इसका कड़ा विरोध किया था। उन्होंने दरअसल मायावती को लेकर तब से ही कड़ा रुख अपनाया हुआ है, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के तुरंत बाद मायावती ने सपा के साथ बनाए गए अपने राजनीतिक गठबंधन को एकाएक तोड़ दिया था। मायावती द्वारा उठाया गया यह कदम उन्हें तब और भी व्यथित करता है, जब सपा के साथ उनके गठबंधन की वजह से 2014 की तुलना में 2019 में बसपा की सीटें शून्य से दस पर पहुंच गईं, जबकि सपा की सीटें आधी होकर पांच ही रह गईं। अगर कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हाल के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया होता, तो वह अखिलेश को मनाने की स्थिति में होती कि वह मायावती को गठबंधन में शामिल करने पर पुनर्विचार करें। लेकिन राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा से हार के बाद कांग्रेस की सौदेबाजी की ताकत कम हो गई है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में कांग्रेस द्वारा सपा के साथ गठबंधन करने से इन्कार करने से अखिलेश पहले से ही नाराज थे। ऐसे में, स्वाभाविक ही, उन्होंने बसपा के मामले में भी अपने हाथ खींच लिए। हालांकि बसपा के बड़ी संख्या में मुस्लिम सांसदों का बहन जी पर दबाव था कि वह 'इंडिया' के साथ मिलकर चुनाव लड़ें, लेकिन बहन जी की अपनी मजबूरी थी। पहली नजर में यही लगता है कि विपक्षी गठबंधन में बसपा की अनुपस्थिति उत्तर प्रदेश में उसकी संभावनाओं को क्षीण करेगी। दूसरी तरफ, ज्यादातर मुस्लिम समर्थकों और खुद मायावती की उपजाति जाटव सहित दलितों में उन्हें लेकर जिस तरह मोहभंग की प्रवृत्ति दिख रही है, उससे यही लगता है कि उत्तर प्रदेश में बसपा कोई बड़ी राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। अगर बहन जी को विपक्षी गठबंधन में कई दलों के बीच सीटों के बंटवारे की चुनौती में उलझाया जाता, तो यह नामुमकिन नहीं, तो बेहद कठिन चुनौती जरूर होती। हालांकि मायावती का यह दावा भी ठीक नहीं है कि उनकी पार्टी गठबंधन के बजाय अकेले ज्यादा बेहतर चुनाव लड़ती है।

आप का नजरीया

हर मुद्दे में राम

अयोध्या में राम के चरण पूरे देश के भ्रमण में आस्था के कई महाकुंभ और प्रतीकात्मक बिंदुओं पर बदलते अंदाज की कहानी बयां कर रहे हैं। जश्न मनाती टोलियों का हुलिया यह हवाला दे गया कि देश किस दिशा में सोच रहा है। बहता हुआ एक रास्ता मिल गया, हम तो निकले थे तेरे दीदार में। राम के दर्शन का मायावी स्वरूप और जयघोष के उन्मादी रूप में जिंदगी भाग निकली, बाहर निकली। यह जश्न इतिहास को गांव की दहलीज तक और राष्ट्र के विषयों को लगभग खारिज करके सोच रहा है कि धर्म के रास्ते जन्नत की तस्वीर उभर आई है। एक पल के लिए देश के सारे मुद्दे गौण और पीड़ा के सारे कान बंद हैं, सिर्फ शंखनाद है या तिलिस्म जिसने देश को व्यस्त कर दिया। हिमाचल से या हिमाचल की आस्था सोमवार के दिन जमीन मापती हुई दूर निकल गई ताकि खबर हो कि किसने पटका बांधा, किसने लंगर लगाया। वैसे यह अद्भुत छुट्टी थी जिसकी रचना कांग्रेस सरकार ने की। ऐसे में राम किसी एक के नहीं हो सकते, लेकिन इवेंट तो हो सकता है और यह हुआ यूं ही नहीं। पिछले कई दिनों से हिमाचल की गलियां कानाफूसी कर रही थीं। राम के सेवक दौड़ रहे थे, तो घर-घर अक्षत पहुंच कर संदेश दे रहे थे। ऐसे में राष्ट्रीय निमंत्रण पत्रों पर उठे विवाद ने कांग्रेस को कोने पर पहुंचा दिया, लेकिन अगर मुद्दे में राम को देखेंगे, तो कहीं राजीव गांधी व नरसिम्हा राव भी न॰र आएंगे। मुद्दे में राम ने कभी शांता कुमार की सरकार छीन ली थी, तो पालमपुर अधिवेशन में पार्टी ने 'मंदिर अयोध्या में बनाएंगे', का उद्घोष चुना था। इसलिए पालमपुर में शांता कुमार के लिए राम की गाथा में उनकी नीतियों का रामराज्य बोल रहा है। यह वह दौर था जब भाजपा अपने सिद्धांत पर सर्वोपरि थी, भले ही सत्ता रहे या दोबारा न मिले। अब जबकि अयोध्या में राम की राजनीतिक उपासना को अलग करके नहीं देखा जा सकता, भाजपा इस धार्मिक धरोहर और उत्सव की वारिस होने के सारे प्रमाण देश भर में जुटा रही है। कहना न होगा कि जिस तरह समारोह का श्रृंगार हुआ और इसका मंचन नागरिक समाज तक हुआ, उससे जाग्रत भावनाएं उद्घोष कर रही हैं। कल अगर यही उद्घोष चुनावी उद्घोष बन गया, तो वर्तमान सियासी स्थिति में ही उफान आएगा, वरना देश का मूड अब इस फुर्सत में नहीं कि देश की कोई अन्य चर्चा शुरू की जाए। अगर हिमाचल सरकार प्रदेश का एक दिन राम के निमित कर रही है, तो जाहिर है मंदिर की व्याख्या में सुशासन बदल रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के अनुसार पूरा मंत्रिमंडल अयोध्या दर्शन करेगा, जबकि सरकारी बसों ने अयोध्या के रूट चुन लिए हैं। पहली बस सेवा नालागढ़ से शुरू भी हो गई है। इसी रूट पर हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह और सुधीर शर्मा पहले ही रामलला के दरबार में आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। देखना यह होगा कि ये दोनों कांग्रेसी दिग्गज लौटते हुए अयोध्या से क्या पैगाम लाते हैं। कुल मिला कर राम की आराधना में देश और देश की आराधना में राजनीति भी अवतार स्वरूप व्यवहार कर रही है, इसीलिए उद्घाटन दरअसल प्रस्फुटन है देश के भविष्य में सियासत व धर्म के गठजोड़ का। वहां एक हाथ धर्म का है, तो दूसरा राजनीति का। बहरहाल राम मंदिर ने भले ही वर्षों अपने ऊपर विवादों की पपड़ी देखी होगी, लेकिन उल्लास की नगरी बनी अयोध्या अब एक नई शुरुआत है समाज, समाज के व्यवहार, समाज के आचरण में देश और देश के आचरण में समाज को देखने की।

हमास की कमर तोड़ने के लिए अमेरिका ने पांचवें दौर का लगाया प्रतिबंध, वित्तीय नेटवर्कों पर करारी मार

वाशिंगटन।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने आतंकवादी समूह हमास की कमर तोड़ने के लिए कार्रवाई की है। अमेरिका ने हमास के खिलाफ पांचवीं बार प्रतिबंध लगाया है। बता दें, इससे पहले ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने भी हमास पर प्रतिबंध लगाए थे।

एक्स पर ट्वीट कर दी जानकारी

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया, जिसे मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक्स पर पोस्ट किया। बयान में अमेरिका ने कहा कि सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल पर हमला कर युद्ध की शुरुआत की। हमले के बाद से अमेरिका अब तक हमास के वित्तीय एक्सचेंजों के नेटवर्कों, उनके मालिकों और सहयोगियों के खिलाफ चार बार प्रतिबंध लगा चुका है। अमेरिका ने पांचवीं बार हमास के नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने बयान में आगे कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ हमास के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए काम कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा लगाए गए पांचवे दौर के प्रतिबंध के तहत गाजा में हमास से जुड़े वित्तीय विनिमय नेटवर्क, उनके मालिकों और सहयोगियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाए गए हैं।

कई आतंकी समूहों को किया ब्लैकलिस्ट

इसके अलावा, अमेरिका ने इराकी एयरलाइन फ्लाई बगदाद और उसके सीईओ को ब्लैक लिस्ट किया है। इन पर आरोप है कि यह इराक, सीरिया और लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स-क्यूडी फोर्स के साथ-साथ ईरान और मिलिशिया समूहों का समर्थन करते हैं। अमेरिका ने फ्लाई बगदाद के दो इराक पंजीकृत विमानों को भी अवरुद्ध संपत्ति माना है। इसके अलावा, अमेरिका ने कताइब हिजबुल्लाह के तीन नेताओं और समर्थकों के साथ-साथ एक व्यवसाय को भी ब्लैक लिस्ट किया है, जो धन एकत्रित करते हैं। मिलिशिया समूह मध्य पूर्व क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा कर रहे हैं।

ब्रुसेल्स पहुंचे विदेश मंत्री

इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष मार्गारिटिस शिनास, यूरोपीय संघ के आयुक्त ओलिवर वरहेली से मुलाकात की। बता दें, कॉट्ज फिलहाल ब्रुसेल्स की यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका एजेंडा हमास के खिलाफ इजराइल की आत्मरक्षा है। हम अपने नागरिकों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंकाई तमिल नेताओं ने की 13ए संशोधन को लागू करने की मांग, बोले- भारत को दखल देना चाहिए

कोलंबो। श्रीलंका के तमिल नेताओं ने मांग की है कि श्रीलंकाई संविधान के संशोधन 13ए को लागू करवाने के लिए भारत को दखल देना चाहिए।

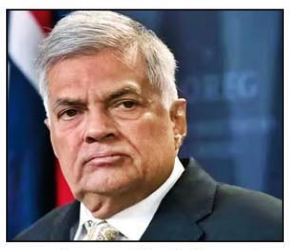

श्रीलंकाई संविधान का संशोधन 13ए अल्पसंख्यक समुदाय को सत्ता की कुछ शक्तियों के हस्तांतरण की बात कहता है। श्रीलंका में तमिल समुदाय के वरिष्ठ नेता आर संपनथान ने श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा से मुलाकात की थी। श्रीलंका में तमिलों के संगठन तमिल नेशनल अलायंस ने यह जानकारी दी। तमिल नेशनल अलायंस ने बताया कि संपनथान और भारतीय उच्चायुक्त के बीच दो घंटे लंबी बातचीत हुई, जिसमें मुख्य तौर पर संशोधन 13ए पर बात हुई। तमिल पार्टियों ने मांग की कि भारत को इस मामले में दखल देना चाहिए। इस बैठक में तमिल राजनीतिक बंदियों और सरकार द्वारा तमिलों की कब्जाई गई भूमि को लेकर बात हुई। भारत द्वारा श्रीलंका पर 13ए संशोधन को लागू करने का दबाव बनाया जा रहा है। साल 1987 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के तत्कालीन राष्टपति जेआर जयवर्धने के बीच इंडो-श्रीलंका समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते के तहत श्रीलंका के संविधान में 13ए संशोधन को शामिल किया गया। इसके तहत श्रीलंका के सभी नौ राज्यों की सरकारों को कुछ शक्तियां देने का प्रावधान किया गया। इनके तहत कृषि और स्वास्थ्य आदि पर श्रीलंका के राज्यों की सरकारें भी फैसला ले सकतीं थी। बीते दिनों मौजूदा राष्टपति रानिल विक्रमासिंघे ने इस संशोधन को लागू करने के लिए तमिल नेताओं के साथ मुलाकात भी की थी। पुलिस को छोड़कर संशोधन के तहत अन्य शक्तियों को राज्यों सरकारों को देने की तैयारी थी। हालांकि ताकतवर बौद्ध संगठनों के आगे सरकार झुक गई। बौद्ध संगठन तमिलों को शक्तियां देने के खिलाफ हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे देश की एकता को खतरा हो सकता है। वहीं लिट्टे के खात्मे के बाद नरमपंथी तमिल नेता श्रीलंका के अधीन रहते हुए ही कुछ शक्तियों के हस्तांतरण की मांग कर रहे हैं। लिट्टे संगठन, जो अलग तमिल राष्ट के लिए लड़ रहा था, उसने 13ए संशोधन को नकार दिया था।

कनाडा सरकार ने की स्टुडेंट वीजा में 35 प्रतिशत की कटौती, भारतीय छात्रों पर पड़ सकता है असर

मॉन्ट्रियल। कनाडा सरकार ने नए छात्र वीजा की घोषणा की है। इससे भारतीय छात्रों पर भी असर पड़ेगा। इसके तहत स्टुडेंट वीजा में 35 प्रतिशत की कटौती की गई है। सूचना के मुताबिक अंतर्राष्टीय छात्रों के प्रभाव को रोकने और संस्थागत कमियों को दूर करने के प्रयास में, आप्रवासन मंत्री मार्क मिलर ने अगले दो वर्षों में दिए जाने वाले छात्र वीजा की संख्या पर एक लिमिट लगाई है। कनाडा की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2024 के लिए, संघीय सरकार का लक्ष्य तीन लाख 60 हजार स्नातक अध्ययन परमिट को मंजूरी देना है, जिससे 2023 से संख्या 35 प्रतिशत कम हो जाएगी। संघीय सरकार के इस फैसले से भारतीय छात्रों पर बड़ा असर पड़ेगा। विशेष रूप से, भारतीय कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा समूह हैं, जिन्हें 2022 में 41 प्रतिशत से अधिक परमिट प्राप्त हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान अनुमान बताता है कि 2023 में तीन लाख से अधिक भारतीय छात्र कनाडा गए। कनाडा में, अब प्रांतों और क्षेत्रों को जनसंख्या के आधार पर कुल परमिट का एक हिस्सा आवंटित किया जाएगा, जिससे उन प्रांतों में बहुत अधिक महत्वपूर्ण कमी आएगी, जहां अंतरराष्ट्रीय छात्र आबादी में सबसे अधिक अस्थिर वृद्धि देखी गई है। वीजा की संख्या का होगा पुनर्मूल्यांकन प्रत्येक क्षेत्र तय करेगा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में परमिट कैसे वितरित किए जाएंगे। यह सीमा दो साल के लिए लागू रहेगी, जिसमें 2025 में जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या का पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। यहां पड़ेगा असर मिलर ने कुछ निजी संस्थानों द्वारा अंतर्राष्टीय छात्रों का लाभ उठाने, कम संसाधन वाले परिसरों का संचालन करने, छात्र समर्थन की कमी, उच्च ट्यूशन फीस वसूलने और अंतर्राष्टीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के बारे में चिंताओं पर जोर दिया। मिलर ने कहा, यह अस्वीकार्य है कि कुछ निजी संस्थानों ने कम संसाधनों वाले परिसरों का संचालन करके, छात्रों के लिए समर्थन की कमी और उच्च ट्यूशन फीस वसूल कर अंतरराष्टीय छात्रों का लाभ उठाया है, जबकि अंतरराष्टीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सीबीसी के अनुसार, सीमा के अलावा, संघीय सरकार को अंतरराष्टीय छात्रों को परमिट के लिए आवेदन करते समय एक प्रांत या क्षेत्र से एक सत्यापन पत्र प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

लागोस में बोले जयशंकर- वैश्वीकरण को हथियार बनाया गया, कुछ लोग दूसरों को अवसर नहीं देना चाहते

लागोस (नाइजीरिया)।

नाइजीरिया के लागोस शहर में नाइजीरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनआईआईए) को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि वैश्वीकरण को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है। मुद्रा, व्यापार और पर्यटन के जरिये इसे धार दिया गया। वैश्वीकरण के सकारात्मक परिणामों को स्वीकार करते हुए भी जयशंकर ने इसके नकारात्मक पक्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने कुछ क्षेत्रों में आर्थिक शक्ति के केंद्रीयकरण पर जोर दिया, जिस पर दुनिया का अधिकांश हिस्सा निर्भर है।

जयशंकर ने कहा, 1945 वाली विश्व व्यवस्था अब भी कायम है। कुछ लोग अपने नियंत्रण को खोना नहीं चाहते। ये लोग दूसरों के लिए अधिक अवसर भी नहीं देना चाहते। जयशंकर ने कहा, जब मैंने वैश्वीकरण के केंद्रीयकरण के बारे में बात की तो उससे एक अलग चुनौती उभर कर सामने आई कि कैसे वैश्वीकरण को ही हथियार बना दिया गया है। आज मुद्रा एक हथियार है, व्यापार एक हथियार है, पर्यटन एक हथियार है। जो प्रमुख खिलाड़ी हैं वे इनके जरिये हावी हो सकते हैं। यह एक चुनौती है, जिसे हम अच्छी तरह से जानते हैं। यह एक विश्व व्यवस्था है, जिसे 1945 में तैयार किया गया था।

उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य उस वक्त आज की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत थे। यह विश्व व्यवस्था अब भी हठपूर्वक जारी है, क्योंकि जो लोग ड्राइविंग सीट पर हैं वे अधिक सीटें नहीं बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक एजेंडा कई मायनों में दुनिया को उसकी प्राकृतिक विविधता को बहाल करने के बारे में है। जयशंकर ने प्राकृतिक विविधता को बहाल करने को सामूहिक उद्देश्य बताया और इस प्रक्रिया में दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

वैश्विक दक्षिण का मतलब मानसिकता, एकजुटता और आत्मनिर्भरता - विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) एक मानसिकता है। यह एक तरह से एकजुटता और आत्मनिर्भरता है। भारत और वैश्विक दक्षिण को संबोधित करते हुए विदेशमंत्री ने कहा, आज का वैश्विक एजेंडा पुनर्संतुलन और बहुध्रुवीयता को बढ़ावा देना है। जिससे दुनिया अपनी कुदरती विविधता को जारी रख सके। जयशंकर ने कहा कि अर्थव्यवस्था के केंद्रीकरण से वर्चस्व की समकालीन चुनौतियां पैदा होती हैं। वैश्विक दक्षिण मानसिकता, एकजुटता और आत्मनिर्भरता के बारे है।

अमेरिका के तीन वर्ष का कैशलेस लेनदेन भारत एक माह में करता है - युगांडा से नाइजीरिया पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अमेरिका जितना कैशलेस लेनदेन तीन वर्ष में करता है, उतना भारत एक माह में करता है। भारतीय समुदाय से चर्चा के दौरान जयशंकर ने कहा, प्रत्येक भारतीय नागरिक का जीवन आसान हो गया है और इसका कारण यह है कि हमने प्रौद्योगिकी को बहुत गहराई से अपनाया है।

अमेरिका-ब्रिटेन ने हूती संगठन के ठिकानों पर फिर की एयरस्ट्राइक, 12 दिनों में आठवां बड़ा हमला

वॉशिंगटन। अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन के हूती संगठन को एक बार फिर निशाना बनाया है। दोनों देशों ने अपनी वायुसेना के जरिए हूतियों के आठ ठिकानों पर एयरस्ट्राइक को अंजाम दिया। अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से जारी बयान के मुताबिक, यह हमले लाल सागर में हूतियों की व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने की क्षमता को पूरी तरह से बर्बाद करने के लिए किया गया है। लाल सागर में हूतियों की तरफ से अलग-अलग देशों के जहाजों पर हमले के बाद अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों की सेना सक्रिय हुई हैं। बीते 12 दिनों में हूतियों को रोकने के लिए यह संगठन पर आठवां हमला था। बताया गया है कि इन हमलों में हूती संगठन के हथियार रखने के कई भूमिगत ठिकाने तबाह हुए हैं। इससे उसकी मिसाइल और ड्रोन क्षमता को भारी नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि लाल सागर में हूतियों के खिलाफ अभियान में अमेरिका, ब्रिटेन के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, कनाडा और नीदरलैंड्स भी मदद मुहैया कराते रहे हैं। इन देशों की ओर से जारी साझा बयान में कहा गया कि हमले सिर्फ हूतियों की क्षमताओं को खत्म करने के लिए किए गए। यमन की आधिकारिक सबा न्यूज एजेंसी ने कहा कि यह हमले यमन की राजधानी सना और देश में कई और जगहों पर हुए। वहीं, हूतियों के टीवी चैनल अल-मसीरा ने कहा कि यमन में अल-दैलामी सैन्य बेस को निशाना बनाया गया।

श्रीलंका में प्रतिबंध के कारण चीनी जासूसी जहाज ने मालदीव का किया रुख, भारतीय सैन्य अधिकारी का खुलासा

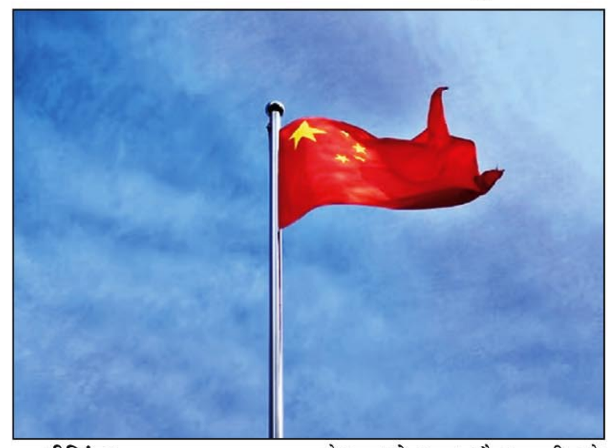

बीजिंग।

श्रीलंका में लगे प्रतिबंद्ध के बाद चीनी जासूसी जहाज ने मालदीव का रुख किया है। यह खुलासा एक भारतीय सैन्य अधिकारी और स्वतंत्र शोधकर्ता के हवाले से किया है। डेमियन साइमन नाम के स्वतंत्र शोधकर्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला, जिसमें उन्होंने लिखा हिंद महासागर क्षेत्र में चीन का जासूसी जहाज शिआंग एंग हांग को देखा गया है। यह मालदीव की ओर बढ़ रहा है। नई दिल्ली के लिए चिंता की बात। अधिकारी के हवाले से न्यूज एंजेंसी ने बताया कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की चीन यात्रा के बाद से इस तरह की गतिविधियों का होना साफ इशारा है कि दोनों देशों के संबंध मजबूत हो रहे हैं। यह निश्चित रूप से नई दिल्ली के लिए चिंता की बात है। क्योंकि भारत ने 2022 में श्रीलंका समेत अपने तटों के पास चीन के जासूसी जहाजों की उपस्थिति पर आपत्ति उठाई थी।

रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में राष्ट्रपति मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए, जिससे सरकार का ध्यान चीन की ओर केंद्रित हो गया। मालदीव ने उनके यहां तैनात करीब 80 भारतीय सैनिकों की वापसी का अनुरोध किया है।

पिछले साल भी चीन के जहाज ने श्रीलंका में किया था डॉक

अली साबरी ने कहा कि हमारे पड़ोस में क्या हो रहा है, कोई भी घटनाक्रम, जिसका हमारी सुरक्षा पर असर पड़ता है, वह जाहिर तौर पर हमारे लिए दिलचस्पी का विषय है। बीते साल भी चीन के जासूसी जहाज युआन वांग-5 ने श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगार पर कई दिनों तक ठहरा था। यह चीन का बैलेस्टिक मिसाइल और सैटेलाइट ट्रैकिंग जहाज था। भारत ने इस पर आपत्ति जताई थी और आशंका जताई थी कि यह भारत के मरीन एसेट्स का सर्विलांस कर सकता है। इस बार भी भारत की ऐसी ही चिंताएं हैं।

भारत-अमेरिका के संबंधों में विकास की अपार संभावनाएं विदाई समारोह में भारतीय समुदाय से बोले तरणजीत संधू

वॉशिंगटन।

अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू जल्द ही भारतीय विदेश सेवा से रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में अमेरिका से लौटने से पहले भारतीय दूतावास में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंधों में अपार संभावनाएं हैं। साथ ही उन्होंने अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय के दोनों देशों के संबंधों में योगदान की भी तारीफ की।

झिझक के इतिहास के आगे बढ़े दोनों देश - भारतीय राजदूत ने कहा जब साल 2016 में हमारे प्रधानमंत्री यहां आए थे तो मुझे याद है कि उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए कहा था कि हम झिझक के इतिहास को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं। इस बात के गहरे अर्थ हैं। यह संबंध (भारत-अमेरिका) मजबूत, विकसित और फले-फूले हैं।

बीते साल भी जब प्रधानमंत्री अमेरिका आए थे तो उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के रिश्तों में अपार संभावनाएं हैं। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों में अनंत सहयोग और तालमेल भी बेहतरीन है। जब मैं इस कमरे में नजरें घुमाकर देखता हूं तो मुझे बहुत से ऐसे लोग दिख रहे हैं, जिन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को मबजूत बनाने में भूमिका निभाई है।

भारत-अमेरिका संबंध पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद - हाल ही में एक अन्य कार्यक्रम में भी भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा था कि भारत और अमेरिका के संबंध ना सिर्फ दोनों देशों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद हैं। भारतीय राजदूत ने अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय से अपील भी की कि वह अपने बच्चों को भारत से जोड़े रखें और उन्हें समय-समय पर भारत भेजें ताकि वह अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

16 कत्ल करने वाले आरोपी को 808 साल की सजा: 14 साल पकड़ नहीं पाई थी पुलिस, हत्या कर शव जला दिए थे

ग्वाटेमाला।

साल 2008 की बात है। एक बस निकारागुआ से ग्वाटेमाला आती है। इसमें सवार होते हैं-14 यात्री, एक ड्राइवर और एक कंडक्टर। ग्वाटेमाला की सीमा पार करते ही बस हाईजैक हो जाती है। ड्रग्स की तस्करी करने वाले अज्ञात लोग बस में चढ़ते हैं। इन्हीं का साथ चढ़ता है इनका सरगना रिगोबर्टो डेनिलो मोरालेस।

रिगोबर्टो एक के बाद एक बस में सवार सभी 16 लोगों को गोली मार देता है। फिर बस को दूसरी जगह ले जाकर सभी शवों को जला देता है। इस घटना के 16 साल बाद, यानी 23 जनवरी 2024 को ग्वाटेमाला की एक कोर्ट ने रिगोबर्टो डेनिलो मोरालेस को 808 साल की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने कहा- हर एक हत्या के लिए रिगोबर्टो को 50 साल की सजा सुनाई है। इसका मतलब यह हुआ की 16 हत्याओं के लिए वो 800 साल जेल में रहेगा। बची 8 साल की सजा क्रिमिनल एक्टिविटीज के लिए दी गई है।

साथियों को भी सजा

2008 में रिगोबर्टो डेनिलो मोरालेस और उसके साथ बस में ड्रग्स की चोरी करने के मकसद से चढ़े थे।मोरालेस को खबर मिली थी की निकारागुआ से ग्वाटेमाला आ रही बस में ड्रग्स है। इसे चुराने के लिए वो अपने साथियों के साथ बस में चढ़ गया था, लेकिन जब बस में ड्रग्स नहीं मिली तो उसने इसमें सवार सभी यात्रियों को गोली मार दी।

16 लोगों की हत्या करने के बाद वो इनके शवों को अपने दोस्त और बिजनेस पार्टनर मार्विन मोंटिएल मारिन के ठिकाने पर ले गया। यहां उसने बस के साथ सभी शवों को जला दिया। कोर्ट ने इस घटना से जुड़े सभी आरोपियों को कड़ी सजा सुनाई है। हालांकि, रिगोबर्टो के अलावा किसी की भी सजा से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

14 साल बाद पुलिस की गिरफ्त में आया मोरालेस

2008 में 16 लोगों की हत्या करने और उनके शवों को जलाने के बाद मोरालेस फरार हो गया। 14 साल तक ग्वाटेमाला पुलिस उसे पकड़ नहीं पाई। 2022 में आखिरकार पुलिस मोरालेस को गिरफ्तार करने में कामयाब हुई। इसी साल उसने खिलाफ कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के दो साल बाद अब उसे सजा सुनाई गई।

अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में ये बात सुनते ही पुलिस समझ जाती थी कि फिर कहीं हत्या हुई है। 1968 से 1974 के बीच एक के बाद एक 37 लोगों के कत्ल हुए, लेकिन पुलिस पहेलियों में फंसी रही। कातिल ऐसा था कि खून करने के बाद पुलिस को फोन करके अपना जुर्म कबूल कर लेता था। वो पुलिस स्टेशन और अखबारों के दफ्तरों में खत भेजता था। इनमें अजीब से कोड बने होते थे। इन्हें समझ पाना मुश्किल होता था।

राम मंदिर को नेपाली विदेश मंत्री ने बताया गर्व पल

कहा- राम-सीता दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक

काठमांडू।

नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद ने अयोध्या में राम मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि भगवान राम और देवी सीता साहस, त्याग, न्याय और धार्मिकता का प्रतीक हैं। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि वे भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव का प्रतीक हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जय श्री राम! माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन और पवित्र प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समापन सनातन धर्म के सभी अनुयायियों के लिए गर्व का क्षण है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम और नेपाल की बेटी माता सीता, वेसाहस, बलिदान, न्याय और धार्मिकता के प्रतीक थे।

अयोध्या की तरह भक्तों ने जनकपुर में भी

मनाया उत्सव - बता दें कि देवी सीता के गृह नगर जनकपुर में भक्तों ने 2.5 लाख तेल के दीपक जलाए। वह प्राचीन शहर जहां देवी सीता के पिता राजा जनक शासन करते थे। उन्होंने कई सप्ताह पहले से ही उत्सव की तैयारी शुरू कर दी थी। दामाद की घर वापसी का जश्न मनाते हुए शहर दीपों और रंग-बिरंगी सजावट से जगमगा रहा है। स्थानीय समूहों ने दीया, पाला, तेल और कपास के लैंप जैसी सभी आवश्यक और संभावित वस्तुओं को इकट्ठा करने के लिए एक अभियान शुरू किया था।

रंगोली से भी की सजावट - इसके अलावा फूलों और सिन्दूर पाउडर का उपयोग करके जय सियाराम लिखी रंगोली भी बनाई गई थी। ड्रोन द्वारा कैप्चर किए गए दृश्यों में, पृष्ठभूमि में जानकी मंदिर और भक्तों से घिरे 2.5 लाख तेल-आधारित दीपक की रोशनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली लग रही थी। सभी दीपकों को जलाने और विहंगम दृष्टि से दिखाई देने वाली चमक तक पहुंचने में लगभग एक घंटे का समय लगा। इससे पहले दिन में, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की स्क्रीनिंग के साथ-साथ प्राचीन शहर में रैलियां और जश्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।समारोह में जनकपुर के मुख्य महंथ छोटे महंथ के साथ शामिल हुए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के नाम पर भेजी फर्जी रिकॉर्डिंग कॉल, मतदाताओं से वोट न देने की अपील

वॉशिंगटन। अमेरिका के राज्य न्यू हैंपशायर में प्राइमरी इलेक्शन के लिए मतदान होना है। मतदान से पहले अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन की आवाज में न्यू हैंपशायर के लोगों के पास एक फर्जी रिकॉर्डिंग कॉल पहुंची है। इस फर्जी कॉल में मतदाताओं से अपील की गई है कि वह प्राइमरी इलेक्शन में मतदान न करें। फर्जी कॉल में कहा गया है कि वह मतदान न करके अपना वोट नवंबर में होने वाले आम चुनाव के लिए बचाकर रखें। इस फर्जी कॉल में कहा गया है कि रिपब्लिकन नेता डेमोक्रेट मतदाताओं को अपने प्राइमरी इलेक्शन में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बेहद निम्न स्तर की राजनीति है। इस फर्जी कॉल में जो बाइडन की एआई जेनरेट आवाज है। बता दें कि रोबोकॉल एक ही समय पर कई लोगों को भेजे जाने वाले रिकॉर्डेड संदेश होते हैं, जिन्हे अक्सर चुनाव के दौरान प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। न्यू हैंपशायर में 23 जनवरी को हो रहे चुनाव में जो बाइडन का नाम बैलेट पेपर में शामिल नहीं होगा। इसकी वजह न्यू हैंपशायर राज्य और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के बीच जारी विवाद है। ऐसे में माना जा रहा है कि जो बाइडन को फंसाने के मकसद से यह फर्जी रिकॉर्डिंग कॉल मतदाताओं के पास भेजी गई। न्यू हैंपशायर कॉकस के लिए मतदान हो रहा है। सर्वे के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप अपनी एकमात्र प्रतिद्वंदी निक्की हेली के मुकाबले आगे चल रहे हैं।

कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने राज्यपाल को लिखा पत्र

यूपी के मजदूरों को इजरायल न भेजने का अनुरोध

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम के निर्देश पर विभाग की स्थानीय इकाई ने मंगलवार को प्रदेश की राज्यपाल आंनदी बेन पटेल को पत्र लिखा। अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को संबोधित पत्र (ज्ञापन) अपर जिला अधिकारी नगर अशोक वर्मा को उनके कार्यालय में जाकर सौंपा। पार्टी ने पत्र के जरिए राज्यपाल से मांग किया कि प्रदेश के 10 हजार मजदूरों को इजराइल न भेजा जाय। यह पूरी कवायद देश के नागरिकों कि जान जोखिम में डालना होगा। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव हसन मेहंदी कब्बन ने कहा कि युद्ध ग्रस्त इजराइल सरकार ने अपने देश में निर्माण कार्य के लिए भारत के मजदूरों की मांग की है। जिस पर उत्तर प्रदेश सरकार ने 10 हजार मजदूरों को इजराइल भेजने का लक्ष्य रखा है। यह पूरी कवायद अपने देश के नागरिकों की जान जोखिम में डालने जैसा है। महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद डोडे ने कहा कि इजराइल में अभी भी युद्ध चल रहा है। यह एक व्यापक दीर्घकालिक युद्ध बनता जा रहा है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरु ने भारत एक खोज में कहा था कि भारत माता कोई और नहीं इस देश की अवाम है। उन्होंने बताया कि पत्र के माध्यम से राज्यपाल से इस प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की गई है। प्रतिनिधि मंडल में अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुनीर सिद्दीकी, लक्ष्मेश्वर नाथ शर्मा, तहसीन खान, जमशेद आलम, रईस अहमद, हसीन अख्तर आदि भी शामिल रहे।

बिहार की सियासत गरमाई राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री नीतीश

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ मुलाकात की। राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच वार्तालाप हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में पहुंचे थे। समारोह में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। राजकीय समारोह के खत्म होने के बाद वहीं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिना डिप्टी सीएम तेजस्वी को साथ लिए अपने करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ राजभवन पहुंच गए। राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी रुके रहे। राज्यपाल से दोनों नेताओं की बंद कमरे में बातचीत हुई है। नीतीश कुमार के राजभवन पहुंचने के बाद बिहार की सियासत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, दोनों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। एक दिन पहले ही ऐसी जानकारी सामने आई थी कि नीतीश कुमार 29 जनवरी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे। राहुल गांधी फिलहाल असम में हैं। उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। किशनगंज के रास्ते यह यात्रा 30 जनवरी को पूर्णिया पहुंचेगी। नीतीश कुमार पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करेंगे। हालांकि, इस बात की पुष्टि जदयू की ओर से नहीं की गई है।

भगवान राम को काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस अब देश को स्वीकार नहीं : नायब सैनी

जींद (हिंस)। भाजपा जिला कार्यालय में मंगलवार को प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर को लेकर सदा राजनीति करती आई है। अयोध्या में राम मंदिर ना बन सके इसके लिए कांग्रेस ने बड़े-बड़े वकील खड़े किए। भगवान राम को काल्पनिक बताने वाली भी कांग्रेस है। भगवान राम 140 करोड़ लोगों की आस्था का केंद्र है और दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस आस्था के साथ भी राजनीति कर रही है। वे यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में कही। एक सवाल का जवाब देते हुए प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि एक मंच पर जो इकट्ठे नहीं बैठ सकते वह कांग्रेस के नेता प्रदेश को एकजुट कैसे रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दो धड़ों में बंटी हुई पार्टी है। जब-जब भी कांग्रेस की सरकार आती है तेजी से भ्रष्टाचार बढ़ता है। कांग्रेस कुर्सी के लिए झूठ बोल कर जनता को भ्रमित करने में लगी हुई है। सैनी ने कहा कि कांग्रेस को आम जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। चुनाव 2024 पर पूछे गए सवाल पर सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरित होकर देश की सेवा कर रहे हैं। देश और प्रदेश की जनता प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पसंद करती है। 500 वर्षों के बाद भारत की जनता का सपना पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य और दिव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 मोदी सरकार ने खत्म की है। हमारे लिए गौरव की बात है कि भगवान राम के जीवन से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री मोदी देश को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। देश की जनता भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहती है। सैनी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल योजनाबद्ध तरीके से हरियाणा का विकास कर रहे हैं। प्रदेश की जनता मनोहर सरकार की नीतियों से प्रभावित है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल शासन किया, झूठी घोषणाओं के जरिए मतदाताओं को ठगा है। कांग्रेस ने किसानों का कभी हित नहीं सोचा। फसल खराब होने पर कांग्रेस सरकार में दो रुपए से पांच रुपए के चेक मिलते थे। नायब सैनी ने कहा कि मोदी-मनोहर सरकार किसान हितैषी सरकार है। मोदी-मनोहर सरकार ने किसानों के हितों के लिए अनेकों योजनाएं बनाई जिससे किसान समृद्ध हो रहे हैं।

यूपी की अर्थ-व्यवस्था के लिए सुपर बूस्टअप साबित हो सकता है राम मंदिर

अयोध्या (हिंस)। अयोध्या धाम में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य सोमवार को हो चुका है। मंगलवार से राम भक्तों को श्रीरामलला के दर्शन भी मिलने लगे हैं। हजारों की संख्या में इस ऐतिहासिक उत्सव में भाग लेने पहुंचे श्रद्धालु जय श्रीराम और सीताराम का नारा लगाते हुए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धा की दृष्टि से यह ऐतिहासिक अवसर रहा, साथ ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए भी यह बड़ा अवसर बनने जा रहा है। कई देशी और विदेशी रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अयोध्या आने वाले समय में न सिर्फ श्रद्धालुओं की संख्या में रिकॉर्डतोड़ वृद्धि दर्ज करने जा रहा है, बल्कि प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई प्रदान करने वाला है। मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह व्यापक विकास के जरिए अयोध्या धाम की तस्वीर बदली है, उसी तरह आने वाले समय में अयोध्या धाम उत्तर प्रदेश और देश की तकदीर बदल सकता है। पूरी संभावना है कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री योगी के संकल्प को पूरा करने में अयोध्या धाम एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। मंदिर निर्माण से जुड़ी रही कंपनी लार्सन एंड टूब्रो ने दावा किया है कि नवनिर्मित राम मंदिर अगले एक हजार साल तक बना रहेगा। इसकी इंजीनियरिंग ऐसा किया गया है कि यह एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक डैमेज नहीं हो सकता। जाहिर है इसका इकॉनमिक इम्पैक्ट भी बड़ा होने वाला है। हाल ही में एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि राम मंदिर और अन्य टूरिज्म सेंट्रिक इनीशिएटिव्स के कारण उत्तर प्रदेश को 2024-25 में 25 हजार करोड़ रुपए का टैक्स कलेक्शन होने की उम्मीद है। इसमें अयोध्या सबसे अहम फैक्टर होगा। राम मंदिर बनने के बाद न सिर्फ उत्तर प्रदेश और देश के अंदर बल्कि दुनिया के कई हिस्सों से श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जो यहां टूरिज्म को लेकर एक बड़ा बूस्ट साबित होगा। दावा किया जा रहा है कि टूरिज्म में होने वाली वृद्धि से उत्तर प्रदेश इस वर्ष करीब 4 लाख करोड़ रुपए और अमीर हो जाएगा। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद सिर्फ देश में नहीं बल्कि विदेशों में भी मेगा इकॉनमिक ऑब्जर्वेशन की जा रही है। स्टॉक मार्केट रिसर्च फर्म जेफरीज का दावा है कि अयोध्या धाम श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में वेटिकन सिटी और मक्का को भी पीछे छोड़ देगा। वेटिकन सिटी कैथोलिक का सबसे पवित्र स्थान है, जहां हर साल लाखों लोग आते हैं। इसी तरह सऊदी अरब का मक्का, जो मुस्लिम समुदाय के लोगों की आस्था का सबसे प्रमुख स्थान है। यहां भी लाखों लोग हर साल विजिट करते हैं। ये दोनों स्थान कई वर्षों से श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में सबसे आगे रहे हैं और यहां प्रति वर्ष करीब 3 करोड़ श्रद्धालु पहुंचते हैं। दावा है कि राम मंदिर की वजह से अयोध्या धाम इन दोनों को पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट के अनुसार राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या टूरिज्म का एक बड़ा हॉट स्पॉट बनने जा रहा है और यहां एक वर्ष के अंदर 5 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है। जेफरीज ने ये भी कहा है कि हजारों करोड़ खर्च करके अयोध्या धाम में निर्मित नए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, टाउनशिप और रोड कनेक्टिविटी के साथ ही नए होटल्स के निर्माण से यहां का परिदृश्य बदल चुका है। इससे उत्तर प्रदेश का भारत के मानचित्र पर एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में दूसरा स्थान और मजबूत होगा। रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ-साथ अयोध्या धाम की वार्षिक आय मं भी वृद्धि होगी। अभी देश में आंध्र प्रदेश में स्थित तिरुपति बालाजी से राज्य को 1200 करोड़ रुपए की आय होती है। तिरुपति बालाजी में हर वर्ष 2.5 करोड़ श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी तरह वैष्णो देवी में प्रतिवर्ष 80 लाख लोग जाते हैं, जहां से वहां 500 करोड़ रुपए का टूरिज्म बूस्ट मिलता है। वहीं आगरा ताज महल में 70 लाख लोगों के पहुंचने से 100 करोड़ तो आगरा फोर्ट में 30 लाख लोगों के माध्यम से 27.5 करोड़ रुपए की वार्षिक आय होती है। वेटिकन सिटी और मक्का की बात करें तो मक्का में प्रति वर्ष 2 करोड़ लोग आते हैं, जिससे सऊदी अरब को 12 बिलियन डॉलर की वार्षिक आय होती है, जबकि वेटिकन सिटी में 90 लाख लोग प्रतिवर्ष आते हैं जिनसे 315 मिलियन डॉलर की वार्षिक आय होती है। प्रवक्ता बताते हैं कि एक अन्य अनुमान के अनुसार प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। यह संख्या जल्द ही 3 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो प्रतिवर्ष 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। अयोध्या पहुंचा प्रत्येक श्रद्धालु यदि 2500 रुपए भी खर्च करता है तो केवल अयोध्या की स्थानीय अर्थव्यवस्था में 25000 करोड़ रुपए शामिल होंगे। यह श्रद्धालु अयोध्या जाते हुए वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर एवं मथुरा में बांके बिहारी मंदिर आदि में भी दर्शन के लिए अवश्य जाएंगे। इस प्रकार, वाराणसी एवं मथुरा की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

गणतंत्र दिवस से पहले कश्मीर में सुरक्षा कड़ी

श्रीनगर (हिंस)। गणतंत्र दिवस को देखते हुए शांतिपूर्ण समारोह संपन्न कराने के लिए घाटी में सुरक्षा व्यवस्था क ?ी कर दी गई है। यह जानकारी मंगलवार को एक अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि शहर और अन्य जिला मुख्यालयों पर पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में विभिन्न स्थानों पर खासकर शहर और अन्य जिलों के प्रवेश बिंदुओं पर जांच चौकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल असामाजिकतत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वाहनों की औचक जांच कर रहे हैं और लोगों की तलाशी ले रहे हैं, जबकि मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह जम्मू में होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे। घाटी में सबसे बड़ा समारोह श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में आयोजित होगा। इसी तरह के समारोह जिला मुख्यालयों पर भी आयोजित किये जायेंगे। अधिकारी ने बताया कि यहां बख्शी स्टेडियम सहित घाटी में गणतंत्र दिवस समारोह स्थलों के आसपास सुरक्षा बड़ा दी गई है और आयोजन स्थलों के आसपास एक बहु-स्तरीय सुरक्षा तंत्र लगाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने और शांति भंग करने की इजाजत नहीं देने को कहा गया है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर वीके ब्रिदी ने बताया कि व्यवस्था बनाने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जोगबनी से खुलने वाली नेपाली टैक्सी से लाखों के नेत्र लेंस बरामद

अररिया (हिंस)। भारतीय क्षेत्र जोगबनी रेलवे स्टेशन से खुलने वाली नेपाल नंबर के टैक्सी सवारी ढोने के नाम पर किस तरह तस्करी के कार्यों को अंजाम देती है। इसका खुलासा एकबार फिर हुआ। नेपाल पुलिस ने भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले टैक्सी से आठ कार्टन नेत्र लेंस बरामद किया। जिसकी कीमत लाखों में बताई जाती है। मंगलवार को जोगबनी रेलवे स्टेशन से चितपुर जोगबनी ट्रेन के आगमन के बाद खुली नेपाली नंबर के मारुति वैन संख्या को1च-7447 के सीट के नीचे रख कर भारत से नेपाल के आंख अस्पताल के लिए तस्करी कर ले जा रहे आठ कार्टन लेंस को नेपाल पुलिस ने बरामद किया। जब्त किए गए लेंस की कीमत लाखों मे बतायी जाती है। नेपाल टैक्सी से बरामद लेंस के बाद यह साफ है कि नेपाल से जोगबनी सवारी लेने के लिए दर्जनों की संख्या मे नेपाली नंबर की मारुति वैन किस तरह से सवारी के साथ ही सीमा सुरक्षा मे सेंध लगाते हुए तस्करी के कार्य को भी बखूबी अंजाम दे रहे है। नेपाली नंबर के वैन जिस वक्त ट्रेन आती है उस वक्त जहां सीमा सुरक्षा मे लगे जवान को चेकिंग मे परेशानी तो होती ही है। वही नेपाली नबर के वैन के कारण सीमा पर घंटो जाम लगा रहता है। इस दौरान पोकेटमार भीड़ का फायदा उठाते हुए कई का मोबाइल से लेकर पर्स पर हाथ साफ कर देते हैं। नेपाल से रोजाना दर्जनों के संख्या मे आने वाले मारुति वैन से कई बार सोना, चांदी के तस्करी से लेकर मानव कंकाल व मानव तस्करी का मामला सामने आता रहा है।

हरियाणा में आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से सरकार घबराई : जगबीर हुड्डा

रोहतक (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सह सचिव जगबीर हुड्डा ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार धर्म व जात-पात के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है। हरियाणा विकास के मामले में पूरी तरह से पिछड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित में प्रदेश सरकार ने एक काम नहीं किया है, जबकि दिल्ली व पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने जनता से किए अपने सभी वायदे पूरे किए और इसी के चलते हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी के प्रति लोगों का गजब का उत्साह है, जिसके चलते गठबंधन सरकार घबरा गई है। यह बात उन्होंने जिले के गांव मकडौली कलां में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने दावा किया कि 28 जनवरी को जींद में आम आदमी पार्टी की महाबदलाव समारोह के बाद प्रदेश में गठबंधन सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 57 साल हरियाणा को बने हुए हो चुके हैं। 25 साल कांग्रेस की की सरकार रही थी। न स्कूल अच्छे हुए न बिजली मिला और न ही पानी मिला। वहीं साढ़े 9 साल बीजेपी की सरकार को हो गए इसमें भी वही हाल है। आम जनता को कोई फायदा नहीं पहुंचा। विकास के मामले में हरियाणा लगातार पिछड़ता जा रहा है। जगबीर हुड्डा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार जहां है वहां लोगों को बिजली भी मुफ्त, सरकारी स्कूलों को भी प्राइवेट स्कूलों से भी बढ़िया बनाया गया और सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि विपक्ष कमजोर होने के चलते भाजपा सरकार तानाशाही रवैया अपनाएं हुए है। अपने हकों की आवाज उठाने वालो पर सरकार दमनकारी नीतियां अपना रही है। जगबीर हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की जनता बेसब्री से चुनाव का इंतजार कर रही है, ताकि इस गठबंधन सरकार को सत्ता से बाहर किया जाए। उन्होंने दावा किया कि 2024 में पूर्ण बहुमत के साथ आम आदमी पार्टी प्रदेश में सरकार बनाएगी और लोगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी।

अयोध्या में तीन लाख भक्तों ने रामलला के किए दिव्य दर्शन

अयोध्या (हिंस)। श्रीराम जन्मभूमि पर 22 जनवरी को दोपहर के समय रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही साढ़े पांच सौ साल का इंतजार खत्म हुआ तो देश और दुनिया भर में फैले श्रद्धालु अपने आराध्य का दीदार करना चाह रहे हैं। राम भक्तों की कतार नहीं लग पा रही, हुजूम उमड़ पड़ा है। भक्तों के सैलाब को संभालने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद समेत अन्य अधिकारी अयोध्या में ही डटे हुए हैं। प्रशासन के मुताबिक 23 जनवरी को अपराह्न तीन बजे तक लगभग तीन लाख श्रद्धालु रामलाल के दर्शन कर लिए हैं। स्थानीय प्रशासन का अनुमान है कि 23 जनवरी को 20 लाख श्रद्धालु रामलला के दरबार में पहुंच सकते हैं। ऐसा हुआ तो एक बार फिर अयोध्या विश्व रिकार्ड बनाएगी। ब्रह्मांड के ब्रह्म शक्ति प्रभु श्रीराम की झलक पाने को बेताब श्रद्धालुओं का जोश आस्था की डगर पर अलौकिक छटा बिखेर रही थी। रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले मुख्य यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया था कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी घर पर ही श्रीराम ज्योति जलाएं और दीपोत्सव मनाएं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी से सबको रामलला का दिव्य दर्शन मिलेगा। ऐसे में सभी को बेसब्री से 23 जनवरी का इंतजार था। सूर्योदय से पहले ही श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन को राम दरबार में कतारबद्ध थे। रामलला का दरबार खुलने पर जय श्रीराम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। दिन चढ़ते-चढ़ते भीड़ इस कदर बढ़ी कि पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूलने लगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद अयोध्या पर नजर बनाए हुए हैं। स्थितियों को देखते हुए उन्होंने शासन के अधिकारियों को मौके पर रहकर स्थिति को संभालने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ आला अफसर भी मंदिर प्रांगण में मौजूद हैं।

माहेश्वरी समाज ने किया कारसेवकों का सम्मान

उदयपुर (हिंस)। अयोध्या में सोमवार को श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर उदयपुर में माहेश्वरी समाज की ओर से भी दिन भर विविध आयोजन रखे गए। समाज के धानमंडी स्थित भगवान श्रीजानकीरायजी मंदिर में छप्पन भोग का मनोरथ हुआ, शोभायात्रा निकाली गई, रंगोली सजाई गई और कारसेवकों का सम्मान किया गया। इस दौरान समाज के महिला संगठन की ओर से भजन-कीर्तन किए गए और समाज के महेश घोष दल द्वारा घोष वादन किया गया। माहेश्वरी पंचायत धानमंडी के अध्यक्ष जमनेश धुप्पड़ ने बताया कि दोपहर में प्राण प्रतिष्ठा के समय अभिजीत मुहूर्त में धानमंडी हनुमान चौक में स्थित भगवान जानकीराय मंदिर में विशेष आरती हुई। भजन-कीर्तन हुए और महेश घोष दल ने घोष वादन किया। विशेष आरती के पश्चात आतिशबाजी की गई और प्रसाद बांटा गया। इसके बाद, कार्यक्रम का दूसरा चरण शाम पांच बजे शुरू हुआ। माहेश्वरी सेवा सदन तीज का चौक में समाज की महिलाओं ने रंगोली बनाई। सांध्यवेला में भगवान जानकीराय को संध्या आरती के बाद शोभायात्रा के साथ मंदिर से शोभायात्रा के रूप में हनुमान चौक, बड़लेश्वर महादेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर होते हुए तीज का चौक स्थित माहेश्वरी सेवा सदन में लाया गया। शोभायात्रा में आगे समाज का महेश घोष दल घोष वादन करते हुए चला। इसके बाद श्रीराम लक्ष्मण जानकी और हनुमानजी की झांकी रही। इसके बाद समाज के युवा रजत पालकी में बिराजमान ठाकुरजी को लेकर जयकारे लगाते चले। मार्ग के आए मंदिरों के समक्ष शोभायात्रा ठहरती हुई चली। महेश घोष दल की ओर से मंदिरों के समक्ष कुछ देर वादन किया गया। शोभायात्रा के माहेश्वरी सेवा सदन पहुंचने पर महाआरती हुई और आतिशबाजी की गई। धुप्पड़ ने बताया कि माहेश्वरी महिला संगठन, माहेश्वरी युवा संगठन सहित समाज की विविध इकाइयों के सहयोग से संयुक्त रूप से हुए इस आयोजन में समाज के कारसेवकों राधिका लड्ढा, चंद्रप्रकाश चेचानी, गजेन्द्र ईनाणी, विष्णु आगाल, पवन बालदी, डॉ. कैलाश सोडाणी, सुशील मूंदड़ा, मदनलाल मुंदड़ा का सम्मान किया गया। दिवंगत हो चुके कारसेवक स्व. किरण माहेश्वरी, स्व. डॉ. शिवप्रसाद गट्टानी, स्व. सुनील काबरा को भी याद किया गया। उपस्थित कारसेवकों ने अपने संक्षिप्त संस्मरण भी सुनाए। इसी दौरान कारसेवा के दौरान बलिदान हुए माहेश्वरी समाज के राम कोठारी, शरद कोठारी और अविनाश माहेश्वरी को भी पुष्पांजलि अर्पित की गई।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से कांपते थे अंग्रेज : बजरंग गर्ग

हिसार (हिंस)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से कांग्रेस भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों ने सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व जिला कन्वीनर बजरंग गर्ग ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिससे अंग्रेज कांपते थे। उनके सकारात्मक संदेश आपके मुश्किल से मुश्किल दौर में हौसला बढ़ाते हैं। नेताजी ने देश की आजादी के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना करके तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया था। नेताजी के आह्वान पर हजारों भारतीय आजादी की लड़ाई में कूद पड़े, जिसके कारण स्वतंत्रता संग्राम में नई जान आई। नेताजी के दिल में राष्ट्र सेवा करने के साथ-साथ त्याग एवं बलिदान के आधार देश को आजाद करने की बड़ी इच्छा रखते थे। नेताजी द्वारा देश की आजादी के लिए अभूतपूर्व योगदान को देश हमेशा ही उन्हें याद रखेगा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्मदिन 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पीएम विश्वकर्मा योजना पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रांची (हिंस)। केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) विकास कार्यालय रांची की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला मंगलवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची के सांसद संजय सेठ ने होटल मैपलवुड में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर मुख्य अतिथि संजय सेठ ने कहा कि भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना विश्वकर्मा जयंती 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री ने लांच किया। इसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को आर्थिक सहायता एवं उन्नत उपकरण प्रदान करते हुए उनके व्यवसाय में बढ़ोतरी कराना है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी हितधारकों से अपने स्तर के कार्य से संबंधित कार्यकलापों को अच्छी तरह से समझने के लिए इस कार्यशाला का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए सभी को मिलकर एकसाथ प्रयास करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम के संयोजक सह सहायक निदेशक सुरेन्द्र शर्मा ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। एमएसएमई-विकास कार्यालय के संयुक्त निदेशक और कार्यालय प्रमुख इंद्रजीत यादव ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत हो रहे आवेदन पंजीकरण प्रक्रिया, विभिन्न स्तर पर सत्यापित करने की प्रक्रिया एवं इसमें आ रही समस्याओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा करना है ताकि इस योजना का क्रियान्वयन झारखंड राज्य में सुचारू रूप से किया जा सके। विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शशि रंजन ने कहा कि इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे ज्यादा से ज्यादा विश्वकर्माओं को इस योजना का लाभ दिलवाया जा सके।

देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मनी 127वीं जयंती

बेतिया (हिंस)। महान स्वतंत्रता सेनानी सह आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वीं जयंती पर मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सत्याग्रह भवन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. एजाज अहमद, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ. अमानुल हक, डॉ. शहनवाज अली, डॉ. अमित कुमार लोहिया ने संयुक्त रूप से छात्र छात्राओं को स्वच्छ बेतिया एवं सुंदर बेतिया का संकल्प दिलाते हुए कहां कि मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं चंपारण की जनता की ओर से यह एक छोटा सा प्रयास है ताकि राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में चंपारण के स्वतंत्रता सेनानियों एवं अपने पुरखों के योगदान को नई पीढ़ी जान सके. इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनो व मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान में 2 मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डॉ. एजाज अहमद अधिवक्ता एवं शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं शहीदों को पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर गणमान्य लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सुभाष चंद्र बोस आजाद हिंद फौज के अमर शहीदों एवं नायको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ. एजाज अहमद अधिवक्ता कहा कि आज से लगभग 85 वर्ष पूर्व सुभाष चंद्र बोस ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में जान डालते हुए आम जनमानस से आह्वान करते हुए कहा था कि तुम मुझे खून दो, मैं तुझे आजादी दूंगा. राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन को और भी धारदार बनाने और कई महत्वपूर्ण अवसरों पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पश्चिम चंपारण का दौरा किया था. पहली बार 26 अगस्त 1939 ई. को मुजफ्फरपुर तिलक मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करने के बाद बेतिया पश्चिम चंपारण की ओर रुख किया था। शाम में बेतिया जॉर्ज एडवर्ड सप्तम मेमोरियलअस्पताल (वर्तमान गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल) के समीप अपने बचपन के मित्र अरविंद मुखर्जी के घर ठहरे एवं रात्रि विश्राम किया। सुबह सवेरे विपिन मध्य विद्यालय, मीना बाजार चौक, छोटा रमना एवं सोवा बाबू चौक पर हजारों लोगों को संबोधित किया था। दूसरी बार पुन: 06फरवरी 1940 को मुजफ्फरपुर होते हुए बेतिया पहुंचे एवं पुन: अपने बचपन के मित्र अरविंद मुखर्जी के घर ठहरे। मीना बाजार एवं छोटा रमला के मैदान में हजारों लोगों ने राष्ट्रीय आंदोलन के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

उत्तराखंड में कागज और लुगदी परियोजना में आईटीसी का बड़ा निवेश संभव

ITC Limited

नई दिल्ली।
हाल ही में देहरादून में आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आईटीसी, अदानी ग्रुप, जेएसडब्ल्यू, पतंजलि और एम्मार इंडिया जैसी प्रमुख कंपनियों ने रणनीतिक निवेश प्रस्तावों की घोषणा की। इसके अनुरूप, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के शीर्ष व्यापारिक समूहों में से एक आईटीसी से उत्तराखंड में निवेश के अवसर तलाशने का आग्रह किया था। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तराखंड को कागज एवं लुगदी प्रोजेक्ट के लिए तेलंगाना से प्रतिस्पर्धा मिल सकती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कथित तौर पर आईटीसी को संघर्षरत कमलापुरम पल्प मिल, जो वर्तमान में बल्लारपुर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के स्वामित्व में है, का अधिग्रहण कर उत्तराखंड की बजाय तेलंगाना में निवेश करने के लिए लुभा रहे हैं। तेलंगाना सरकार भी कथित तौर पर बल्लारपुर मिल को पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यवहार्य परियोजना सुनिश्चित करने के लिए एक बेहद आकर्षक पैकेज की पेशकश कर रही है क्योंकि नवनिर्वाचित सरकार तेलंगाना में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना चाहती है। आईटीसी के अधिकारी स्थिति के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं और उन्होंने परियोजना से संबंधित कोई जानकारी साझा नहीं की है। आईटीसी का प्रस्ताव मुख्य सचिव कार्यालय और राज्य अवसंरचना और औद्योगिक विकास निगम उत्तराखंड लिमिटेड के पास पहुंच गया है। दोनों पक्षों के अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है. संबंधित अधिकारी परियोजना की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से इसकी व्यवहार्यता का मूल्यांकन कर रहे हैं। आईटीसी इस सेगमेंट में देश की अग्रणी कंपनी है। इसकी भद्राचलम फैक्ट्री आज देश का सबसे बड़ा एकीकृत लुगदी एवं कागज संयंत्र है। इसने 1979 में 0.4 लाख मीट्रिक टन (एमटी) प्रति वर्ष की क्षमता के साथ परिचालन शुरू किया और आज प्रति वर्ष आठ लाख मीट्रिक टन कागज और पेपरबोर्ड और छह लाख मीट्रिक टन लुगदी का निर्माण करता है। यह संयंत्र प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से छह हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा क्षेत्र में 25 सहायक एमएसएमई/ट्रांसपोर्टरों के माध्यम से लगभग पाँच हजार लोगों की आजीविका भी इस मिल पर निर्भर है।

न्यूज़ ब्रीफ

बायजूस का 2022 में घाटा बढ़कर 8,245 करोड़ पहुंचा: 2021 में घाटा 4,564 करोड़ रुपए था, लेकिन रेवेन्यू में 118 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली। एड-टेक कंपनी बायजूस को वित्त वर्ष 2022 में 8,245 करोड़ का घाटा हुआ है। वित्त वर्ष 2021 में घाटा 4,564 करोड़ रुपए था। यानी कंपनी का घाटा करीब-करीब दोगुना हो गया है। इस दौरान कंपनी का टोटल रेवेन्यू 5,298 करोड़ रहा। 2021 में रेवेन्यू 2,428 करोड़ रुपए था। यानी रेवेन्यू में 118 प्रतिशत का उछाल आया है। बायजूस की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न ने कंपनी रजिस्ट्रार के पास अपनी ऑडिटेड फाइनेंशियल रिपोर्ट दाखिल की है। घाटे का लगभग आधा हिस्सा (लगभग 3,800 करोड़ रुपए) व्हाइटहैट जूनियर और ओस्मो जैसी कंपनियों के कारण है। कंपनी की ओर से किए गए ये दो प्रमुख अधिग्रहण हैं। सीएफओ नितिन गोलानी बोले- हमारी कुल आय 2.2 गुना बढ़ गई बायजूस के सीएफओ नितिन गोलानी ने कहा- हम खुश हैं कि हमारी कुल आय 2.2 गुना बढ़ गई है, हम व्हाइटहैट जूनियर और ओस्मो जैसे हमारे खराब प्रदर्शन वाले व्यवसायों के बारे में भी जानते हैं। हमने अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए कई उपाय किए हैं। में वैल्यूएशन 22 बिलियन डॉलर था, अब 2 बिलियन डॉलर टेक क्रंच की एक रिपोर्ट के अनुसार बायूजस नई फंडिंग के लिए अपने वैल्यूएशन को 2 बिलियन डॉलर से कम करने को तैयार है। एक साल पहले यानी 2022 में इसकी वैल्यूएशन 22 बिलियन डॉलर था। यानी कंपनी का वैल्यूएशन 90 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुका है। 3 बड़ी चीजें जो बायजूस के साथ बीते दिनों हुई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई शुरू की। बायजूस पर 158 करोड़ के पेमेंट में चूक का आरोप है। 9,000 करोड़ से अधिक के फेमा उल्लंघन मामले में नोटिस भेजा। फॉरेन करेंसी फ्लो को लेकर 1999 में फेमा बना था। गुरुग्राम ऑफिस का रेंट पेमेंट न करने पर कर्मचारियों को प्रॉपर्टी मालिक ने बाहर कर दिया। उनके लैपटॉप जब्त कर लिए। एडटेक महासागर में सबसे बड़ा जहाज था, कर्ज लेने से हालत बिगड़ी बायजूस एडटेक महासागर में सबसे बड़ा जहाज था। 2019 में कोरोना महामारी के दौरान इसने कॉम्पिटिटर, सक्सेसफुल या अनसक्सेसफुल कंपनियों को खरीदा। इससे बायजू को न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में शिक्षा में बदलाव लाने वाले के रूप में देखा गया था। बिजनेस को व्यवस्थित रखने और ग्रोथ के लिए, इसे बड़े पैमाने पर फंड की जरूरत थी। लेकिन जब फाउंडर बायजू रवीन्द्रन ने कंपनी बिल्ड करने के लिए 1.2 बिलियन डॉलर का कर्ज लेने का फैसला किया, तो उनके विशाल जहाज के पतवार में एक छेद हो गया। रवीन्द्रन और उनकी कंपनी ने छेद को बंद करने के लिए जो भी फैसला लिया, उसने इसे और बड़ा बना दिया। इससे जहाज में ज्यादा पानी जमा होने लगा। कोरोना महामारी के कम होने के कारण छात्रों का स्कूल लौटना पहले से ही बड़े पैमाने पर सिरदर्द था। उसी समय अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें बढ़ाना शुरू की, जिसने बाजार से अतिरिक्त तरलता खींच ली। इससे कर्ज लेना महंगा और मुश्किल हो गया। इसके अलावा, बायजू की एसोसिएट कंपनियों को लेकर निगेटिव सेंटीमेंट ने भी रवीन्द्रन की मुश्किलें बढ़ा दी।

ग्रो एप में तकनीकी दिक्कत से परेशान रहे ग्राहक, सोशल मीडिया पर जाहिर की नाराजगी

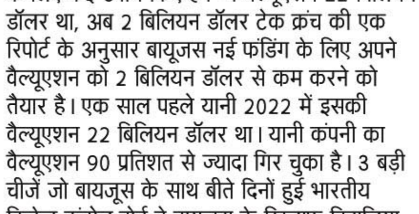

नई दिल्ली । मंगलवार की सुबह शेयर बाजार खुलने के बाद ग्रो ऐप के उपयोगकर्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ग्रो यूजर्स ने तकनीकी परेशानियों के बारे में बताया। कई उपयोगकर्ताओं ने बताया कि उन्हें एप पर लॉगइन करने नहीं दिया जा रहा। अनुराग शर्मा नामक के एक यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि ग्रो के सर्वर डाउन हैं। मैं लॉगइन नहीं कर पा रहा, क्या किसी और को भी परेशानी हो रही है अमर सिंह नामक यूजर ने भी परेशानी की जानकारी दी और लिखा, ग्रो एप काम नहीं कर रहा। मैं लॉगइन नहीं कर पा रहा। इससे पता चलता है कि कुछ गड़बड़ है। मयंक लखेरा नाम के एक यूजर ने लिखा, ग्रो की ओर से बहुत ही घटिया सेवा दी जा रही है। मैं अपना सेल ऑर्डर पूरा नहीं कर पा रहा। सुबह 10 बजे से कोशिश कर रहा हूं। जब भी मैं ऑर्डर प्लेस करने की कोशिश कर रहा है, यह रद्द हो जा रहा है। जहां कुछ ग्रो यूजर्स ने लॉगइन ना कर पाने की समस्या के बारे में बताया वहीं कुछ लोगों की शिकायत थी कि वे अपना बैलेंस नहीं पता कर पा रहे, ना ही अपने ऑर्ड एक्जीक्यूट कर पा रहे।

कर संग्रह में उछाल से सामाजिक योजनाओं पर खर्च बढ़ा सकती है सरकार, मनरेगा को मिल सकता है अधिक फंड

नई दिल्ली ।
आयकर और जीएसटी मासिक संग्रह बढ़ने से सरकार अंतरिम बजट में राजकोषीय सूझबूझ पर चलते हुए भी किसानों एवं सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित करने की स्थिति में रहेगी। बजट में समाज के गरीब वर्गों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है। सूत्रों का कहना है, सरकार राजकोषीय सशक्तीकरण के मार्ग से हटे बिना मनरेगा, ग्रामीण सड़क, पीएम किसान सम्मान निधि और पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित कर सकती है।

बुनियादी ढांचे-महिलाओं पर ध्यान - डेलॉय इंडिया में साझेदार संजय कुमार ने कहा, सरकार के पास निश्चित राजकोषीय गुंजाइश है। अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे व महिला केंद्रित योजनाओं पर आवंटन बढ़ने की उम्मीद है। चालू वर्ष के लिए सरकार के बजट का आकार 40 लाख करोड़ रुपये था। 2024-25 में इसके 10 फीसदी बढ़कर 43-44 लाख करोड़ पहुंचने की संभावना है।

इसलिए, खर्च बढ़ाने की गुंजाइश - चालू वित्त वर्ष में आय और कॉरपोरेट कर संग्रह में उछाल दिख रहा है। कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से करीब एक लाख करोड़ अधिक होने की संभावना है।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का बजट रखा है। इस मद में 10 जनवरी तक सरकार के खजाने में 14.70 लाख करोड़ रुपये आए हैं, जो बजट अनुमान का 81 फीसदी है। जीएसटी के मोर्चे पर केंद्रीय जीएसटी राजस्व 8.1 लाख करोड़ के बजट अनुमान से करीब 10,000 करोड़ अधिक होने की उम्मीद है। सकल कर राजस्व 33.6 लाख करोड़ के बजट अनुमान से 60,000 करोड़ अधिक रहेगा। स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल घटकों पर आयात शुल्क में न हो कटौती सरकार को आगामी बजट में स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक घटकों पर आयात शुल्क में कटौती नहीं करनी चाहिए क्योंकि मौजूदा शुल्क संरचना अभी तक सफल साबित हुई है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा, आयात शुल्क में कटौती से स्थानीय विनिर्माण को नुकसान पहुंच सकता है। मौजूदा दरों को बनाए रखने से भारत के बढ़ते स्मार्टफोन बाजार में उद्योग की वृद्धि और दीर्घकालिक विकास को संतुलित करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में भारत में स्मार्टफोन के आयातित घटकों पर शुल्क 7.5 फीसदी से 10 फीसदी के बीच है।

देश में ही बनते हैं 98 फीसदी स्मार्टफोन - जीटीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का स्मार्टफोन उद्योग 2022 में 7.2 अरब डॉलर का था। यह 2023 में बढ़कर 13.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसके साथ ही, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत यह सबसे बेहतर करने वाला क्षेत्र बन गया है। भारत में बेचे जाने वाले 98 फीसदी से अधिक स्मार्टफोन स्थानीय स्तर पर बनाए जाते हैं।

तरुण खुल्वे जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के सीईओ नियुक्त, उड़ान के सीएफओ ने छोड़ी कंपनी

नई दिल्ली । जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने कहा कि उसने पूर्णकालिक निदेशक तरुण खुल्बे को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि पिछले सप्ताह कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में यह निर्णय किया गया। वहीं, बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी से अलग हो रहे हैं। बयान के अनुसार, निदेशक मंडल ने तरुण खुल्बे को मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में पदोन्नत करने को मंजूरी दे दी है। वह मई 2018 से कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। कंपनी ने कहा कि वह सीईओ के अलावा इस पद पर बने रहेंगे। खुल्बे के पास व्यवसाय विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, लोगों की प्रथाओं और आईटी सक्षमता में लगभग 35 वर्षों का उद्योग अनुभव है। कंपनी ने कहा, दीर्घकालिक व्यापार रणनीतियों को तैयार करने और संचालन और बिक्री के सभी पहलुओं को मजबूत करने में उनका अनुभव सराहनीय रहा है। ऐसे समय में जब कंपनी अपने अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम लिंकेज का विस्तार और परिपक्वता कर रही है, खुल्बे का संचालन हमारी विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। खुल्बे अक्तूबर 2004 में हरियाणा के हिसार में कोल्ड रोलिंग मिलों के महाप्रबंधक के रूप में जेएसएल में शामिल हुए थे। ओ पी जिंदल समूह का हिस्सा जिंदल स्टेनलेस भारत का सबसे बड़ा स्टेनलेस स्टील निर्माता है। बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी छोड़ रहे हैं। बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी छोड़ रहे हैं। कंपनी ने अन्य वरिष्ठ स्तर के संगठनात्मक परिवर्तनों की भी घोषणा की, जिसके तहत समूह के वित्त नियंत्रक किरण थडिमारी को कार्यकारी प्रबंधन टीम में पदोन्नत किया गया।

ग्लोबल लेवल पर 10 में से 7 सीईओ 2024 में जेनएआई में निवेश करने की बना रहे योजना

नई दिल्ली।
ग्लोबल लेवल पर 10 में से लगभग 7 सीईओ इस साल जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेनएआई) में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इसकी जानकारी मंगलवार को एक नई रिपोर्ट में सामने आई। ग्लोबल सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस (सास) कंपनी नेटकोर क्लाउड के अनुसार, आने वाले तीन से पांच सालों के भीतर सीईओ को ठोस लाभ मिलने की उम्मीद के साथ, जेनएआई एक सर्वोच्च निवेश प्राथमिकता के रूप में उभर रहा है।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कंज्यूमर्स की प्राथमिकताएं शॉर्ट-फॉर्म वीडियो कंटेंट और सुविधाजनक और इंस्टेंट ट्रांजेक्शन की ओर दृढ़ता से झुकी हुई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 90 प्रतिशत कंज्यूमर्स अपने प्रोडक्ट्स डिसीजन में वीडियो से आश्वस्त हैं, इंडस्ट्री लीडर्स इनफ्लुएंसर मार्केटिंग को अपना रहे हैं, अपने प्रोडक्ट लाइन पर स्पॉटलाइट शाइन के लिए शॉर्ट वीडियो का लाभ उठा रहे हैं।

लगभग 89 प्रतिशत कंज्यूमर्स ने खुलासा किया कि किसी प्रोडक्ट या सर्विस पर डिसीजन लेते समय वीडियो देखने से स्केल्स पर असर पड़ता है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि यूजर्स एक्टिव रूप से इंस्टाग्राम पर ब्रांड्स और प्रोडक्ट्स को एक्सप्लोर करते हैं, जिससे यह प्लेटफॉर्म की दूसरी सबसे आकर्षक एक्टिविटी बन जाती है, जो इसके 62.2 प्रतिशत यूजर्स को आकर्षित करती है।

इसी तरह, टिकटॉक पर 65 प्रतिशत यूजर्स ऑनलाइन खरीदारी निर्णयों के लिए ऑनलाइन रिव्यूज और निर्माता की सिफारिशों पर भरोसा करते हैं।

नेटकोर क्लाउड के चीफ मार्केटिंग ग्रोथ ऑफिसर महेश नारायणन ने कहा, जैसा कि हम एआई और ऑटोमेशन के प्रभुत्व वाले भविष्य में कदम रख रहे हैं, इन ट्रेंड्स को समझना किसी भी मार्केटर के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि जैसे-जैसे विभिन्न चैनलों के लिए यूजर्स की प्राथमिकताएं महत्व प्राप्त कर रही हैं, मजबूत ओमनीचैनल जुड़ाव अपनाने वाली कंपनियां 9.5 प्रतिशत तक वार्षिक राजस्व वृद्धि अर्जित करने के लिए तैयार हैं।

वीडियो गेम डेवलपर रिओट गेम्स ने 530 कर्मचारियों की छंटनी की

सैन फ्रांसिस्को।
वीडियो गेम डेवलपर रिओट गेम्स ने ग्लोबल लेवल पर लगभग 530 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है, जो इनके कार्यबल का लगभग 11 प्रतिशत है। टेनसेंट के स्वामित्व वाली कंपनी ने कहा कि वह अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ने के लिए कम, उच्च प्रभाव वाले प्रोजेक्ट्स पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी ने कहा, ये केवल संगठनात्मक परिवर्तन नहीं हैं, ये व्यक्तियों और परिवारों को प्रभावित करते हैं और हम इन निर्णयों को सम्मान तथा संवेदनशीलता के साथ लेने की पूरी कोशिश करते हैं। कंपनी ने कहा कि यह निर्णय शेयरधारकों को खुश करने या तिमाही आय संख्या को प्रभावित करने के लिए नहीं है।

गेम्स ने कहा, यह एक आवश्यकता है। पिछले कुछ साल में रिओट में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी से ज्यादा हो गई। हमने ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट पर कड़ी मेहनत की है। कंपनी का उद्देश्य उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है जो आपके अनुभव पर सबसे ज्यादा प्रभाव डालते हैं, और जिन पर प्रभाव न के बराबर है, उन चीजों पर निवेश कम करना। कंपनी अब लाइव गेम्स, लीग ऑफ लीजेंड्स, वैलोरेंट, टीमफाइट टैक्टिक्स और वाइल्ड रिफ्ट पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने कहा, हम इन टीमों को प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि वे कंटेंट, फीचर्स और अपडेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें और आपके द्वारा पूछ गए सवालों का जवाब सीधे दे सकें। कंपनी ने स्वीकार किया कि जैसे-जैसे वह आगे बढ़े, वैसे ही कुछ प्रयास और ज्यादा अलग-थलग हो गए। कंपनी ने बताया, लाइव टाइटल के अलावा, हमारे पास पाइपलाइन में कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिन्हें आपके सामने पेश करने का इंतजार नहीं कर सकते।

श्री सीमेंट के एमडी नीरज अखौरी को एनसीसीबीएम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।
सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और श्री सीमेंट लिमिटेड के एमडी, नीरज अखौरी को दो साल के लिए नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स (एनसीसीबीएम) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

यह निर्णय 10 जनवरी को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित एनसीसीबीएम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में लिया गया।

अखौरी के पास सीमेंट उद्योग में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। श्री सीमेंट में शामिल होने से पहले, अखौरी ने टाटा, लाफार्ज ग्रुप, एसीसी लिमिटेड, होलसिम इंडिया और अंबुजा सीमेंट सहित विभिन्न प्रमुख कॉरपोरेट्स के साथ दो महाद्वीपों में नेतृत्व की भूमिकाओं में काम किया। वह अक्टूबर 2022 में श्री सीमेंट से जुड़े।

एनसीसीबीएम भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीनस्थ डीपीआईआईटी के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक शीर्ष अनुसंधान एवं विकास संगठन है।

नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स के महानिदेशक, एल.पी. सिंह ने कहा, हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास एनसीसीबीएम का नेतृत्व करने के लिए अपने विशाल अनुभव के साथ अखौरी जी जैसा व्यक्ति है। उनके गतिशील नेतृत्व में हम अपनी अनुसंधान गतिविधियों को मजबूत करने और कम कार्बन वाले सीमेंट के विकास, कार्बन कैप्चर और उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में नई पहल करने की उम्मीद करते हैं, जिससे सीमेंट और कंक्रीट क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

एनसीसीबीएम सीमेंट, संबद्ध निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण, शिक्षा और औद्योगिक सेवाओं के लिए समर्पित है। इसकी कॉर्पोरेट इकाई और मुख्य प्रयोगशालाएँ बल्लभगढ़ (हरियाणा) में और क्षेत्रीय इकाइयाँ हैदराबाद (तेलंगाना), अहमदाबाद (गुजरात) और भुवनेश्वर (ओडिशा) में स्थित हैं।

अयोध्या बनेगा देश का सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र

हर साल आएंगे 5 करोड़ लोग, जेफरीज की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली ।
अयोध्या में राम मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब शहर में हर साल कम-से-कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है। यह संख्या स्वर्ण मंदिर और तिरुपति मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं से कहीं अधिक है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि हवाईअड्डे जैसे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च करने से यूपी का यह शहर देश के सबसे बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक नए हवाईअड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाओं और बेहतर सड़क संपर्क जैसी सुविधाओं के लिए अयोध्य पर 10 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए गए हैं। इससे शहर में नए होटल खुलेंगे और अन्य आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे अयोध्या आने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी तेजी से इजाफा होगा। जेफरीज के मुताबिक, धार्मिक पर्यटन अब भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है। कई लोकप्रिय धार्मिक केंद्र बुनियादी ढांचे की बाधाओं के बावजूद हर साल एक-तीन करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसलिए, बेहतर संपर्क व बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है।

जीडीपी में 443 अरब डॉलर का होगा योगदान - रिपोर्ट के मुताबिक, पर्यटन ने कोविड पूर्व यानी 2018-19 के दौरान जीडीपी में 194 अरब डॉलर का योगदान दिया। 2032-33 तक इसके 8 फीसदी की दर से बढ़कर 443 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

इनसे आगे निकल जाएगी अयोध्या

- अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में हर साल 3-3.5 करोड़ लोग आते हैं।
- तिरुपति मंदिर में 2.5-3 करोड़ पर्यटक आते हैं।
- वेटिकन सिटी में हर साल करीब 90 लाख पर्यटक आते हैं।
- सऊदी अरब के मक्का में सालाना करीब दो करोड़ पर्यटक आते हैं।
- अयोध्या में हर साल 5 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आने की संभावना।

इसलिए बढ़ेंगे पर्यटक - रिपोर्ट के मुताबिक, अयोध्या में नए हवाईअड्डे का पहला चरण शुरू हो गया है। यह 10 लाख यात्रियों को संभाल सकता है। रेलवे स्टेशन को प्रतिदिन 60,000 यात्रियों को संभालने के लिए विस्तारित किया गया है। वर्तमान में अयोध्या में 590 कमरों वाले करीब 17 होटल हैं। 73 नए होटल तैयार किए जा रहे हैं। इंडियन होटल्स, मैरियट और विंडहैम पहले ही होटल बनाने के लिए समझौते कर चुके हैं। इसके अलावा, आईटीसी भी अयोध्या में अपने लिए संभावनाएं तलाश रही है।

सरकार ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क बढ़ाया, 10 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हुआ

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर लगने वाले आयात शुल्क में इजाफा करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सोने-चांदी की धातुओं और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क अब 15 प्रतिशत होगा। इसमें 10 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और पांच प्रतिशत एआईडीसी (कृषि अवसंरचना विकास उपकर) शामिल है। अब इस पर सामाजिक कल्याण अधिभार (एसडब्ल्यूसी) से इसमें छूट मिलेगी।

अरुण गोविल की बेटी सोनिका सोशल मीडिया पर सक्रिय, जबरदस्त फैन फालोइंग

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता अरुण गोविल ने 1987 में आई रामानंद सागर की रामायण में प्रभु श्रीराम का किरदार निभाया था। इस किरदार को अरुण गोविल ने कुछ ऐसे जीवंत किया कि आज भी दर्शक उन्हें ही भगवान श्रीराम के रूप में देखते हैं। अब उनकी बेटी सोनिका गोविल सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और वह अक्सर अपने पिता अरुण गोविल से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं। हालांकि सोनिका गोविल लाइमलाइट से दूर रहती हैं। बल्कि यू कहें कि अरुण गोविल का पूरा परिवार ही लाइमलाइट से दूर है। सोनिका लाइमलाइट से तो दूर हैं, लेकिन उन्हें पार्टी का काफी शौक है। सोनिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और उनकी तस्वीरें देखकर अरुण गोविल के फैंस भी हैरान हैं। सोनिका ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट ही रखा है। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपने पिता अरुण गोविल से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं। हालांकि सोनिका जानती हैं कि दर्शकों के बीच उनके पिता की क्या इमेज है, शायद इसीलिए वह अपने अकाउंट को प्राइवेट रखना पसंद करती हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। सोशल मीडिया पर सोनिका की कुछ तस्वीरें देखकर फैंस कहते हैं कि वह एक एक्ट्रेस मटीरियल हैं और खूबसूरती और पर्सनालिटी के मामले में किसी बॉलीवुड की हसीना से कम नहीं हैं। गौरतलब है कि बेटी सोनिका के अलावा अरुण गोविल का एक बेटा भी है, जिनका नाम अमल है। अमल सोनिका से बड़े हैं और उनकी शादी भी हो चुकी है। अरुण गोविल के दोनों ही बच्चे सोशल मीडिया से दूर रहना ही पसंद करते हैं। हालांकि अरुण गोविल के कुछ पोस्ट्स में उनके दोनों बच्चों की झलक देखी जा सकती है। सोनिका को देखने के बाद कई यूजर उनकी तारीफों के कसीदे गढ़ रहे हैं।

मां का प्राउड बढ़ाया तैमूर ने, जीता मेडल

-करीना बोली-ये नया गोल्ड है

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्ट्रेस करीना कपूर के बड़े बेटे तैमूर अली खान ने अपनी मां का प्राउड बढ़ाया है। तैमूर को स्कूल में ब्रॉन्ज मेडल मिला है, जिससे मां करीना की खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए नया गोल्ड है। दरअसल, तैमूर अली खान ने शुक्रवार को अपने स्कूल में स्पोर्ट्स डे फंक्शन के भाग लिया, जहां उन्होंने मेडल जीता है। वहीं, बेटे को चीयर करने उनके स्कूल पहुंची करीना कपूर उस वक्त खुशी से झूम उठीं। इस पल की कुछ तस्वीरें और वीडियो करण जौहर ने अपनी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर शेयर की हैं। करण द्वारा शेयर किए वीडियो में करीना अपने बेटे की जीत का जश्न मनाती नजर आ रही हैं। वीडियो में करण, करीना से पूछते है कि क्या उन्होंने मेडल जीता है तो इसके जवाब में बेबो कहती हैं टिम टिम। आगे करण पूछते हैं कि कौन सा मेडल मिला है, इस पर एक्ट्रेस कहते हैं उसे ब्रॉन्ज मेडल मिला है...ब्रॉन्ज अब नया गोल्ड है। फोटो में करीना, करण जौहर और बाकी के पैरेंट्स के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। बेबो को ग्रे रंग की स्लीवलेस जैकेट और मैचिंग स्पोर्ट्स ब्रा पहने देखा जा सकता है। वहीं, करीना कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, मैं वो मां हूं जो अपने बेटे का मेडल पहनती है, प्राउड मम्मा। ब्रॉन्ज ही नया गोल्ड है। मेरा बेटा। क्या कोई और भी ऐसा करता है। बता दें, करीना के बेटे तैमूर ने 3 दिसंबर, 2023 को ताइक्वांडो में भी एक मेडल जीता था। उस दौरान भी एक्ट्रेस अपनी खुशी को रोक नहीं पाई थीं। एक्ट्रेस करीना कपूर इंडस्ट्री की एक बेस्ट एक्ट्रेस होने के साथ ही एक सुपर मॉम भी हैं। वह अपने काम के साथ ही दोनों लाडलों तैमूर और जेह का बखूबी ध्यान रखती हैं और अक्सर उनके साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड करती नजर आती हैं।

अरब के रियाद में आलिया का सम्मान

-इवेंट में साड़ी लुक में छाई आलिया

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में आलिया भट्ट को सऊदी अरब के रियाद में आयोजित जॉय अवॉर्ड्स 2024 में ऑनरेरी एंटरटेनमेंट मेकर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जिसे पाकर एक्ट्रेस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। यह अवॉर्ड लेने कपूर खानदान की बहू बनठन कर पहुंची, जिसकी तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची आलिया इस दौरान अपने ट्रेडिशनल लुक से सबका दिल जीतती नजर आईं। वह रेड, ब्लू और गोल्डन कलर की साड़ी में बेहद गॉर्जियस लगीं, उन्होंने ऑफ शोल्डर ब्लाउज के साथ स्टाइल किया था। इस लुक को उन्होंने न्यूड मेकअप और गोल्डन ईयररिंग्स से पूरा किया। ओवरऑल लुक में आलिया की ब्यूटी देखते ही बनी। आलिया ऑनरेरी एंटरटेनमेंट मेकर्स अवॉर्ड के साथ कैमरे के सामने जबरदस्त पोज देती दिखीं और अपनी खूबसूरती से भी सबको इम्प्रेस करती नजर आईं। अवॉर्ड हासिल करने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आलिया भट्ट ने कहा, यह वास्तव में एक खूबसूरत रात है। मैं फिल्मों की दीवानी हूं। मैंने यह पहले भी कहा है कि पैदा होते ही मैं लाइट्स, कैमरा, एक्शन देखा है और मेरे लिए सिनेमा का यही मतलब है। अगर हम खुशी के बारे में बात कर रहे हैं तो हमारी जिंदगी में एक सबसे बड़ी चीजों में एक जरूरी प्यार भी है। आगे उन्होंने कहा, इसलिए आज रात जब मैं घर वापस जाऊंगी तो मैं अपने साथ वो प्यार लेकर जाऊंगी जो मैंने यहां रियाद में महसूस किया है। आपको बहुत-बहुत शुक्रिया। यहां फिल्मों का जादू है। आलिया भट्ट की इस अचीवमेंट पर उनके फैंस उन्हें खूब बधाई देते नजर आ रहे हैं और उनके इस लुक को भी खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें कि आलिया भट्ट के सितारे इन दिनों बुलंदियों में हैं। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के बाद अब एक और अवॉर्ड एक्ट्रेस की झोली में आ गिरा है।

नो-फिल्टर विद नेहा में शामिल होंगे शाहिद और कृति

बालीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया के साथ उनके हिट टॉक शो नो-फिल्टर विद नेहा में एक्टर शाहिद कपूर और कृति सेनन शामिल होंगे। दोनों ही इस शो की अपकमिंग इंस्टॉलमेंट के दो अलग-अलग एपिसोड में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, कृति अगले एपिसोड की शूटिंग करेंगी। सूत्र ने साझा किया, शाहिद कपूर और कृति सेनन शो के लिए पूरी तरह तैयार हैं, उनके एपिसोड अपकमिंग वीक में शूट किए जाने हैं। इस सप्ताह की शुरूआत में, नेहा को टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे के साथ देखा गया था। शाहिद और कृति अपकमिंग फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अमित जोशी और आराधना साह द्वारा निर्देशित, मैडॉक फिल्म का निर्माण, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया दिनेश विजान, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्मित है।

साल भर से हो रहा अजय की फिल्म का इंतजार

-फाइनल हुई मैदान की रिलीज डेट

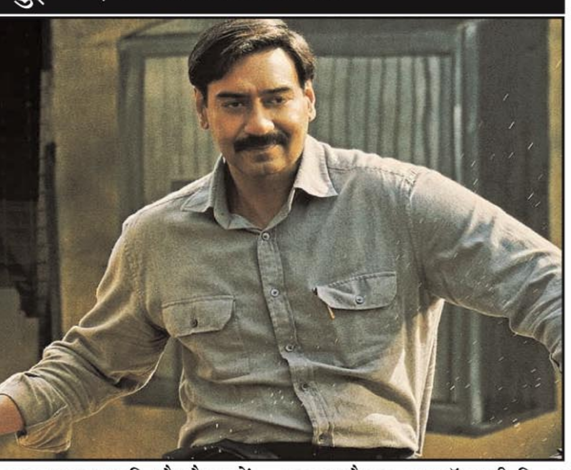

मुंबई (ईएमएस)। पिछले एक साल से फैंस अभिनेता अजय देवगन की फिल्म मैदान को सिनेमाघरों में देखने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से मेकर्स इसकी रिलीज डेट कैंसिल करते नजर आए हैं, लेकिन अब फाइनली यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्मी समीक्षक तरण आर्दश के अनुसार, यह फिल्म इसी साल ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। तरण ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट के जरिए बताया, अजय देवगनः मैदान इस ईद पर आएगी #मैदान अभिनीत #अजयदेवगन को नई रिलीज डेट मिलीः अप्रैल 2024 #ईद अमित शर्मा द्वारा निर्देशित। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का एक नया पोस्टर भी अपने एक्स अकाउंट से शेयर किया है, जिसमें अजय देवगन काफी सीरियस नजर आ रहे हैं और पोस्टर में उनके पीछे कई सारे लोग एक ही ड्रेस में दिख रहे हैं। तरण के शेयर करते ही फिल्म का नया पोस्टर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बता दें, अजय देवगन की मैदान बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसे बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी इंडियन फुटबॉल के गोल्डन इरा पर आधारित है। मैदान में अजय देवगन फुटबॉल कोच सैय्यद अब्दुल रहीम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में अजय देवगन के साथ साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस प्रियामणि, नितांशी गोयल, अमीर अली शेख, भरत जयराम, आर्यन भौमिक, गजराज राव, रुद्रनील घोष, रोहित मंडल, ऋषभ जोशी, डिएगो टोरेस कुरी, जीएम टोनॉय, अमर्त्य रे, मधुर मित्तल और कृष्णा सजनानी भी अहम भूमिकाओं में होंगे। वहीं, दूसरी ओर आपको ये जानकर भी हैरानी होगी कि इस साल ईद पर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म छोटे मियां बड़े मियां भी रिलीज होने वाली है, और इससे साफ पता चलता है कि बॉक्स ऑफिस पर इस बार अज देवगन सीधे अक्षय कुमार से पंगा लेने वाले हैं। बता दें कि बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अजय देवगन की दुनियाभर में गजब की फैन फॉलोइंग हैं और वह अपने दमदार अभिनय से पिछले 3 दशकों से पर्दे पर छाए हुए हैं। अजय की फिल्मों का लोग बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं और ऐसा ही उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म मैदान को भी लेकर है।

वरुण तेज को सबसे बड़ा उपहार देने का फैसला

बालीवुड एक्टर वरुण तेज की बहुप्रतीक्षित वायु सेना थ्रिलर, ऑपरेशन वेलेंटाइन के निमार्ताओं ने उन्हें उनके करियर का सबसे बड़ा उपहार देने का फैसला किया। शक्ति प्रताप सिंह हाड़ा, आमिर खान और सिद्धार्थ राज कुमार द्वारा लिखित यह फिल्म 16 फरवरी 2024 को तेलुगु और हिंदी में रिलीज होगी। टीम ऑपरेशन वेलेंटाइन के एक अनूठे विपणन प्रयास के रूप में, वे अपने प्रशंसकों द्वारा अनावरण किए गए 126 फीट की स्थापना के लिए एक साथ आए, जिससे यह एक यादगार बन गया। ऑपरेशन वैलेंटाइन सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, संदीप मुड्डा की रेनेसां पिक्चर्स द्वारा निर्मित और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट (वकील खान) और नंदकुमार अब्बिनेनी द्वारा सह-निर्मित है। अनुभवी विज्ञापन-फिल्म निमार्ता और वीएफएक्स प्रेमी शक्ति प्रताप सिंह हाड़ा इस फिल्म के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत करेंगे।

वेब शो पर काम कर रहे हैं मुनव्वर फारुकी

पिछले तीन सालों से कॉमेडियन-म्यूजिशियन मुनव्वर फारुकी एक वेब शो पर काम कर रहे हैं और उन्होंने पहले ही इसका एक एपिसोड लिख लिया है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य बिग बॉस सीजन 17 के बाद पूरा सीजन लिखना है। बिग बॉस 17 में फारुकी ने अरुण श्रीकांत माशेट्टी और अभिषेक कुमार को बताया, मैंने एक वेब सीरीज लिखी है। 3 साल हो गए, लिख रहा हूं अभी भी। फर्स्ट एपिसोड लिख लिया है, 2 साल तक मैं उसको चेंज करता रहा हूं क्योंकि वो पूरा सीजन उस हिसाब से होगा। जो स्टोरी चलेगी वो सारा रिलेटेड होगी और प्रोपर कोई चीज की कमी न रहेगी। फर्स्ट एपिसोड में होता है तो उसमें पूरा फ्लेवर होना चाहिए। मैं यहां से जाने के बाद अगर 6 महीने फ्री हूं, उसमें बैठ गया तो मैं 10 एपिसोड, 2 सीजन लिख सकता हूं। बिग बॉस के सीजन 17 के फिनाले में, फाइनलिस्ट मुनव्वर फारुकी के साथ अरुण श्रीकांत मशेट्टी, मन्नारा चोपड़ा और अभिषेक कुमार शामिल हैं।

सबका दिल जीत रही शिव ठाकरे की परफॉर्मेंस

- झलक दिखला जा 11 में शानदार रही जर्नी

मुंबई (ईएमएस)। अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस से झलक दिखला जा 11 में शिव ठाकरे जजों से लेकर फैन्स तक का दिल जीत लेते हैं। शिव ने इस हफ्ते भक्तिपूर्ण गाने पर परफॉर्मेंस दी है। उनकी डांस के बाद सभी उन्हें स्टैंडिंग ओवैशन देते हैं। झलक दिखला जा 11 में शिव ठाकरे की जर्नी शानदार रही है। उन्होंने आदिपुरुष के गाने जय श्रीराम और कलंक के गाने जय रघुवंशी पर परफॉर्मेंस दी। प्रोमो वीडियो में दिखाया जाता है, 11 हफ्ते 11 सेलेब्स और अब होगा फिनाले तलक, तगड़ा झलक। आगे शिव स्टेज पर आते हैं और धमाकेदार परफॉर्मेंस देते हैं। एक जगह वह हनुमान की तरह ऊपर से रस्सी से लटकर आते हैं। शिव का डांस देखकर अरशद वारसी कहते हैं, रोंगटे खड़े हो गए। आखिर में स्टेज पर लगे स्क्रीन पर हनुमान का चित्र बनकर आता है। फराह खान कहती हैं, एकदम दिल से, भक्ति से तूने ये डांस किया। सोनी टीवी ने इस प्रोमो को शेयर करते हुए लिखा, शिव की भक्ति भरी परफॉर्मेंस देख कर सिर्फ अरशद को ही नहीं... हम सबको भी गूजबंप्स आ गए।

देखिए झलक दिखला जा कल रात 9.30 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनेंट टेलीविजन पर। कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, शिव ने क्या परफॉर्म किया है। फुल मार्क्स तो बनता है। हर बार बाकियों को फ्री का प्रसाद 30 मिलता है। शिव के टाइम पर कंजूसी करते हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, वाओ, वह फुल मार्क्स डिजर्व करता है, क्या कमाल की परफॉर्मेंस। एक ने लिखा, एक डांसर के तौर पर क्या ग्राफ है, क्या ट्रांसफॉर्मेशन है। एक ने कहा, एक नॉन डांस से एक प्रोफेशनल डांसर की जर्नी। एक ने कहा, झलक की टीआरपी बढ़ाने वाली परफॉर्मेंस, जय श्रीराम। शिव ने एमटीवी रोडीज से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने बिग बॉस मराठी का दूसरा सीजन जीता। शो जीतने के बाद वह बिग बॉस 16 में पहुंचे।

अभिनेता सैफ अली खान अस्पताल में भर्ती, होगा घुटने का ऑपरेशन

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान ने अपनी फिल्म हटके से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है, लेकिन अब उनकी सेहत को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। सैफ अली खान को सोमवार सुबह करीब 8 बजे कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया और डॉक्टर ने बताया कि उनके घुटने का ऑपरेशन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि एक्टर का कंधा भी फ्रैक्चर हो गया है। सैफ के साथ उनकी पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान भी अस्पताल में हैं। साफ है कि घुटने में गंभीर चोट के कारण सैफ को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके पीछे का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सैफ की कमर और कंधे में फ्रैक्चर हुआ है। सैफ की चोट के बारे में अभी तक उनके परिवार की ओर से कोई जानकारी नहीं मिली है। साथ ही डॉक्टरों द्वारा चोट का सही कारण नहीं बताए जाने से इस संबंध में अभी भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

आतंकवाद को खत्म करने के इर्द-गिर्द घूमता है ड्रामा आर्टिकल 370

बालीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम अभिनीत और दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जंभाले द्वारा निर्देशित, आर्टिकल 370 एक हाई-ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा है, जो आर्टिकल 370 को अप्रभावी बनाकर कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के इर्द-गिर्द घूमता है। जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज एक मनोरंजक पॉलिटिकल ड्रामा आर्टिकल 370 पेश करने के लिए एकजुट हुए हैं। कल फिल्म के टीजर को रिलीज करने की घोषणा करते हुए, निमार्ताओं ने एक रोमांचक पोस्टर जारी किया जिसमें यामी गौतम को एक खुफिया एजेंट के आकर्षक अवतार में दिखाया गया है। आर्टकल 370 एक शैली-परिभाषित फिल्म है जो पहले नहीं देखे गए तरीके से एक्शन और राजनीति का मेल कराती है। यह प्रेरक कथा भारत सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जो उनकी राजनीतिक चतुराई का प्रदर्शन करती है।

सूडोकु नवताल- 6682

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6681 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्दजाल - 7429

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	दि	ला	व	र	ज	कां	ड़
न्यौ	छा	व	र	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ता
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क
डि	आ	मु	नी	श्व	र	न	न	न	भ	त
या	ल	मा	र	रा	क	ली	ट	ण	घ	व
द	स	न	न	ट्रे	जो	रा	व	र	व	र
क	रो	ऊ	ई	स	ब	क	र	चो	श	क
रा	व	तु	ला	रा	रो	ते	या	औ	र	आ
क	र	ल	प	लि	जी	व	भ	म	प	द
क	ड	क	अ	धी	श्व	र	र	ब	त	म

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वर' शब्द लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दिलावर, सरोवर, जोरावर, नटवर, तेवर, अधीश्वर, मुनीश्वर, न्यौछावर,ताकतवर, मानसरोवर,

शब्दजाल - 7428 का हल

अ	ज	खी	रे	दा	र	रि	सि	या	र	ट
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ह	ली
गि	स	शे	ज	ग	न्ना	थ	ता	गा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	म	न	त	ज
क	ग	ग	भा	लू	लं	ग	म	ग	व	न
जी	द	ल	जा	य	ज	पू	ना	हि	र	नी
ती	गु	म	ड़ी	हि	प	र	श	र	र	ल
क	रु	ल्जा	ई	धा	र	क	ज	ल	न	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
ज	ग	त	प	व	ज	ग	दा	चा	र्य	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	ज	ग	ख्या	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6382

	5		1	6		4
	37		37		29	3
2	4		7		6	1
	31	1	28		32	
	6		2		3	7
1	28	4	27		33	
	1		3		4	6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6381 का हल

6	1	7	4	3	5	2
2	28	4	40	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	24	1	30	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में ; अल्काराज जीते, अजारेंका बाहर

मेलबर्न ।
भारत के 43 साल के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने मेलबर्न में नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ बोपन्ना का युगल विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आना सुनिश्चित हो गया है। उनके जोड़ीदार एबडेन का तीसरे नंबर पर आना तय हो गया है। अगर यह जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे तो विश्व युगल रैंकिंग में उनका नंबर एक बनना सुनिश्चित हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में श्रेष्ठ प्रदर्शन - यह रोहन बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियाई ओपन में श्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले वह कभी पुरुष युगल में वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंचे थे। पिछले साल वह सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल के फाइनल में जरूर पहुंचे थे।

अल्काराज और मेदवेदेव क्वार्टर फाइनल में - दुनिया के नंबर दो स्पेन के कार्लोस अल्काराज और रूस के दानिल मेदवेदेव ने पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अल्कारेज ने सर्बिया के मियोमीर केस्मानोविच को 6-4, 6-4, 6-0 से हराया। मेदवेदेव ने नूनो बोर्गस को 6-3, 7-6(4), 5-7, 6-1 से पराजित किया। अब उनकी टक्कर दुनिया के नंबर नौ हुबर्ट हरकेज या फ्रांस के वाइल्डकार्ड से प्रवेश पाने वाले आर्थर कैजाक्स से होगी।

यास्त्रेमस्का ने अजारेंका को किया बाहर - महिला वर्ग में यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का ने दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका 7-6(6) 6-4 से हराया। वहीं, 18वीं रैंकिंग की एलिना स्वितोलिना उस समय नोस्कोवा से 0-3 से पिछड़ रही थी जब उन्होंने पीठ की चोट के कारण रिटायर्ड होने का फैसला किया। यूक्रेन और रूस तथा बेलारूस के खिलाड़ियों के बीच परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए अजारेंका और यास्त्रेमस्का ने हाथ नहीं मिलाए। नोसकोवा-स्वितोलिना के बीच हुए मुकाबले का पहला गेम 11 मिनट चला। नोसकोवा ने स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 2-0 किया। स्वितोलिना ने टाइम आउट लेकर कमर का उपचार कराया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार पर इंग्लैंड दे सकती है झटके : वॉन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

वॉन के अनुसार भारतीय टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। दोनो ही टीमों के बीच पांच मैचों की ये टेस्ट सीरीज होगी। वॉन के अनुसार इंग्लैंड की टीम बैखौफ होकर खेल रही है। इसलिए वह भारतीय टीम को हरा भी सकती है। वॉन ने भारतीय टीम को सीरीज का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने लिखा, मैं वास्तव में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का इंतजार कर रहा हूं। भारतीय टीम इसमें पसंदीदा है पर मुझे लगता है कि इंग्लैंड उन्हें एक या दो झटके दे सकती है। ऐसा हैदराबाद में भी हो सकता है। इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है जिसका लाभ उसे मिल सकता है। इंग्लैंड की टीम को आक्रामक खेला से काफी फायदा हुआ है पर पहली बार ब्रैंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स की जोड़ी भारत में टेस्ट क्रिकेट खेलेगी। भारतीय टीम घरेलू धरती पर एक दशक से ज्यादा समय से टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। वहीं इंग्लैंड की टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति से से काफी मैच जीते हैं। इससे पहले पाकिस्तान में भी इंग्लैंड ने आक्रामक खेल से ही टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके अलावा एशेज सीरीज को 0-2 से पिछड़ने के बाद भी बराबरी पर ला दिया था। इंग्लैंड की टीम को इससे पहले के भारत दौरे में मिली सीरीज जीत का भी मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा।

ब्राउन ने बिश बैश लीग में लगाये रिकार्ड 12 छक्के

सिडनी । ब्रिसबेन हीट के सलामी बल्लेबाज जोश ब्राउन ने बिश बैश लीग (बीबीएल) में तूफानी पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। ब्राउन ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 57 गेंदों पर ही 10 चौके और 12 छक्के लगाकर 140 रन बन दिये। अब तक किसी बल्लेबाज ने एक पारी में इतने अधिक छक्के नहीं लगाये हैं। इस प्रकार वह बीबीएल में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। ब्राउन की इस पारी की सहायता से उनकी टीम ने 20 ओवरों में सात विकट पर 214 रन बनाये। इस मैच में ब्रिसबेन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज चार्ली वाकीम दूसरे ही ओवर में 7 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जोश ब्राउन ने कप्तान मैकस्वैनी के साथ मिलकर पारी संभाली। मैकस्वैनी ने 29 गेंदों पर 33 रन बनाए जबकि ब्राऊन ने शतक लगाया। ब्रिसबेन की ओर से आधे बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पर ब्राउन की आक्रामक पारी से टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 214 रन बना लिए। इसके बाद खेलने उतरी एडिलेड स्ट्राइकर्स की टीम 20 ओवरों में 160 रन ही बना पाई।

इंडोनेशिया मास्टर्स में प्रणव से रहेंगी उम्मीदें , सात्विक-चिराग हटे

जकार्ता । एचएस प्रणय इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकल में पदक के प्रबल दावेदार होंगे। इसका कारण ये है कि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इस जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है। चिराग और सात्विक के नहीं होने से पुरुष युगल में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला एकमात्र भारतीय जोड़ी होगी। वहीं एकल में प्रणय अपना पहला मैच सिंगापुर के लोह कीन यीयु से खेलेंगे। इस मैच प्रणय जीत के प्रबल दावेदार हैं क्योंकि यीयु के खिलाफ वह चार मुकाबले जीते और और उन्हें केवल एक हार मिली है। प्रणय पिछले हफ्ते इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें चीन के शी युकी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। प्रणय के अलावा भारत के ही लक्ष्य सेन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। उन्हें पहले दौर में चीन के वेंग होंग येंग से खेलना है। इसके अलावा विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से खेलेंगे जबकि प्रियांशु की टक्कर डेनमार्क के रासमुस गेम्के से होगी।

रोहित बने आईसीसी वनडे टीम ऑफ द ईयर–2023 के कप्तान

विराट–शमी समेत 6 भारतीय को जगह वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से हेड और जम्पा

मुम्बई ।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 2023 की वनडे टीम ऑफ द ईयर घोषित कर दी है। भारत को वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचाने वाले कप्तान रोहित शर्मा को ही टीम का कप्तान बनाया गया। भारत के कुल 6 प्लेयर्स को जगह मिली, वहीं वर्ल्ड कप विजेता ऑस्ट्रेलिया से ट्रैविस हेड और एडम जम्पा को शामिल किया। टीम इंडिया के विराट कोहली, शुभमन गिल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने भी टीम ऑफ द ईयर में जगह बनाई।

साउथ अफ्रीका से 2, न्यूजीलैंड से एक खिलाड़ी - 2023 की टीम ऑफ द ईयर में 4 देशों के 11 प्लेयर्स चुने गए। इनमें भारत के 6, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के 2-2 और न्यूजीलैंड का एक खिलाड़ी शामिल हैं। साउथ अफ्रीका से विकेटकीपर हेनरिक क्लासन और ऑलराउंडर मार्को यानसन को जगह दी गई। वहीं न्यूजीलैंड से डेरिल मिचेल जगह बनाने में कामयाब रहे।

1. रोहित शर्मा, कप्तान (भारत) - टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने 2023 में 52 की औसत से कुल 1255 रन बनाए। वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एक सेंचुरी लगाकर कुल 597 रन बनाए। वह टूर्नामेंट के सेकेंड टॉप स्कोरर रहे थे। उनकी कप्तानी टीम वर्ल्ड कप में रनर-अप रही।

2. शुभमन गिल, भारत - टीम इंडिया के युवा ओपनर शुभमन गिल ने 2023 में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाए। साल की शुरुआत में ही उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगा दिया था। उन्होंने 29 वनडे में कुल 1584 रन बनाए, इनमें 5 सेंचुरी शामिल रहीं।

3. ट्रैविस हेड, ऑस्ट्रेलिया - वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे ट्रैविस हेड ने भी टीम में जगह बनाई। उन्होंने साल के 13 मैचों में 570 रन ही बनाए लेकिन वर्ल्ड कप की परफॉर्मेंस के आधार पर उन्हें जगह मिल गई।

4. विराट कोहली, भारत - वनडे वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट विराट कोहली ने 2023 में शुभमन से भी ज्यादा 6 सेंचुरी लगाई। उन्होंने 27 मैचों में कुल 1377 रन बनाए, जिनमें से 765 वर्ल्ड कप में आए। उन्होंने सेमीफाइनल में सेंचुरी और फाइनल में फिफ्टी लगाई, लेकिन अपनी टीम को जिता नहीं सके। हालांकि, बेहतरीन बैटिंग के दम पर कोहली ने टीम में जगह बनाई।

5. डेरिल मिचेल, न्यूजीलैंड - न्यूजीलैंड के लिए 2023 में सबसे बेहतरीन परफॉर्म करने वाले डेरिल मिचेल ने 26 वनडे में 1204 रन बनाए। इनमें 5 सेंचुरी शामिल रहीं, जिनमें से 2 उन्होंने वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ लगाईं। टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 552 रन बनाए और जरूरत पड़ने पर बॉलिंग भी की।

6. हेनरिक क्लासन, विकेटकीपर (साउथ अफ्रीका) - साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासन को टीम ऑफ द ईयर का विकेटकीपर बनाया गया। उन्होंने वर्ल्ड कप के 10 मैचों में 373 रन बनाए और अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने के लिए एक सेंचुरी भी लगाई। टूर्नामेंट से पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 174 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। क्लासन ने 2023 के 24 मैचों में 927 रन बनाए।

7. मार्को यानसन, साउथ अफ्रीका - वनडे वर्ल्ड कप के 9 ही मैचों में 17 विकेट लेने वाले मार्को यानसन ने साल 2023 में कुल 33 विकेट निकाले। उन्होंने बैट से बेहतरीन प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उन्होंने 47 रन बनाने के साथ 5 विकेट भी लिए थे।

8. एडम जम्पा, ऑस्ट्रेलिया - ऑस्ट्रेलिया के राइट आर्म लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 2023 में कुल 38 विकेट लिए। वह वर्ल्ड कप के 11 मैचों में 23 विकेट लेकर दूसरे टॉप विकेट टेकर रहे थे। उनकी इकोनॉमी भी इस दौरान 6 से कम रही।

9. कुलदीप यादव, भारत - 2023 के टॉप विकेट टेकर भारत के कुलदीप यादव ने भी टीम में जगह बनाई। उन्होंने 30 वनडे में कुल 49 विकेट लिए। वह हर 21वीं बॉल में एक विकेट निकाल रहे थे। वर्ल्ड कप में उन्होंने 11 मैचों में 15 विकेट झटके, क्योंकि पेसर्स उन्हें ज्यादा बॉलिंग के मौके ही नहीं दे रहे थे।

10. मोहम्मद सिराज, भारत - 2023 में आईसीसी की वनडे बॉलर्स रैंकिंग में पहले नंबर पर पहुंचने वाले मोहम्मद सिराज ने 25 मैचों में कुल 44 विकेट लिए। वह कुलदीप के बाद दूसरे नंबर पर रहे। एशिया कप फाइनल में उनके 6 विकेट की बदौलत टीम ने खिताब जीता। वर्ल्ड कप में उन्होंने 14 विकेट लिए, श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने महज 16 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

11. मोहम्मद शमी, भारत - वनडे वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर मोहम्मद शमी ने टूर्नामेंट के 7 ही मैचों में 24 विकेट झटक लिए। सेमीफाइनल में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 विकेट लिए और टूर्नामेंट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय भी बने। साल के 19 ही मैचों में उन्होंने 43 विकेट झटक लिए, वह हर 17वीं बॉल पर ही एक विकेट निकाल दे रहे थे। आईसीसी ने एक दिन पहले ही टी-20 टीम ऑफ द ईयर भी घोषित की थी। भारत के सूर्यकुमार यादव को टीम को कप्तान बनाया गया। उनके साथ टीम में भारत के यशस्वी जायसवाल, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह को भी जगह मिली।

भारत को ओलंपिक में कठिन पूल

स्वर्ण पदक विजेता बेल्जियम-ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के साथ मिली जगह

लुसान (स्विटजरलैंड)।
टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इस वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए कड़ा जोर लगाना होगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने पेरिस ओलंपिक के पूल आवंटित कर दिए, जिसमें भारत को विश्व नंबर दो, गत ओलंपिक विजेता बेल्जियम, टोक्यो में रजत पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया, रियो ओलंपिक विजेता अर्जेंटीना के साथ पूल बी में रखा गया है। पूल की अन्य दो टीमें मजबूत न्यूजीलैंड और आयरलैंड हैं।

पुरुष हॉकी में एकमात्र एशियाई टीम भारत - हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम इस वक्त विश्व में नंबर तीन के स्थान पर है। उससे ऊपर नीदरलैंड और बेल्जियम है। आठ ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले भारत को हमेशा ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के साथ जीतने में दिक्कत आई है। वहीं पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, द. अफ्रीका और मेजबान फ्रांस को जगह दी गई है। इस वर्ष ओलंपिक में खेलने वाली 12 टीमों में भारत एकमात्र एशियाई टीम है। एफआईएच ने ओलंपिक हॉकी क्वालिफायर समाप्त होने के बाद पूल आवंटित किए।

महिला टीम नहीं कर पाई है क्वालिफाई - भारतीय महिला हॉकी टीम रांची में हुए ओलंपिक क्वालिफायर में पेरिस का टिकट हासिल नहीं कर सकी। उसे जापान के हाथों तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में 0-1 से हारना पड़ा। पूलों का आवंटन विश्व रैंकिंग के हिसाब से किया गया है। ओलंपिक में दोनों पूल में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। इस दौरान हॉकी मुकाबले 27 जुलाई से नौ अगस्त तक होंगे। आठ बार की ओलंपिक पदक विजेता (तीन स्वर्ण) पाकिस्तानी पुरुष हॉकी टीम एक बार फिर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई।

एकदिवसीय विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए अशरफ जिम्मेदार : इंजमाम

मुम्बई ।
पाकिस्तान क्रिकेट में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने कहा है कि गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए उस समय पीसीबी प्रमुख रहे जका अशरफ जिम्मेदार हैं। पाक टीम की हार के बाद मुख्य कोच और चयन समिति के अध्यक्ष रहे इंजमाम के अलावा टीम के कप्तान बाबर आजम ने भी इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अशरफ को भी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। वहीं इससे पहले अशरफ ने कहा कि विश्व कप टीम का चयन कप्तान और मुख्य चयनकर्ता ने किया था और बोर्ड का उसमें कोई दखल नहीं था। इसलिए इस मामले में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। विश्ववकप में पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही और नॉकआउट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी।

इंजमाम ने कहा, क्या आप खिलाड़ियों की मानसिकता की कल्पना कर सकते हैं जब विश्व कप जैसे शीर्ष आयोजन के दौरान वे सुनते हैं कि पीसीबी अध्यक्ष कह रहे हैं कि टीम का चयन बोर्ड द्वारा नहीं बल्कि कप्तान और मुख्य चयनकर्ता द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा, इससे खिलाड़ियों के दिमाग में क्या चल रहा होगा जब उन्होंने सुना कि मुख्य चयनकर्ता के खिलाफ भी एक जांच समिति बनाई गई है और उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। मैं अभी भी अपने खिलाफ उस जांच समिति की उस रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं जो यह जांच करने के लिए बनाई गई थी कि मुख्य चयनकर्ता रहते हुए मैंने हितों का टकराव किया था या नहीं।

उन्होंने कहा कि टीम को एकदिवसीय विश्व कप में आत्मविश्वास की जरूरत थी, जो उन्हें नहीं मिला। इंजमाम ने कहा, इन बदलावों ने टीम के प्रदर्शन को प्रभावित किया और बाबर आजम जैसा शीर्ष खिलाड़ी जब दबाव में आ गया तो अन्य लोगों की आप कल्पना कर सकते हैं कि उनका मनोबल कितना कमजोर होगा। विश्व कप में टीम संघर्ष कर रही थी और जब उन्हें पूरा आत्मविश्वास और समर्थन देने की जरूरत थी पर ऐसा हुआ नहीं।

इंग्लैंड के लिए आक्रामक रणनीति होगी लाभप्रद : कुक

लंदन ।
इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने कहा है कि भारत में आक्रामक रणनीति से खेलने से टीम को लाभ होगा। कुक ने हालांकि माना कि भारत में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले इंग्लैंड को अभ्यास मैचों की कमी से कुछ नुकसान हो सकता है। इसके बाद भी उन्हें आक्रामक रणनीति पर भरोसा है। कुक की कप्तानी में ही इंग्लैंड ने 2012 में भारत में अंतिम बार टेस्ट सीरीज जीती थी।

अबु धाबी की 'उपमहाद्वीप जैसी परिस्थितियों में एक महीने के ट्रेनिंग शिविर का विकल्प चुनने के बाद बेन स्टोक्स और उनकी टीम गुरुवार से होने वाले शुरुआती टेस्ट से ठीक चार दिन पहले हैदराबाद पहुंची। वर्ष 2012-13 की श्रृंखला में भारत पर 2-1 की जीत के दौरान 562 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे कुक ने 'द संडे टाइम्स में अपने कॉलम में लिखा, 'इंग्लैंड के लिए मैच की तैयारी की कमी एक समस्या होगी।

उन्होंने कहा, ' जब हमने 2012 में भारत में जीत हासिल की थी तो हमने अच्छी टीमों के खिलाफ तीन अभ्यास मैच खेले थे। उस समय भारत ए टीम में कुछ शीर्ष खिलाड़ी शामिल थे जिनका हमने सामना किया था। कुक ने कहा कि इस सीरीज से पहले कम से कम एक अभ्यास मैच होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'यदि दौरा करने वाली टीमों के लिए अच्छे हालातों में अच्छे अभ्यास मैच आयोजित करने के लिए देशों के बीच किसी प्रकार का अनौपचारिक समझौता होना चाहिये था। गौरतलब है कि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में हार के बाद से ही भारतीय टीम 14 घरेलू टेस्ट श्रृंखलाओं में नहीं हारी है। इसके बाद भी कुक को इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति पर भरोसा है। कुक ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि इंग्लैंड की भारत में क्या कर सकती है। मुझे लगता है कि यह उनके पास जीत हासिल करन का अच्छा अवसर है। वे उपमहाद्वीप में बल्लेबाजी के पारंपरिक नियमों का पालन नहीं करेंगे। मुझे हमेशा से लगा है कि शुरुआती 30 गेंद अहम होती हैं जब आप तालमेल बैठाने का प्रयास कर रहे होते हो। कुक ने कहा कि इंग्लैंड टीम के पास भारतीय बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने वाला आक्रमण भी है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह देखना है कि भारतीय बल्लेबाज किस प्रकार का प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज भारत के गेंदबाजों पर हावी होने का प्रयास कर सकते हैं। जिससे उनकी लय खराब हो। कुक ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को स्पिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया और कहा कि उसने बिना किसी जोखिम के ऐसा किया है।

23 फरवरी को शुरू होगा विमेंस प्रीमियर लीग

सीजन-1 की फाइनलिस्ट मुंबई और दिल्ली के बीच पहला मुकाबला; बेंगलुरु-दिल्ली में होंगे सभी 22 मैच

मुम्बई ।
विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का शेड्यूल घोषित हो चुका है। 23 फरवरी को सीजन-1 की फाइनलिस्ट मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ओपनिंग मैच होगा। 15 मार्च को एलिमिनेटर और 17 मार्च को फाइनल खेला जाएगा। विमेंस प्रीमियर लीग के सभी 22 मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। दोनों ही शहरों में 11-11 मैच खेले जाएंगे।

शाम 7: 30 बजे से शुरू होंगे सभी मुकाबले

विमेंस प्रीमियर लीग के सीजन-2 में 23 फरवरी से 4 मार्च तक शुरुआती 11 मुकाबले बेंगलुरु होंगे। इसके बाद 5 से 17 मार्च तक बाकी 11 मुकाबले दिल्ली में खेले जाएंगे। एक दिन में एक ही मैच होगा और सभी मुकाबले शाम 7 : 30 बजे से शुरू होंगे।

13 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच दिल्ली में आखिरी लीग मैच होगा। 14 और 16 मार्च को एक-एक दिन का ब्रेक रहेगा। जबकि 15 मार्च को एलिमिनेटर और 17 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल खेलेगी

विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में भी 5 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 2-2 लीग मैच खेलेंगी। लीग स्टेज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम के बीच दिल्ली में एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसे जीतने वाली टीम 17 मार्च को पहले नंबर पर रहने वाली टीम के खिलाफ फाइनल खेलेगी।

मुंबई ने दिल्ली को हराकर जीता था सीजन-1 का खिताब

विमेंस प्रीमियर लीग का पहला सीजन 2023 में 4 से 26 मार्च के बीच खेला गया। मुंबई इंडियंस ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। मुंबई की कप्तानी हरमनप्रीत कौर और दिल्ली की मेग लेनिंग ने की थी। पहले सीजन में 5 टीमों ने हिस्सा लिया था, दूसरे सीजन में भी 5 ही टीमें हिस्सा लेंगी।

एक ही राज्य में कराना चाह रहा था बीसीसीआई

रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन को एक ही राज्य के अलग-अलग स्टेडियम में करवाना चाह रहा था। क्योंकि एक ही राज्य में मैच होने से मैनेजमेंट आसानी से हो जाता है। बीसीसीआई ने महाराष्ट्र और गुजरात के 2 ऑप्शन निकाले थे। लेकिन मुंबई में सीजन-1 के सभी मैच खेले गए, इसलिए इस बार उसे मेजबानी नहीं दी जा रही। जबकि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की दर्शक क्षमता टूर्नामेंट के लिए कुछ ज्यादा ही हो जाती। इसलिए बीसीसीआई ने इन दोनों स्टेडियम को ड्रॉप किया और आखिर में दिल्ली और बेंगलुरु पर सहमति बना ली।

22 मार्च से शुरू हो सकता है आईपीएल

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईपीएल का 17वां संस्करण 22 मार्च से शुरू हो कर 26 मई तक चल सकता है। इसके 5 दिन बाद ही 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट को 17 साल से नहीं जीत सका है, टीम को एकमात्र सफलता 2007 में मिली थी।

प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

सत्यमेव जयते
असम सरकार
पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सपनों को सार्थक कर
मजबूत भविष्य का निर्माण

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत
असम में
17 लाख
पक्के घरों का निर्माण सम्पूर्ण

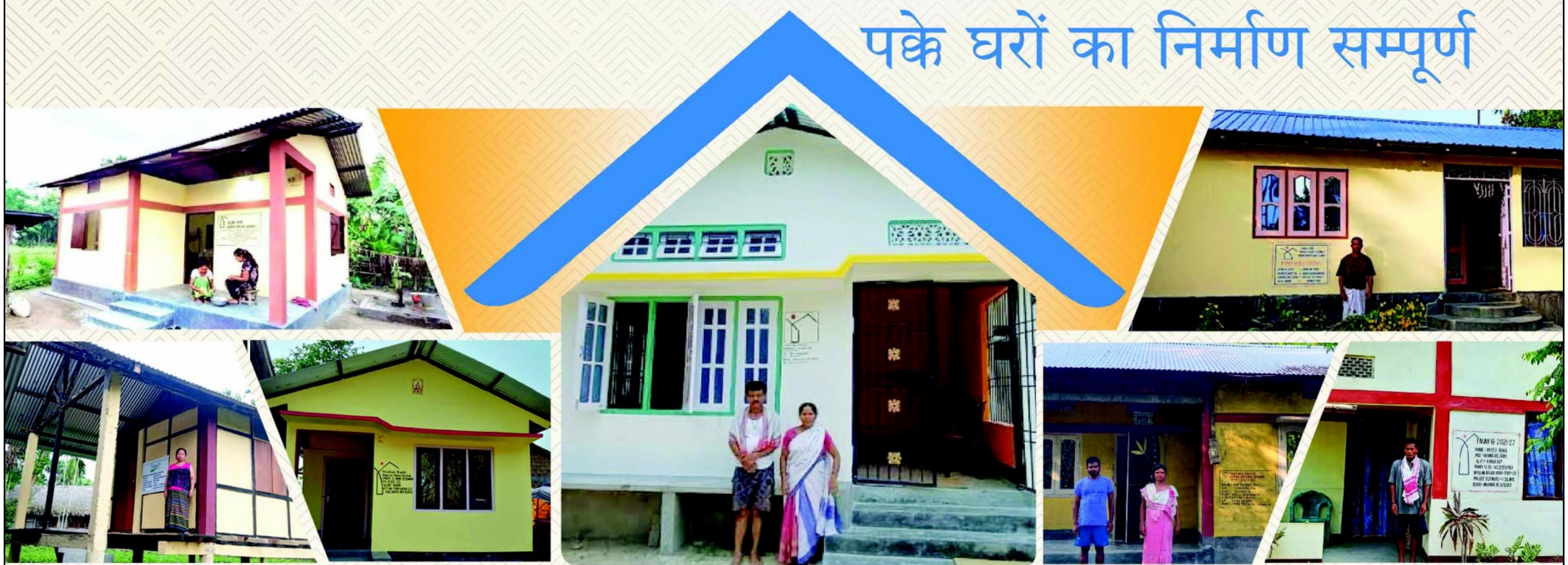

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत असम में आज तक निर्मित 17 लाख पक्के घरों के अभिलेख ने गरीब लोगों के लिए बेहतर जीवन स्थितियों का मार्ग प्रशस्त किया है। यह है माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेंद्र मोदी** जी के मार्गदर्शन तथा माननीय मुख्यमंत्री **डॉ. हिमंत विश्व शर्मा** जी के दूरदर्शी नेतृत्व में उज्ज्वल भविष्य के प्रति हमारा गहरा विश्वास।

मैं इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्यमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। सभी लाभार्थियों को हम पर भरोसा करने के लिए भी बधाई देना चाहता हूं।

रणजित कुमार दास
मंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, असम

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, असम द्वारा जारी

-- Janasanyog /DF/2521/23